THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 177 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.14 2080 बुधवार, 13 सितंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रिज़र्व बैंक - एकीकृत लोकपाल योजना

शिकायत दर्ज करने के लिए
https://cms.rbi.org.in
पर जाएँ

आरबीआई विनियमित संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों के निवारण के लिए एकल सुविधा

30 दिनों के भीतर शिकायतों का निवारण न होने या आरबीआई द्वारा विनियमित बैंकों/एनबीएफ़सी/क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियों/पेमेन्ट प्रणाली प्रतिभागियों द्वारा संतोषजनक निवारण न होने पर, आप उनकी शिकायत आरबीआई लोकपाल के समक्ष दर्ज कर सकते हैं

ऑनलाइन https://cms.rbi.org.in पर या डाक द्वारा केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिज़र्व बैंक, चंडीगढ़ – 160017 पर शिकायत दर्ज़ करें

अपवर्जन सूची में उल्लिखित सेवाओं को छोड़कर, अन्य सेवाओं में कमियों से संबंधित सभी शिकायतें शामिल हैं

अपनी शिकायत की वास्तविक स्थिति को शिकायत प्रबंधन प्रणाली (https://cms.rbi.org.in) पर देखें

अधिक जानकारी के लिए **14448** पर कॉल करें.

समय: कार्यदिवसों पर, राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर:

- हिंदी और अंग्रेजी के लिए सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक
- 10 क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) के लिए सुबह 9:30 बजे से शाम 5:15 बजे तक

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

अधिक जानकारी के लिए, **https://rbikehtahai.rbi.org.in/** पर जाएं
फ़ीडबैक देने के लिए, **rbikehtahai@rbi.org.in** को लिखें

मोनू मानेसर को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया

8 महीने से फरार था, नासिर-जुनैद को भिवानी में जिंदा जलाने का आरोप

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने मोनू मानेसर को गिरफ्तार कर लिया है। मोनू मानेसर पर भिवानी में जिंदा जलाए नासिर-जुनैद हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। उसे राजस्थान पुलिस के हवाले किया जाएगा। मोनू को उसी के गांव मानेसर से पकड़ा गया है। वह पिछले 8 महीने से फरार था।

16 फरवरी 2023 को हरियाणा के भिवानी में बोलेरो गाड़ी में दो जली हुई लाशें मिलीं थीं। जांच में पता चला था कि ये लाशें राजस्थान के भरतपुर जिले के घाटमिका गांव के जुनैद और नासिर की थीं। हरियाणा के कई गो-रक्षकों पर उनकी हत्या का आरोप लगा। इनमें सबसे चर्चित नाम मोनू मानेसर उर्फ मोहित यादव का था।

हत्या के एक दिन पहले किडनैप हुए थे नासिर-जुनैद

राजस्थान के जिला भरतपुर के पहाड़ी इलाके के गांव घाटमीका निवासी नासिर (28) और जुनैद (33) को 15 फरवरी को किडनैप किया गया था। अगले दिन हरियाणा के भिवानी में बोलेरो में दोनों के कंकाल बरामद हुए थे। इस मामले में दोनों के परिवार ने बजरंग दल से जुड़े गोरक्षक मोनू मानेसर और उसके साथियों पर मारपीट के बाद दोनों को जिंदा जलाकर मार देने का आरोप लगाया था। इसके बाद भरतपुर थाना पुलिस ने मोनू मानेसर सहित अन्य लोगों पर विभिन्न धाराओं में केस भी दर्ज किया हुआ है। पुलिस इस केस में फरार 8 आरोपियों की फोटो भी जारी कर चुकी है।

बोलेरो को पीछा कर दोनों तरफ से टक्कर मारी गई

परिवार का आरोप था कि जुनैद-नासिर को बोलेरो में जान बचाकर भागते देख आगे-पीछे से टक्कर मारी गई। इसके बाद दोनों से मारपीट की गई। मारपीट के बाद वह नासिर-जुनैद को पुलिस थाना फिरोजपुर झिरका ले गए। जहां पर बजरंग दल वालों ने दोनों को पुलिस को सौंपने की कोशिश की, लेकिन दोनों की हालत इस कदर खराब कर दी थी कि पुलिस ने दोनों को रखने से मना कर दिया।

जिंदा जलाकर मार दिया

परिवार का कहना था कि पुलिस के हिरासत में लेने से इनकार करने के बाद बजरंग दल के नेता मोनू मानेसर, रिंकू सैनी के अलावा 7 से 8 अन्य लोग दोनों को भिवानी ले गए। वहां उन्हें पिछली सीट पर बैठाकर बोलेरो समेत जिंदा जलाकर मार डाला। हमें सोशल मीडिया पर चली खबर के बाद दोनों की मौत का पता चला। गाड़ी के इंजन और चेसिस नंबर से पता चला कि ये हमारी गाड़ी है। मरने वाले हमारे दोनों भाई हैं।

भाई की ससुराल से लौट रहे थे बीच रास्ते में रोक लिया

जुनैद के चचेरे भाई इस्माइल ने आरोप लगाया था कि जुनैद और नासिर 14 फरवरी को भोरूबास सिकरी गांव गए थे। यहां उनके भाई की ससुराल है। रात में वही रुक गए थे।

बुधवार सुबह यानी 15 फरवरी घर आ रहे थे। रास्ते में दोनों को बजरंग दल वालों ने रोका। इनका नाम पूछा। इसके बाद दोनों को गाड़ी से खींचकर बाहर निकालने की कोशिश की गई। नासिर-जुनैद ने जैसे ही देखा कि उन्हें ये खींच रहे है, तो उन्होंने अपनी जान बचाने के लिए अपनी गाड़ी बोलेरो को भगा दिया।

मणिमहेश यात्रा में पंजाब के दो श्रद्धालुओं की मौत

एक गहरी खाई में गिरने से मरा; दूसरे ने ऑक्सीजन की कमी से तोड़ा दम

शिमला, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत की पवित्र एवं पावन मणि महेश यात्रा के दौरान एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। दोनों मृतक पंजाब के निवासी थे। सोमवार सुबह के वक्त ऑक्सीजन की कमी से जरनैल सिंह ने दम तोड़ा था, जबकि देर शाम हड़सर में रविकांत की गिरने से मौत हो गई। आज सुबह ही रविकांत का शव गहरी खाई से बरामद किया गया। इसकी पुष्टि एसडीएम भरमौर कुलवंत सिंह ने की।

सूचना के अनुसार, बीती शाम पंजाब के अमृतसर निवासी रविकांत हड़सर में गहरी खाई में गिर गए। घना अंधेरा और गहरी खाई की वजह से रात में उन्हें सर्च करने में परेशानी हुई। सुबह के वक्त उनका शव रेस्क्यू दल ने खाई से निकाला और शव का भरमौर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम चल रहा है।

सोनिया, राहुल और कांग्रेस की सोची समझी रणनीति का हिस्सा है सनातन धर्म का अपमान : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सनातन धर्म के अपमान को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस की सोची समझी रणनीति का हिस्सा बताया है। उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन से यह सवाल पूछा है कि मोहब्बत की दुकान के नाम पर सनातन धर्म के खिलाफ नफरत का सामान क्यों बेचा जा रहा है? भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन को आईएनडीआई गठबंधन बोलते हुए मंगलवार को एक्स (पहले ट्विटर) कर यह आरोप लगाया कि, आईएनडीआई गठबंधन की मुम्बई बैठक के दो दिन बाद उदयनिधि स्टालिन का बयान आना, फिर प्रियांक खड़गे का सनातन पर आघात और आज डीएमके के मंत्री द्वारा ये स्वीकार करना कि आईएनडीआई गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म के विरोध में किया गया था, यह सोनिया गांधी, राहुल और कांग्रेस की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। नड्डा ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए आगे कहा, कांग्रेस और आईएनडीआई गठबंधन को इस बयान पर अपना मत स्पष्ट करना चाहिए, इनको बताना चाहिए कि क्या संविधान में किसी धर्म के बारे में आपत्तिजनक बयान देने का अधिकार है? आईएनडीआई गठबंधन के लोगों को क्या संविधान के प्रावधानों की जानकारी नहीं है? आईएनडीआई गठबंधन, कांग्रेस, सोनिया और राहुल बताएं मोहब्बत की दुकान के नाम पर सनातन धर्म के खिलाफ नफरत का सामान क्यों बेचा जा रहा है ?

पूर्व सेना प्रमुख के 'भारत में मिलेगा पीओके' वाले बयान पर शिवसेना का वार

कहा-पद पर थे, तभी लेना था

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) अपने आप ही भारत में शामिल हो जाएगा। इसके लिए आपको बस थोड़ा सा इंतजार करने की जरूरत है। उनका यह बयान सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने पूर्व सेना प्रमुख पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब वह पद पर थे, तब कोशिश करनी चाहिए थी।

संजय राउत ने कहा कि हमने हमेशा सपना देखा है कि 'अखंड भारत' हो। हम हमेशा कहते हैं कि पीओके हमारा है, लेकिन जब पूर्व सेना प्रमुख पद पर थे, तो उन्हें इसे अपना बनाने के लिए कोशिश करनी चाहिए थी। उन्होंने पूछा कि अब आप इसे कैसे ले सकते हो? उन्होंने कहा कि अगर इस दिशा में कोई प्रयास किया जाता है तो हम इसका स्वागत करेंगे। राउत ने कहा कि इससे पहले मणिपुर में शांति लाना जरूरी है। चीन मणिपुर तक पहुंच गया है। वहीं, राहुल गांधी ने बताया कि लद्दाख में भी चीन घुस चुका है और हमारी जमीन ले ली है। इतना ही नहीं, चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों को अपने नक्शे में दिखाया। उन्होंने कहा कि पहले इसे खत्म करें। इन क्षेत्रों को पहले वापस अपने कब्जे में ले लो। उसके बाद पीओके अपने आप भारत में विलय हो जाएगा, ऐसा होने के लिए आपकी जरूरत नहीं है।

चीन से ध्यान भटकाने की कोशिश

वहीं, दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि वीके सिंह चीन से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। यह सच है कि चीन ने भारतीय क्षेत्र के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया है। लद्दाख से एक खबर आई थी, वहां के एसपी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 66 में से 26 स्थान, जहां भारतीय सेना गश्त करने के लिए जाती थी, वहां अब नहीं जा पाती है। जाहिर सी बात है, चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। जनरल सिंह को पहले इस बारे में बताना चाहिए।

यह है मामला

दरअसल, राजस्थान के दौसा में मीडिया से बात करते हुए शिया मुसलमानों की भारत के लिए सड़कें खोलने की मांग वाले प्रश्न पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा कि बस कुछ वक्त इंतजार कीजिए, पीओके का अपने आप भारत में विलय हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि लोगों ने मांग की है पीओके को भारत में विलय किया जाए।इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पीओके अपने आप ही भारत में विलय हो जाएगा, कुछ समय इंतजार करें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता कांग्रेस सरकार के राज में बदहाल कानून व्यवस्था, युवाओं और किसानों से वादाखिलाफी से पूरी तरह परेशान है। इसलिए भाजपा को जनता के बीच जाकर उनकी बात सुनने के लिए परिवर्तन संकल्प यात्रा निकालनी पड़ी है। इस यात्रा में जनता पूरा साथ दे रही है।

ममता बनर्जी 12 दिनों के विदेश दौरे पर रवाना

स्पेन-दुबई में बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगी, सौरव गांगुली भी साथ होंगे

कोलकाता, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 12 दिनों के स्पेन और दुबई दौरे के लिए मंगलवार को कोलकाता एयरपोर्ट से रवाना हुई।

दुबई में रात भर रुकने के बाद बुधवार सुबह ममता स्पेन की राजधानी मैड्रिड जाएंगी।

मैड्रिड में ममता तीन दिवसीय बिजनेस समिट में भाग लेंगी। मैड्रिड में इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कैप्टन सौरव गांगुली उन्हें जॉइन करेंगे। इसके बाद वे गैर आवासीय बंगालियों से भी मुलाकात करेंगी।कोलकाता में 21 और 22 नवंबर को होने वाले 7वें बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) को लेकर ममता की विदेश यात्रा अहम मानी जा रही है। विदेश यात्रा के जरिए ममता बंगाल में ज्यादा से ज्यादा विदेशी निवेशकों को लाने की कोशिश करेंगी। नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय में ममता ने मंगलवार को बताया कि मैड्रिड में तीन दिन रुकने के बाद वो बार्सिलोना में दो दिन के बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगी। इसके बाद बार्सिलोना से वापस दुबई आएंगी, जहां बीजीबीएस समेत कुछ और मुद्दों पर बैठकों में उन्हें शामिल होना है। ममता के साथ बंगाल के चीफ सेक्रेटरी एच के द्विवेदी और कोलकाता फुटबॉल क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के सीनियर पदाधिकारी भी विदेश दौरे पर जाएंगे। 23 सितंबर को सभी लोग दुबई से कोलकाता लौटेंगे।

टीएमसी सांसद नुसरत जहां को ईडी ने फिर किया तलब

कोलकाता, 12 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां को प्रवर्तन निदेशालय ने एक बार फिर तलब किया है। ईडी ने उनसे मंगलवार को अपने कोलकाता स्थित दफ्तर में नुसरत जहां से पूछताछ की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन पर शहर के न्यू टाउन में फ्लैट देने का वादा कर वरिष्ठ नागरिकों से ठगी करने का आरोप है। गौरतलब है कि इससे पहले पांच सितंबर को भी नुसरत जहां की इसी मामले में ईडी के सामने पेशी हुई थी। ईडी की जांच वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह द्वारा हाल ही में शिकायत दर्ज कराने से संबंधित है, जिसमें एक रियल एस्टेट कंपनी पर न्यू टाउन इलाके में फ्लैट देने का वादा करके धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया था।

लिव-इन पार्टनर के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत देना पड़ा भारी

गुस्साए व्यक्ति ने की महिला की हत्या

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के 43 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी लिव-इन पार्टनर के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराने के बाद कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी।

9-12 अगस्त के बीच की घटना वसई की सहायक पुलिस आयुक्त पद्मजा बड़े ने कहा कि पालघर के वसई इलाके के रहने वाले आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना 9 से 12 अगस्त के बीच हुई है। फिलहाल, 28 वर्षीय पीड़िता का शव अभी तक नहीं मिला है।

गुमशुदगी की शिकायत

उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार ने 14 अगस्त को नायगांव पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्हें संदेह है कि आरोपी ने शव को पड़ोसी गुजरात के वापी शहर में ठिकाने लगा दिया।

यह है मामला

बड़े ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पीड़िता ने दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। इससे वह गुस्से में था।

उसने महिला से शिकायत वापस लेने को भी कहा, लेकिन उसने मना कर दिया था। इसके बाद, व्यक्ति ने कथित तौर पर महिला की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पीड़िता की बहन की शिकायत के बाद नायगांव पुलिस ने सोमवार को आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। वहीं, आरोपी पर मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस सीमा के एक अन्य पुलिस स्टेशन में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला भी दर्ज है।

कश्मीर में कम बारिश से 40 प्रतिशत झेलम सूखी

हाउसबोट्स ने किराया आधा किया, फिर भी टूरिस्ट नहीं मिले; मालिक मजदूरी करने पर मजबूर

श्रीनगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त में कश्मीर में सबसे कम बारिश होने से झेलम सूखने की कगार पर है। झेलम 40% सूखकर छोटी बरसाती नदी जैसी रह गई है। इससे यहां का हाउसबोट उद्योग संकट में आ गया। आमतौर पर यहां एक रात का किराया दो हजार रुपए था। पर्यटक आने कम हुए तो तो हाउसबोट मालिकों ने किराया घटाकर एक हजार रुपए कर दिया। इसके बावजूद टूरिस्ट नहीं मिल रहे।

रिवर झेलम हाउसबोट एसोसिएशन के प्रवक्ता गुलाम कादिर गस्सी कहते हैं कि हालात ऐसे बन गए हैं कि कई हाउसबोट मालिक मजदूरी करने को मजबूर हैं। कुछ तो गाइड बन गए हैं। कुछ हाउसबोट और प्लॉट सरकार को लौटा रहे हैं ताकि उनका पुनर्वास हो सके। कादिर गस्सी कहते हैं, 'कश्मीर में डल झील और झेलम, दो जगह हाउसबोट हैं। हम पानी से लबालब झेलम के विज्ञापन दिखाकर सैलानियों को यहां आने के लिए कहते हैं। पर अब वो झेलम दिखती ही नहीं। पानी नहीं आया तो सर्दियों में मुश्किल बढ़ेगी। कादिर ने बताया, डल के हाउसबोट सुधरवाने में प्रशासन मदद देता है। पर हमारे साथ ऐसा नहीं है। हैरानी की बात यह है कि एक किमी से भी कम दूरी पर स्थित डल झील पर्यटकों से लबालब है। क्योंकि राज्य सरकार ने वहां वॉटर गेट की मदद से जलस्तर मेंटेंन रखा है। बरसों से यहां हाउसबोट चला रहे अली मोहम्मद बताते हैं, '40 साल बाद झेलम में पानी इतना नीचे उतरा है। हाउसबोट वीरान पड़े हैं। देवदार की लकड़ियां गर्मी नहीं सह पाती हैं, इसीलिए टूटने लगी हैं। मरम्मत भी आसान नहीं, क्योंकि लकड़ी के दाम 7 हजार रुपए घन फीट हैं। लकड़ी व मजदूरी जोड़ लें तो एक हाउसबोट की मरम्मत में 5 लाख रुपए तक खर्च आता है। अब हाउसबोट ठीक कराएं या पेट पालें। ऐसा ही रहा तो झेलम में हाउसबोट बचेगी ही नहीं।'

यह दर्द सिर्फ अली का नहीं, बल्कि उन 76 हाउसबोट मालिकों का है, जो संकट में हैं। यहां कभी 800 हाउसबोट हुआ करती थीं। झेलम की कई बोट 100 साल से ज्यादा पुरानी हैं। इन फ्लोटिंग होटलों को पेपर, चांदी, तांबा, कांच और हस्तशिल्प से सजाते हैं ताकि पर्यटक आकर्षित हो सकें। पर आज हाउसबोट पर्यटकों के लिए तरस रही हैं।

जहां से झेलम निकलती है, वो ग्लेशियर भी 23% तक सिकुड़ा

झेलम में पानी कम होने की एक बड़ी वजह कोलाहोई ग्लेशियर का सिकुड़ना है। झेलम इसी से निकलती है। यह ग्लेशियर 23% तक सिकुड़ चुका है। तापमान बढ़ने से हर साल करीब एक मीटर सिकुड़ रहा है। एक्सपर्ट कहते हैं यह रफ्तार हिमालय के बाकी ग्लेशियर्स से बहुत ज्यादा है। बीती सर्दियों में सामान्य से कम बर्फबारी और ऊंचे तापमान ने भी ग्लेशियर के पिघलने की रफ्तार बढ़ा दी है।

रोचक खबरें

कभी देखे हैं 'सींग' वाले सूअर?

मुंह से उगते हैं नुकीले दांत, खोपड़ी में छेद कर ले लेते हैं जान!

दुनिया में कई तरह के जीव रहते हैं. हर जीव की भी कई प्रजातियां हैं. जिस तरह जगह के साथ इंसान का रंग-रुप बदलता जाता है, उसी तरह जानवरों के साथ भी ऐसा ही होता है. जहां सूखे जगहों पर आपको छोटे बालों वाले भालू दिखेंगे, वहीं बर्फीली जगहों पर लंबे फर से ढंके भालू आपको नजर आ जाएंगे. भगवान ने बड़ी समझदारी से दुनिया के हर जीव को बनाया है. आज हम आपको सूअर की एक ऐसी प्रजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके मुंह से उनकी मौत का जन्म होता है. जी हां, हम बात कर रहे हैं बबीरूसा की. इंडोनेशिया में सुलावेसी आइलैंड में पाए जाने वाले इस सूअर की प्रजाति को डियर पिग भी कहा जाता है. सुलावेसी के अलावा ये टोगीजन, सुला और बुरु में भी पाए जाते हैं. सूअर की ये प्रजाति एक ख़ास वजह से जानी जाती है. इस प्रजाति के मेल सूअरों के मुंह से सींग जैसी आकृति निकलती है, जो आखिर में उनके ही माथे में चुभ जाते हैं और उनकी जान ले लेते हैं.

रहस्यमई है इन सींगों की वजह

सूअरों की इस प्रजाति को डियर पिग कहते हैं. ये प्रजाति अपने नुकीले दांतों जैसे सींग के लिए जाने जाते हैं. मेल के मुंह से दो लंबे दांत निकले होते हैं और दो छोटे. लंबे टस्क आगे जाकर इनकी ही खोपड़ी में छेद कर देते हैं. इसके बाद मेल मौत हो जाती है. जबकि दो छोटे टस्क का राज आज तक खुल नहीं पाया. लेकिन ऐसा माना जाता है कि जब ये लड़ाई करते हैं, तो टस्क की मदद से ये अपने आंख और मुंह को बचाते हैं.

इलीगल है शिकार : इंडोनेशिया में बबीरूसा का शिकार गैरकानूनी है. इन्हें प्रोटेक्टेड एनिमल की श्रेणी में रखा गया है. लेकिन इसके बाद भी इनका शिकार किया ही जा रहा है. पहले बबीरूसा घने जंगलों में रहते थे. इस वजह से ये इंसानों की नजर से दूर रहते थे. लेकिन अब जंगलों की कटाई से ये इंसानों के ज्यादा कांटेक्ट में आ गए हैं. इस वजह से ही इनके शिकार के कई मामले अब देखने-सुनने को मिलते हैं. हालांकि, इनका शिकार मीट की वजह से नहीं होता. इंडोनेशिया में कई मुस्लिम हैं और वहां इस जानवर के मांस को कोई नहीं खाता.

माइक पर सील ने छेड़ी सुरीली तान, यूं गाता दिखा गाना!

क्या आपने कभी सिंगिंग सील देखी है? आप सोच रहे होंगे कि ये हम क्या कह रहे हैं. भला सील भी कभी गाना गा सकती है? लेकिन आज हम आपको जो वीडियो दिखाने जा रहे हैं, उसे देखने के बाद आपको भी ऐसा ही लगेगा कि सील तो गा सकती है. सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया गया, जिसमें सील गाना गा रही थी. इसे देखकर हर कोई एक मिनट के लिए हैरान ही हो गया. अगर आपको भी ऐसा लगता है तो आइये इसकी असलियत जान लें. वीडियो में एक सील को स्विमिंग पूल के बाहर देखा गया. सील के ठीक सामने एक माइक लगा हुआ था. सील इसी माइक पर गाना गा रहा था. साथ ही उसके गाने के लिरिक्स भी सबको समझ आ रहे थे. जब म्यूजिक बजता तो सील माइक से चेहरा हटा लेता. उसका ट्रेनर उस समय सील को कुछ खाने को देता. वापस से सील माइक पर चेहरा लगाकार गाना गाने लगता. लेकिन आप ज्यादा हैरान मत होइए. ये सील इंसानी आवाज में गाना नहीं गा सकता. वीडियो की असलियत कुछ और ही है.

कर रहा था लिप्सिंग

वायरल हो रहे इस वीडियो को देखने के बाद लोग हैरान हो गए. सील वाकई माइक पर गाना गाता नजर आया. वो भी इंसानों की आवाज में. जब म्यूजिक बजता तो वो अपना चेहरा माइक से हटा लेता था. लोगों को इतनी हैरानी हुई कि क्या वाकई कोई सील इतनी अच्छी सुरीली आवाज में गाना गा सकता है? लेकिन इससे पहले की आप भी हैरान हो जाएं, ये बता दें कि असल में सील सिर्फ माइक पर लिप्सिंग कर रहा था. गाना रिकॉर्ड कर बजाया जा रहा था और सील उसपर एक्ट कर रहा था, जैसे वो ही गाना गा रहा है.

गूगल मैप ने करवाया तलाक!

खोल कर रख दी धोखेबाज बीवी की पोल, खींच ली पराए मर्द से लिपटी तस्वीर

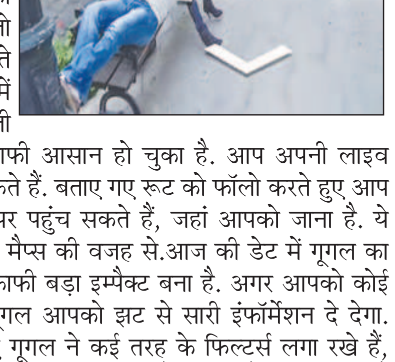

आज का समय तकनीक का है. लोगों ने ऐसे कई तकनीक बना दिए हैं, जिसकी वजह से उनकी लाइफ आसान हो गई है. पहले अगर किसी को कहीं जाना होता था तो एड्रेस समझते-समझते और उसे समझाने में हालत खराब हो जाती थी. लेकिन अब ये काफी आसान हो चुका है. आप अपनी लाइव लोकेशन शेयर कर सकते हैं. बताए गए रूट को फॉलो करते हुए आप आराम से उस एड्रेस पर पहुंच सकते हैं, जहां आपको जाना है. ये पॉसिबल हुआ है गूगल मैप्स की वजह से.आज की डेट में गूगल का इंसान की लाइफ पर काफी बड़ा इम्पैक्ट बना है. अगर आपको कोई जानकारी चाहिए तो गूगल आपको झट से सारी इंफॉर्मेशन दे देगा. सही जानकारी के लिए गूगल ने कई तरह के फिल्टर्स लगा रखे हैं, जिससे फेक खबरों को छांटा जा सकता है. गूगल मैप्स का काम है लोगों को दुनिया के किसी भी जगह के लोकेशन का रूट बताना. इससे लोगों को अनजान जगहों पर जाने में आसानी होती है. लेकिन इस मैप्स ने एक महिला को तलाकशुदा बना दिया. आइये बताते हैं कैसे?

प्रेमी के साथ लिपटी तस्वीर वायरल

गूगल मैप्स की वजह से तलाक का ये मामला 2013 का है. पेरू में रहने वाली एक महिला का तलाक गूगल मैप्स के कारण हो गया था. महिला का काफी समय से पराए मर्द से चक्कर था. इस बात से पति बेखबर था. एक दिन महिला का पति कहीं जाने के लिए मैप्स पर रूट देख रहा था. तभी उसने देखा कि रास्ते में एक महिला, जिसने उसकी पत्नी जैसे ही कपड़े पहन रखे थे, किसी आदमी से लिपटी हुई थी.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 177 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.14 2080 बुधवार, 13 सितंबर-2023 प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राजद्रोह कानून केस संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-आईपीसी की जगह लेने वाले नए कानून का असर पुराने मामलों पर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। 152 साल पुराने राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार 12 सितंबर को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 5 जजों की संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर दिया।

हालांकि केंद्र सरकार ने नए बिल का हवाला देकर कोर्ट से सुनवाई टालने का अनुरोध किया। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि भले ही नया विधेयक कानून बन जाए, लेकिन नए कानून का पिछले मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे पहले 1 मई को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राजद्रोह को अपराध बनाने वाली आईपीसी की धारा 124ए की समीक्षा की जा रही है। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी थी।

हालांकि, सुनवाई की तारीख आने से पहले ही 11 अगस्त 2023 को गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 163 साल पुराने 3 कानूनों में बदलाव के लिए बिल पेश किया। इसमें राजद्रोह कानून खत्म करना भी शामिल है।

लॉ कमीशन ने कहा, राजद्रोह कानून जरूरी :

लॉ कमीशन ने 2 जून को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग का कहना था कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए को आईपीसी में बनाए रखने की आवश्यकता है। इसको हटाने का कोई वैलिड रीजन नहीं है। हालांकि, कानून के उपयोग को लेकर ज्यादा स्पष्टता बनी रहे इसके लिए कुछ संशोधन किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल लगा दी थी रोक :

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में एक आदेश दिया है कि जब तक आईपीसी की धारा 124ए की री-एग्जामिन प्रोसेस पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसके तहत कोई मामला दर्ज नहीं होगा। कोर्ट ने पहले से दर्ज मामलों में भी कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने यह भी कहा था कि इस धारा में जेल में बंद आरोपी भी जमानत के लिए अपील कर सकते हैं।

पांच पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट में 10 याचिकाएं दाखिल की थीं :

एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा समेत पांच पक्षों की तरफ से राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आज के समय में इस कानून की जरूरत नहीं है।

सीआईडी ने चंद्रबाबू की 15 दिन की कस्टडी मांगी : आंध्र के पूर्व सीएम की हाउस अरेस्ट की अपील खारिज

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 371 करोड़ रुपये के स्किल डेवलपमेंट घोटाले में गिरफ्तार हुए आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में राजमंड्री जेल भेज दिया गया। इस बीच राज्य के क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके चंद्रबाबू की 15 दिन की कस्टडी मांगी है। इस याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी।

वहीं विजयवाड़ा के एंटी करप्शन ब्यूरो कोर्ट ने मंगलवार को चंद्रबाबू की लीगल टीम की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्हें जेल से रिहा कर हाउस अरेस्ट में रखने की अपील की गई थी। चंद्रबाबू के वकीलों ने कहा था कि जेल में चंद्रबाबू की सुरक्षा को खतरा है, हालांकि कोर्ट ने सीआईडी के तर्कों से सहमति जताते हुए अर्जी खारिज कर दी। इस बीच राज्य सरकार ने टीडीपी के सभी 19 विधायकों को 72 घंटे से हाउस अरेस्ट में रखा हुआ है। पार्टी के सभी नेताओं के घरों के बाहर शनिवार सुबह से ही पुलिस तैनात है। जब चंद्रबाबू को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया उस दौरान भी पार्टी नेताओं को घरों से बाहर नहीं निकलने दिया गया। सोमवार को जब पार्टी ने राज्य में बंद बुलाया और कार्यकर्ताओं ने चंद्रबाबू की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, तब तक सभी 19 विधायक हाउस अरेस्ट में ही थे। सीआईडी ने चंद्रबाबू को 9 सितंबर को नंदयाल से गिरफ्तार किया था।

2020 दिल्ली दंगे : सुप्रीम कोर्ट ने खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए की स्थगित

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसे 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे कथित साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस और बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने यह कहते हुए आदेश दिया कि अदालत को खालिद के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद रिकॉर्ड पर रखे गए सबूतों को देखना होगा। खालिद ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत देने से इनकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने पिछले साल 18 अक्टूबर को नियमित जमानत की मांग करने वाली खालिद की अपील खारिज कर दी थी। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसने उन्हें यूएपीए मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अमरावती में दिए गए उनके कथित आक्रामक भाषण दंगों के मामले में उनके खिलाफ आरोपों का आधार है।

लैंड फॉर जॉब्स केस में लालू के खिलाफ चलेगा केस

केंद्र सरकार ने सीबीआई को दी मंजूरी, तेजस्वी की चार्जशीट पर अब 21 सितंबर को सुनवाई

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब्स मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू यादव पर केस चलेगा। केंद्र सरकार से सीबीआई को इसकी इजाजत मिल चुकी है। 1 महीने पहले सीबीआई ने केंद्र से लालू के खिलाफ मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी थी।

सीबीआई ने आज दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ कथित लैंड फॉर जॉब्स केस में ताजा आरोप पत्र के संबंध में गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। लैंड फॉर जॉब मामला तब का है, जब लालू यादव रेल मंत्री थे, इसलिए इसमें गृह विभाग से अनुमति की जरूरत थी। सीबीआई ने बताया कि हमने लालू के अलावा रेलवे के 3 अधिकारियों के खिलाफ भी केस चलाने की मंजूरी मांगी थी, जो फिलहाल नहीं मिली है। उम्मीद है कि एक हफ्ते में इजाजत मिल जाएगी। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर सीबीआई की ओर से दायर चार्जशीट पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज होने वाली सुनवाई टल गई है। 21 सितंबर को सुनवाई की अगली तारीख तय की गई है। सूत्रों की माने तो लैंड फॉर जॉब्स मामले में यह नया केस है। पुराने केस में पहले ही राजद सुप्रीमो लालू यादव, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी और बेटी और सांसद मीसा भारती जमानत पर हैं। नए केस में भी लालू और राबड़ी को आरोपी बनाया गया है। 12 सितंबर को तेजस्वी यादव पर सीबीआई की ओर से दायर चार्जशीट पर सुनवाई हुई थी। सीबीआई ने 3 जुलाई को तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने 25 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने 25 सितंबर तक बढ़ा दी है। सत्येंद्र जैन की रेगुलर जमानत पर सुप्रीम कोर्ट 25 सितंबर को सुनवाई करेगा। ईडी ने आज जमानत याचिका पर सुनवाई टालने की मांग की, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई 25 सितंबर तक टाल दी।

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने खराब सेहत के आधार पर 26 मई को 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। जैन की ओर से पेश वकील ने कहा था कि सत्येंद्र जैन की सर्जरी होनी है, जिसे लेकर तीन अस्पतालों (जीबी पंत, मैक्स और अपोलो) ने ऐसी रिपोर्ट दी है, हालांकि कोर्ट के सामने दो अस्पतालों की रिपोर्ट रखी गई। कोर्ट ने तीसरे अस्पताल की रिपोर्ट भी देने के लिए कहा था। इसके बाद से वह लगातार जमानत पर हैं। 24 अगस्त 2017 को सीबीआई ने सत्येंद्र जैन, पूनम जैन, अजीत प्रसाद जैन, सुनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी इसी एफआईआर के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने सत्येंद्र के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी।

निपाह वायरस से दो की मौत

केंद्र ने एक्सपर्ट्स की टीम भेजी, राज्य सरकार ने कंट्रोल रूम बनाया

कोझीकोड, 12 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में निपाह वायरस से दो लोगों की मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार (12 सितंबर) को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हमने स्थिति का जायजा लेने और इससे निपटने में राज्य सरकार की मदद के लिए एक्सपर्ट्स की एक टीम भेजी है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक केरल में निपाह वायरस से पहली मौत 30 अगस्त और दूसरी मौत 11 सितंबर को हुई थी।

पुष्टि अब हुई है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। उधर, केरल में निपाह वायरस की जांच के लिए चार अन्य लोगों के सैंपल पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) भेजे गए हैं। राज्य में एक कंट्रोल रूम बनाया गया है और लोगों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 12 सितंबर को एक पोस्ट कर कहा कि सरकार निपाह वायरस से हुई दो लोगों की मौत पर गंभीर है। स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड में अलर्ट जारी किया है। जो लोग मृतकों के संपर्क में थे, उनके बारे में पता किया जा रहा है। अभी तक राज्य में आधिकारिक तौर पर निपाह के फैलने की घोषणा नहीं की गई है। केरल के कोझिकोड और मलप्पुरम जिले में 2018 में निपाह वायरस से 17 लोगों की मौत हुई थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन, बीआरओ की जमकर सराहना की

सांबा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज जम्मू के सांबा में बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले लगभग नौ सौ दिनों में BRO ने क़रीब तीन सौ इंफ्रा प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किए हैं। इसके लिए बीआरओ की जितनी भी प्रशंसा की जाये कम है। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया कि आज 90 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन होना है, जिसमें अनेक रोड, ब्रीज, रनवे, हैलीपैड और टनल शामिल हैं।

उन्होंने कहा, एक समय था, जब बीआरओ के द्वारा किसी प्रोजेक्ट की शुरूआत की जाती थी, तो सबसे पहले तो उस प्रोजेक्ट को शुरू होने में ही काफी लंबा समय लग जाता था और यदि सौभाग्य से प्रोजेक्ट शुरू हो भी गया, तो उसमें ऐसी कागजी अड़चने आती थीं, कि उन्हें खत्म होने में बहुत लंबा समय लग जाता था। इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए राजनाथ सिंह ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, अब तो मुझे आए दिन यह सुनने को मिल जाता है कि बीआरओ ने किसी जगह पर प्रोजेक्ट की शुरूआत की है, तो वहीं उस जगह पर प्रोजेक्ट कम्पलीट भी कर दिया है। प्रोजेक्ट का इतनी तेजी से पूरा होना, आप सभी कर्मयोगियों की मेहनत, लगन और हमारी सरकार की राजनीतिक कमीटमेंट का परिणाम है। आप सभी देश के सीमावर्ती इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। एक से बढ़कर एक दुर्गम इलाके, जहां पर पांव रखना भी लगभग मुश्किल होता है, वहां भी आपने रोड, टनल और ब्रीज का जाल बिछा दिया है।

सभी राज्य सरकारों को सहयोग के लिए दी बधाई :

इसके आगे रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए कार्य करना है और इसमें हमें सबका सहयोग मिल भी रहा है। उन्होंने कहा, आप इसका उदाहरण इन प्रोजेक्ट में भी देख सकते हैं, अनेक राज्यों में अलग-अलग पार्टी सत्ता में है, लेकिन सीमावर्ती इलाकों में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में हम सब एक दूसरे का साथ देते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इस सहयोग के लिए मैं सभी राज्य सरकारों को अपनी ओर से बधाई भी देता हूं।

न्योमा एयरबेस की आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा कि आज इस शुभ अवसर पर बीआरओ, पूर्वी लद्दाख के न्योमा में, एयरफील्ड पर भी काम शुरू करने जा रहा है। इसे लद्दाख में अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों के लिए स्टेजिंग ग्राउंड के रूप में विकसित किया जाएगा। यह दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई क्षेत्रों में से एक होगा, जो हमारे सशस्त्र बलों के लिए एक गेम चेंजर जैसा होगा। यहां उन्होंने अपनी उपलब्धियों पर बात करते हुए कहा कि अक्टूबर-2020 में मैंने बालीपरा चारद्वार तवांग मार्ग पर 500 मीटर लम्बी नेचिफु टनल की नींव रखी थी।

सीबीआई डायरेक्टर ने 58 ब्रांच में से 51 विजिट की

चार्ज लेने के 108 दिनों में दौरा किया, ऐसा करने वाले एजेंसी के पहले डायरेक्टर बने

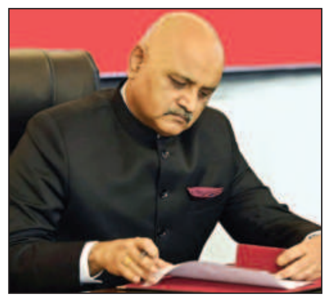

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई के नए डायरेक्टर प्रवीण सूद ने कार्यभार संभालने के 4 महीने (108 दिन) के अंदर देश भर में एजेंसी की 51 ब्रांच का दौरा किया है। इतने कम वक्त में इतनी ज्यादा ब्रांच विजिट करने वाले सूद पहले अधिकारी हैं। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 अक्टूबर तक वो बची हुई 7 ब्रांच का भी दौरा कर लेंगे। सूद ने 25 मई 2023 को जांच एजेंसी की कमान संभाली थी। इससे पहले, वो कर्नाटक के डीजीपी का पदभार संभाल रहे थे। सूद हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले हैं। वो 1986 में आईपीएस बने थे, तब उनकी उम्र 22 साल की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूद ने पदभार संभालने के तुरंत बाद अपने दौरे शुरू कर दिए थे। ऐसा उन्होंने जांच एजेंसी के काम को जमीनी स्तर पर समझने और स्टाफ की मानसिक स्थिति के बारे में जानने के लिए किया। जब भी वो किसी ब्रांच में जाते है तो वहां के स्टाफ से जरूर बात करते है। इससे उन्हें उनकी चिंताएं और विचार जानने का मौका मिलता है। सूद ने बताया कि इन विजिट से उन्हें एजेंसी में अपने कार्यकाल के दौरान नीतियां बनाने और एजेंसी के अंदर प्रशासनिक सुधार लाने में मदद मिली है। इसके बाद उन्होंने एजेंसी को मजबूत करने के लिए कई लोगों के तबादले भी किए हैं।

पहला सी-295 ट्रांसपोर्ट प्लेन लेने स्पेन पहुंचे वायुसेना प्रमुख

56 में से 16 प्लेन रेडी टु-फ्लाई कंडीशन में आएंगे, बाकी 40 टाटा कंपनी बनाएगी

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत को अपना पहला सी-295 टैक्टिकल मिलिट्री एयर लिफ्ट प्लेन बुधवार को मिल जाएगा। इसे लाने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी स्पेन पहुंच चुके हैं। सी-295 स्पेन के सेविले प्लांट में बनाया जा रहा है। वायुसेना में इसका फाइनल इंडक्शन इसी महीने हिंडन एयरबेस पर होगा। दूसरा एयरक्राफ्ट मई 2024 तक आएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की तैनाती आगरा एयरबेस में होगी। जहां इसके पायलट्स का भी ट्रेनिंग सेंटर भी अगले साल तक तैयार हो जाएगा। सितंबर 2021 में भारत ने यूरोपियन कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के लिए 21 हजार करोड़ रुपये की डील की थी। इसमें 56 प्लेन की मांग की गई थी। इनमें से 16 प्लेन रेडी टु-फ्लाई कंडीशन में स्पेन से आएंगे। बाकी के 40 प्लेन गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस सिस्टम कंपनी बनाएगी।

भारत में 2024 से बनना शुरू होगा :

टाटा एडवांस सिस्टम लि. गुजरात के वडोदरा में 2024 के मध्य तक सी-295 विमान बनाना शुरू करेगी। फिलहाल, इसकी फाइनल असेम्बली लाइन का काम चल रहा है। पहला स्वदेशी सी-295 विमान 2026 में तैयार होगा। फाइनल असेम्बलिंग करने के लिए एयरबस और टाटा के हैदराबाद व नागपुर प्लांट में 14,000 से ज्यादा स्वदेशी पाट्र्स तैयार कर वडोदरा भेजे जाएंगे। कंपनी 2031 तक वायुसेना को सभी 40 एयरक्राफ्ट सौंप देगी। वायुसेना के अलावा नौसेना और कोस्ट गार्ड भी 15-16 प्लेन खरीद सकती हैं। फिलहाल इस पर बातचीत चल रही है। नेवी के लिए 10 प्लेन कोस्टल सर्विलांस व पेट्रोलिंग के लिए तैयार किए जाएंगे।

देश में 763 सांसद, 306 पर क्रिमिनल केस

कुल 194 और बिहार के 50 प्रतिशत एमपी के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सांसदों पर दर्ज क्रिमिनल केस को लेकर रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि देश के कुल 763 सांसदों में से 306 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 194 सांसदों के खिलाफ हत्या और महिलाओं से अत्याचार के गंभीर केस हैं। एडीआर ने यह रिपोर्ट लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की तरफ से दायर हलफनामे के हवाले से जारी की है।

बिहार के सबसे ज्यादा 41 सांसदों के खिलाफ केस दर्ज :

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि लक्षद्वीप से एक सांसद, केरल के 29 सांसदों में से 23, बिहार के 56 सांसदों में से 41, महाराष्ट्र के 65 सांसदों में से 37, तेलंगाना के 24 सांसदों में से 13 और दिल्ली के 10 सांसदों में से 5 के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

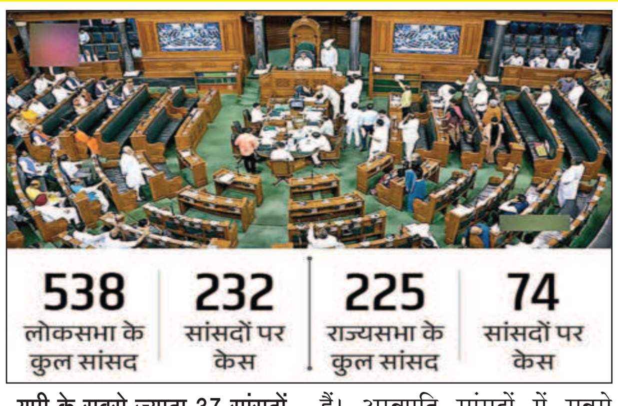

यूपी के सबसे ज्यादा 37 सांसदों के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज

एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लक्षद्वीप से एक, बिहार के 56 सांसदों में से 28, तेलंगाना के 24 सांसदों में से 9, केरल के 29 सांसदों में से 10, महाराष्ट्र के 65 सांसदों में से 22 और यूपी के 108 सांसदों में से 37 के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं।

राज्यसभा के 225 सदस्यों में 27 यानी (12 प्रतिशत) अरबपति हैं। अरबपति सांसदों में सबसे ज्यादा संख्या भाजपा के सदस्यों की है। 225 में भाजपा के 85 सदस्य हैं, जिनमें 6 यानी 7 प्रतिशत सांसद अरबपति हैं। कांग्रेस के 30 सदस्यों में 4 यानी 13 प्रतिशत अरबपति हैं। वाईएसआर कांग्रेस के 9 में से 4 (44 प्रतिशत), आम आदमी पार्टी के 10 में 3 (30 प्रतिशत) और बीआरएस के 7 में 3 (43 प्रतिशत) सांसद अरबपति हैं। अगर राज्यों की बात करें तो सबसे ज्यादा अरबपति सांसद आंध्र प्रदेश 45 प्रतिशत और तेलंगाना 43 प्रतिशत से हैं।

राज्यसभा के मौजूदा सांसदों की औसतन प्रॉपर्टी 80.93 करोड़ रुपये है। भाजपा के औसतन सांसदों की प्रॉपर्टी 30.34 करोड़ है। कांग्रेस के 30 सांसदों की औसतन प्रॉपर्टी 51.65 करोड़, तृणमूल कांग्रेस के 13 सदस्यों की औसतन प्रॉपर्टी 3.55 करोड़, वाईएसआर कांग्रेस के 9 सांसदों की प्रॉपर्टी 395.68 करोड़, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 7 सांसदों की प्रॉपर्टी 799.46 करोड़ रुपये है। देश के 4,001 मौजूदा विधायकों की कुल संपत्ति 54,545 करोड़ रुपये है। यह नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों- नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम के 2023-24 के कुल सालाना बजट 49,103 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

नोएडा की तर्ज पर बुंदेलखंड में बसेगा नया औद्योगिक शहर

झांसी-ग्वालियर मार्ग पर बसाया जाएगा

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड के सतत विकास के साथ-साथ वन ट्रिलियन इकॉनमी की अर्थव्यवस्था बनने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए योगी सरकार ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। लोकभवन में सीएम योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने नोएडा की तर्ज पर बुंदेलखंड में नया औद्योगिक शहर बसाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से बुंदेलखंड के जिलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही यहां रोजगार की असीमित सुविधाओं का सृजन संभव हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में इससे पूर्व 1976 में औद्योगिक शहर नोएडा के गठन का निर्णय लिया गया था और अब 47 वर्षों के बाद एक नए शहर की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

पहले चरण में 35 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण

कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने पारित हुए प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तारीकरण व नए औद्योगिक क्षेत्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत झांसी में बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) द्वारा नोएडा की तर्ज पर एक नए इंडस्ट्रियल टाउनशिप को विकसित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। परियोजना के पहले चरण में झांसी के 33 राजस्व ग्रामों की 35 हजार एकड़ जमीन को अधिग्रहीत कर औद्योगिक शहर की स्थापना की जाएगी। इस जमीन की कीमत 6312 करोड़ रुपये है।

अतिरिक्त 5 हजार करोड़ रुपये का किया गया प्रावधान

सुरेश खन्ना ने बताया कि बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में सरकार की ओर से 5 हजार करोड़ की व्यवस्था की गई थी और इस वर्ष (2023-24) में मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तारीकरण व नए औद्योगिक क्षेत्र प्रोत्साहन योजना मद के तहत ऋण के रूप में 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जो जमीन अधिग्रहीत की जाएगी, उसमें 8 हजार एकड़ जमीन ग्राम समाज की है।

प्रमुख शहरों से होगी बेहतरीन कनेक्टिविटी

वित्त मंत्री ने बताया कि यह योगी सरकार का बहुत बड़ा कदम है। इस ऐतिहासिक निर्णय से बुंदेलखंड के बहुआयामी विकास को तेज गति मिलेगी। झांसी के आसपास का एरिया बड़े पैमाने पर विकसित हो जाएगा। इसके माध्यम से कुल 14 हजार हेक्टेयर जमीन पर औद्योगिक शहर विकसित करने की योजना है। यह औद्योगिक शहर झांसी-ग्वालियर मार्ग पर प्रस्तावित है जो राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से देश के प्रमुख शहरों से भी जुड़ा होगा। यही नहीं, यह राष्ट्रीय राजमार्ग 27 से जालौन जनपद से गुजरने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से जुड़कर प्रदेश के अन्य शहरों से अच्छी तरह जुडे़गा।

उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत टाउनशिप समेत औद्योगिक स्थापना के लिए आवश्यक सभी आवश्यक सुविधाओं का यहां समावेश होगा। इसके गठन से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा तथा बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। जन सामान्य को क्षेत्रीय विकास के साथ ही रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यह कदम प्रदेश के विकास में भी बहुत बड़ा योगदान देगा। सरकार ने जो वन ट्रिलियन इकॉनमी बनने का संकल्प लिया है, वो इसके माध्यम से पूरा हो सकेगा। योगी कैबिनेट ने 20 हजार से एक लाख जनसंख्या वाले सबसे पिछड़े 100 नगरीय निकायों में आकांक्षी नगर योजना को लागू किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके अंतर्गत इन नगरीय निकायों में वर्तमान में चल रही सरकारी योजनाओं के साथ ही केंद्र व राज्य सरकार, सांसद व विधायक निधि समेत अन्य संस्थाओं से सहयोग प्राप्त कर कन्वर्जन के माध्यम से परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा। योजना के तहत 762 नगरीय निकायों में से 100 आकांक्षी नगरीय निकायों का चयन नीति आयोग द्वारा 16 पैरामीटर्स के आधार पर किया जाएगा। इनमें यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी, लेकिन इसकी मॉनीटरिंग डैशबोर्ड के माध्यम से 31 मार्च 2028 तक चलेगी।

पुलिस कर्मियों को मिलेगा 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता दिया जाएगा। मंगलवार को कैबिनेट ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। बता दें कि पहले आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी को 200 रुपये साइकिल भत्ता दिया जाता था, जिसे मोटरसाइकिल भत्ते में परिवर्तित करने के साथ 500 रुपये प्रतिमाह की धनराशि देने की मंजूरी प्रदान की गई है।

इससे राज्य सरकार पर 6.78 करोड़ रुपये अतिरिक्त वार्षिक व्ययभार आने का अनुमान है। बैठक में बुंदेलखंड में औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन का निर्णय भी लिया गया।

अखिलेश यादव के खिलाफ युवक ने सोशल मीडिया पर की अभद्र टिप्पणी

आक्रोशित कार्यकर्ता पहुंचे थाने

मैनपुरी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक युवक ने पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। उसने टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इसके चलते पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। कार्यकर्ताओं ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला औंछा थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव का है। गांव निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। जब इसकी जानकारी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को हुई तो आक्रोश व्याप्त हो गया। सोमवार को गांव अंतपुर निवासी सपा कार्यकर्ता मोहित कुमार अन्य लोगों के साथ थाने पहुंचे। सपा अध्यक्ष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस को बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ टिप्पणी से पार्टी के कार्यकर्ता आहत हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी इस बारे में अवगत कराया। देर रात पुलिस ने गांव विक्रमपुर निवासी राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच व कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिर्जापुर में दिनदहाड़े एटीएम कैश वैन से लाखों की लूट

गार्ड की गोली मारकर हत्या, तीन घायल

मिर्जापुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मिर्जापुर शहर में हौसला बुलंद बदमाशों ने मंगलवार दोपहर दिनदहाड़े बड़ी वारदात को अंजाम दिया। कटरा कोतवाली क्षेत्र के बेलतर के पास एक्सिस बैंक के एटीएम कैश वैन को लूट लिया। विरोध कर रहे गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने से तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। वो फिल्मी अंदाज में असलहा लहराते फरार हुए। करीब 39 लाख रुपये की लूट हुई है। हालांकि इसकी पुष्टि बाकी है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में दिनदहाड़े घटी घटना से शहर में सनसनी मची है। पुलिस महकमे में हड़कंप है। कई थानों की फोर्स के साथ आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच पड़ताल जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्मचारी कैश से भरा बॉक्स बैंक से लाकर वैन में लाकर रख रहे थे। इसी बीच दो बाइक पर सवार चार लोग वैन के पास पहुंचे। चारों ने हेलमेट लगा रखा था। बाइक पर पीछे बैठे बदमाशों के दोनों हाथों में असलहा था। बाइक रुकते ही चारों उतरे और हवाई फायरिंग शुरू की। इससे वहां अफरा-तफरी मच जाती है।

कैश से भरा एक बॉक्स उठा ले गए बदमाश

गार्ड ने रोकने की कोशिश की तो उसे गोली मार दी। गोली लगते ही गार्ड जमीन पर गिर गया। गार्ड को गोली मारते देख एटीएम कैश वैन का ड्राइवर छिपने की कोशिश करता है। वैन में रखे कैश से भरे बॉक्स को एक बदमाश उठाता है। इसके बाद चारों बाइक पर सवार होकर फरार हो जाते हैं। यह सबकुछ इतना जल्दी हुआ कि किसी को कुछ समझ नहीं आया। बदमाशों के जाने के बाद पता चला कि बैंक के गार्ड जय सिंह निवासी चील्ह, कर्मचारी बहादुर निवासी विंध्याचल, अखिलेश कुमार निवासी पड़री और रजनीश मौर्या निवासी सुदंरपुर को गोली लगी है। चारों को आननफानन अस्पताल ले जाया गया। जहां बैंक गार्ड जय सिंह को मृत घोषित कर दिया गया। उसे तीन गोली मारी गई थी। इधर, घटनास्थल पर एसपी समेत अन्य पुलिस अदिकारी पहुंचे। बैंक के आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

हाई सिक्योरिटी जोन में यूपी विधानसभा के ऊपर मंडराता रहा हेलीकाप्टर, लोगों की लगी भीड़

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के हाई सिक्योरिटी जोन माने जाने वाले यूपी विधानसभा क्षेत्र में भवन के ऊपर मंगलवार दोपहर हेलीकॉप्टर मंडराता रहा जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

बताया जा रहा है कि यह सेना की मॉक ड्रिल थी जिसे आतंकी हमले या फिर किसी आपातस्थिति से बचने की तैयारियों के लिए किया गया। विधानसभा क्षेत्र शहर का हाई सिक्योरिटी इलाका है। इसके ठीक सामने लोकभवन स्थित हैं जिसमें कुछ देर पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी कैबिनेट के सहयोगियों के साथ बैठक की थी। मॉक ड्रिल को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने अपने फोन से वीडियो बनाए।

लोकसभा चुनाव के साथ हो सकता है बिहार विधानसभा चुनाव : चिराग पासवान

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के साथ बिहार विधानसभा चुनाव हो सकता है। प्रदेश स्तर पर जो हालात बन रहे हैं, उसमें यह तय लग रहा है। चिराग पासवान ने पटना से 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' संकल्प यात्रा रवाना किया। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पीएम बनने के लिए महागठबंधन में गए थे। तीन बैठकों के बाद भी कुछ निर्णय नहीं हुआ। ऐसे में आगे भी मुख्यमंत्री को कुछ नहीं मिला तो ये गठबंधन से अलग हो जाएंगे।

नीतीश के एनडीए में वापसी की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए एनडीए में अब कोई जगह नहीं है। वह जिस गठबंधन में जाते हैं, उसको ही धोखा देते हैं और नुकसान कराते हैं। नीतीश कुमार में बिहार का नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है। बिहार प्रत्येक क्षेत्र में पीछे हो रहा है। नीतीश पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार को देशभर में घूमने की फुर्सत है लेकिन बिहार के पीड़ित परिवारों से मिलने की फुर्सत नहीं है। शराब से लोगों की मौत हुई, लोगों की हत्या हो रही, लेकिन कभी मुख्यमंत्री पीड़ित परिवारों से मिलने नहीं गए।

उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार जब बिहार में बनेगी तो 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' को लेकर काम किया जाएगा। जमुई के सांसद चिराग पासवान ने बताया कि यह यात्रा पांच चरणों में प्रदेश के 38 जिलों तक पहुंचेगी। 25 नवंबर को संकल्प यात्रा पटना में संपन्न होगी और 28 नवंबर को गांधी मैदान में एक बड़ी रैली होगी। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' को लेकर बिहार के तमाम लोग इस रैली में शामिल होंगे। उन्होंने सनातन धर्म पर हो रहे हमले की भी निंदा करते हुए कहा कि राजनीति में तो धर्म, जाति की चर्चा नहीं की जानी चाहिए।

चालक को मिर्गी का दौरा आने से अनियंत्रित ट्रक ने दो लोगों को रौंदा, दोनों की मौत

लखनऊ, 12 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के गोसाईगंज के गंगागंज बाजार में तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे लगे आइसक्रीम हाफ डाले के पास खड़े दो लोगों को रौंदते हुए डाले में टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे ने सीएचसी पर दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में आइस्क्रीम विक्रेता भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना पाकर इंस्पेक्टर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की मानें तो ट्रक चालक को मिर्गी का दौरा पड़ने के चलते हादसा हुआ है।

फिलहाल ट्रक और चालक पुलिस के कब्जे में है। प्रभारी निरीक्षक गोसाईंगंज दिनेश चंद्र मिश्र के मुताबिक गंगागंज चौराहे पर सुल्तानपुर हाईवे पर नई बस्ती निवासी यूसुफ कुरैशी (60) गांव के ही मोहम्मद नसीब अली उर्फ सन्ने (75) के साथ आइसक्रीम के हाफ डाले के पास खड़े होकर बात कर रहे थे तभी लखनऊ से सुल्तानपुर की तरफ जा रहे ट्रक ने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े यूसुफ को रौंदते हुए हाफ डाले और बुजुर्ग नसीब को टक्कर मार दी।

हादसे में यूसुफ की मौके पर ही मौत हो गई जबकि राजस्थान निवासी आइसक्रीम विक्रेता अनूप पंडित और नसीब गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज अजीत पांडेय ने घायलों को इलाज के लिए तत्काल सीएचसी पहुंचाया। जहां मौजूद डॉक्टरों ने नसीब को मृत घोषित कर दिया जबकि घायल अनूप को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

पितृपक्ष में नहीं बंद होंगे स्कूल, अब तक 61,000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों के रहने की व्यवस्था

गया, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मोक्षस्थली गया में पितृपक्ष के दौरान लाखों तीर्थयात्री अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनके मोक्ष की प्राप्ति के लिए पिंडदान करने पहुंचते हैं। आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए जिला प्रशासन तैयारी में जुटा है। पितृपक्ष के दौरान किसी भी हाल में स्कूलों में पठन-पाठन का कार्य बाधित नहीं हो, इसको लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गया के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया है कि पितृपक्ष मेला क्षेत्र में सरकारी आवासन के प्रयोग में लिए जाने वाले वैसे सरकारी विद्यालय जहां पठन-पाठन का कार्य बंद रहता है, उन सभी विद्यालयों को किसी दूसरे विद्यालयों के साथ टैग करें, जिससे पठन-पाठन सुचारू रूप से चलता रहे। निजी आवासन की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि क्षमता के आधार पर प्राइवेट आवासन को लाइसेंस निर्गत करें। उन्होंने पुलिस के वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आवासन का भौतिक रूप से जांच कर लें। बताया गया कि अब तक करीब 61,000 लोगों के आवासन (ठहरने) के लिए सरकारी तौर पर व्यवस्था की गई है।

गांधी मैदान में बन रहे टेंट सिटी में 2600 से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके अलावा निगमा मोनास्ट्री बोधगया में 2400 आवासन क्षमता रखी गई है। जबकि, सामुदायिक भवन व अन्य आवासन के लिए 41 स्थल पर 10,050 पिंडदानी ठहर सकेंगे। पुलिस आवासन के लिए 23 स्थल चिह्नित किए गए हैं, जहां छह हजार पुलिस जवान रहेंगे।

इसके अलावा 63 होटल, रेस्ट हाउस चिह्नित किए गए हैं, जहां 3452 यात्री ठहरेंगे।

सहारनपुर में 11वीं की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, पांच आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर जिले के गंगोह थाना इलाके में 11 वीं क्लास की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता सोमवार शाम को स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर जा रही थी। शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने कहा कि वह स्कूल की छुट्टी होने के बाद घर जा रही थी। उसी दौरान अंकुर और अमन उसके पास आए और उन्होंने लिफ्ट देने के बहाने बाइक बिठा लिया और एक सुनसान जगह पर ले गए।

आरोपियों ने अपने तीन और साथियों के साथ मिलकर उसे पकड़ लिया और बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज करके सावेज, सर्वेज, सादिक, अंकुर और अमन को गिरफ्तार कर लिया है।

ये राह नहीं आसान...कीचड़ में होकर जाना है पार

आगरा में आदर्श गांव बनाने के दावे साबित हो रहे फेल

आगरा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में जिम्मेदारों की अनदेखी से बच्चे कीचड़ में होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। यहां 21वीं सदी में 19वीं सदी जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। हालांकि प्रदेश सरकार ग्राम पंचायतों को आदर्श बनाने के दावे जरूर कर रही है। लेकिन, धरातल पर कुछ और ही दृश्य दिख रहे हैं।

मामला पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र के कांकर खेड़ा गांव का है। यहां का कच्चा रास्ता बारिश के बाद कीचड़ में तब्दील हो गया। इसी रास्ते से ग्रामीण और स्कूली बच्चे गुजरते हैं। स्कूला जाने के लिए बच्चे कीचड़ में हिलकर जाते हैं। कई बार वह फिसलकर गिर जाते हैं। इससे स्कूल जाने की बजाय घर लौटना पड़ता है। ग्रामीण आए दिन साइकिल या बाइक से फिसलकर गिरते हैं और चोटिल हो जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव से लेकर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कई बार मिल चुके हैं। इस रास्ते को पक्का बनवाने की मांग की गई। लेकिन, कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। सभी जगहों से दिलासा से अधिक कुछ न मिल सका। ग्रामीण रघुवीर सिंह, रामकिशोर सिंह, साहिब सिंह, बाचाराम, टीकम सिंह, अमन सिंह, सुभाष सहित कई अन्य लोगों ने इस रास्ते को पक्का बनवाने की मांग की है।

लंबे समय तक भाजपा के एमएलसी रहे सच्चिदानंद ने मांगी तेजस्वी से माफी; कहा-जुबान भटक गई थी

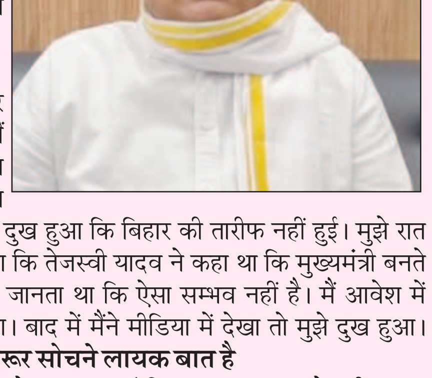

पटना, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा कोटे से एमएलसी रह चुके ई. सच्चिदानंद राय ने बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को लेकर मेरे मुंह जो अपशब्द निकला, वह आवेश में बोला गया था। मुझे इस पर खेद है। मैं स्वयं लज्जित हूं कि मैंने ऐसे शब्दों का प्रयोग किया। मेरा उद्देश्य किसी को आहत करना नहीं था।

आवेश में मेरे मुंह से अपशब्द निकल गया

विधान पार्षद ई. सच्चिदानंद राय ने एक वीडियो जारी कर कहा कि दो दिन पहले पटना में पत्रकारों के प्रश्न पर मैं आवेश में आ गया था। आवेश में आने का कारण यह था कि दिल्ली में मैंने देखा कि भारत कितना आगे बढ़ रहा था। कई देश के प्रतिनिधि भारत का गुणगान किया। मुझे दुख हुआ कि बिहार की तारीफ नहीं हुई। मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आई। मैं बड़ा बेचैन था। प्रश्न आया कि तेजस्वी यादव ने कहा था कि मुख्यमंत्री बनते ही पहली कलम से 10 लाख लोगों को नौकरी दूंगा। मैं जानता था कि ऐसा सम्भव नहीं है। मैं आवेश में था। इसी बात पर लेकर मेरे मुंह से अपशब्द निकल गया। बाद में मैंने मीडिया में देखा तो मुझे दुख हुआ।

जो विषय मैंने उठाया था वह जरूर सोचने लायक बात है

विधान पार्षद ई. सच्चिदानंद राय ने बताया कि मैं खेद जताते हुए कहता हूं कि यह अपशब्द मुझे नहीं कहना चाहिए। मैं कहना चाहूंगा कि जो भी इससे आहत हुए मैं उनसे माफी मांगता हूं। इसके लिए मुझे बहुत खेद है। मेरा उद्देश्य आपको आहत करने का नहीं था। जो विषय मैंने उठाया था वह जरूर सोचने लायक बात है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। शब्दों के लिए मैं स्वयं लज्जित हूं कि मैंने ऐसे शब्दों का प्रयोग किया।

तमिलनाडु के शिक्षामंत्री पोनमुडी को भाजपा ने घेरा

कहा-मन की बात बाहर आ गई

चेन्नई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म पर हमला विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का गुप्त एजेंडा है। पार्टी ने इस प्राचीन धर्म के बारे में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) नेताओं की लगातार आलोचनात्मक टिप्पणियों के बीच विपक्षी नेताओं की 'चुप्पी' पर सवाल उठाए।

इस मुद्दे पर विपक्ष पर ताजा हमला बोलते हुए भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा और कहा कि सोनिया गांधी इस मामले पर अगर चुप्पी साधे रहेंगी तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सनातन धर्म का विरोध करना 'इंडिया' के न्यूनतम साझा कार्यक्रम का हिस्सा है। प्रसाद ने कहा कि डीएमके नेता की एक टिप्पणी सामने आई है। वह बड़ी कमाल की आई है। अंग्रेजी में एक कहावत है कि 'द कैट इज आउट ऑफ दी बैग' यानी जो सोचा, वो बाहर आ गया। उनकी सोच सबके सामने बाहर आ गई है। साफ है कि इंडिया गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म का विरोध करने और उसे खत्म करने के लिए बना है।

रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि पोनमुडी ने यह टिप्पणी उसी 'सनातन धर्म विरोधी' कार्यक्रम में की थी, जिसमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे उधयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। बाद में अभिनेता राजा ने इसे एड्स से भी अधिक संक्रामक बताया। उन्होंने कहा कि राजा ने कहा था कि सनातन धर्म एड्स से भी खतरनाक है। भाजपा सांसद ने कहा कि वहां के शिक्षा मंत्री ने जो भी कहा वह सच्चाई है। इसका छिपा हुआ एजेंडा है। यह सनातन धर्म का विरोध करके वोट बैंक की राजनीति करना चाहते हैं। इसके लिए यह सभी बहुत समय से लगे हुए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस और इस गठबंधन से हम कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। क्या वहां के मुख्यमंत्री ने अपने बेटे के खिलाफ कोई टिप्पणी की? उन्होंने कहा कि यह लोग हर धर्म की बात करके लीपापोती करते हैं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उन्हें अन्य किसी धर्म के देवताओं की आलोचना करने का अधिकार है? क्या उनमें साहस है? क्या वे ऐसा कर सकते हैं? हम सभी आस्थाओं का सम्मान करते हैं और यह वोट के नाम पर चुप हो जाते हैं। यह लोग अन्य धर्मों पर चुप रहते हैं, लेकिन खुले तौर पर सनातन का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इंडिया गठबंधन से एक स्पष्ट प्रस्ताव लाने का आग्रह करेगी कि वह डीएमके की आलोचना से खुद को पूरी तरह अलग करता है और यह उनका एजेंडा नहीं है। डीएमके द्वारा अपनी आलोचना को सही ठहराने के लिए सनातन धर्म को हिंदुओं के बीच जातिगत भेदभाव की प्रथा से जोड़ने पर भाजपा नेता ने कहा कि शबीर, केवट और संत रविदास जैसे पिछड़ी जातियों के श्रद्धेय लोगों को समर्पित मंदिर बनाए गए हैं।

उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म का मानना है कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति और समुदाय की पृष्ठभूमि के बावजूद अपनी भक्ति से भगवान को प्राप्त कर सकता है। कांग्रेस ने इस विवाद को लेकर स्पष्ट तौर पर कहा कि वह हर धर्म का सम्मान करने में विश्वास करती है। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए प्रसाद ने कहा कि डीएमके से लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों के कुछ विपक्षी नेता सनातन धर्म और हिंदू धर्म से जुड़े पवित्र ग्रंथों की आलोचना करने में मुखर रहे हैं, लेकिन क्या वे अन्य धर्मों और उनके पवित्र व्यक्तित्वों की आलोचना करने का साहस जुटा सकते हैं? उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और विरासत का हर रोज अपमान किया जा रहा है और भाजपा इस मुद्दे को लेकर देश भर के गांवों में जाएगी और साथ ही विकास तथा विरासत की बात भी करेगी। उन्होंने विपक्षी नेताओं से सवाल किया कि सनातन धर्म का यह शर्मनाक अपमान क्यों किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि देश यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने हाल ही में भारत द्वारा आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की बैठक के दौरान कोणार्क चक्र और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दी गई प्रमुखता के बारे में भी बात की।

मणिपुर के कांगगुई में फायरिंग, तीन की मौत

> भाजपा के 23 विधायक अलग प्रशासन के विरोध में
> संकल्प पत्र लाए-इसमें सीएम के साइन नहीं

इंफाल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के कांगपोकपी में मंगलवार को फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई। अज्ञात हमलावरों ने कांगगुई इलाके में इरेंग और करम वैफेई गांव के बीच सुबह करीब 8.20 बजे ग्रामीणों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 3 की मौत हो गई। इससे पहले 8 सितंबर को टेंग्नौपाल के पल्लेल में भड़की हिंसा में भी तीन लोग मारे गए थे और 50 से अधिक घायल हो गए थे। मणिपुर में पिछले 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बाद अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

इधर, प्रदेश भाजपा के 23 विधायकों ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें उन्होंने 10 कुकी MLA's के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कुकी विधायक राज्य में अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं। भाजपा विधायकों ने प्रस्ताव को लेकर सीएम एन बीरेन सिंह से भी मुलाकात की।

एनआरसी लागू करने की मांग

हाल ही में बने सिविल सोसाइटी संगठन यूथ ऑफ मणिपुर ने सोमवार रात भाजपा विधायकों के साथ थे। वे भी मुख्यमंत्री से मिले। वाईओएम के सदस्यों ने अलग प्रशासन की मांग करने वाले 10 कुकी विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इस मामले पर चर्चा के लिए विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने और राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की भी मांग की।

भाजपा विधायकों के प्रस्ताव पर सीएम का साइन नहीं

23 भाजपा विधायकों ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रस्ताव में उन्होने संकल्प लिया कि वे मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेंगे और जल्द ही दिल्ली जाकर केन्द्र सरकार से मणिपुर संकट का हल निकालने पर बात करेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए।

राजस्थान और तेलंगाना में मुख्यमंत्रियों को बदलना चाहती है जनता : सर्वे रिपोर्ट

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। आईएएनएस सीवोटर एंगर इंडेक्स के अनुसार, चुनावी राज्यों में राजस्थान और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की अप्रूवल रेटिंग उनकी सरकारों और मौजूदा विधायकों की अप्रूवल रेटिंग से पीछे है। राजस्थान और तेलंगाना के मामले में लोगों को अपने विधायकों का बने रहना तो ठीक लगता है, लेकिन वे नेतृत्व बदलना चाहते हैं।

आईएएनएस सीवोटर एंगर इंडेक्स के अनुसार, सभी चुनावी राज्यों में, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश ही ऐसे दो राज्य हैं, जहां मौजूदा मुख्यमंत्री अपनी व्यक्तिगत लोकप्रियता के आधार पर नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा विधायकों की अलोकप्रियता के कारण उन्हें बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरे शब्दों में लोग नेतृत्व जारी रखना चाहते हैं।

लेकिन, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपने निर्वाचित विधायकों को बदलना चाहते हैं। जबकि, राजस्थान और तेलंगाना में मामला बिल्कुल उलट है।

नई संसद में डिजाइनर कपड़ों में दिखेंगे कर्मचारी

मार्शल से लेकर महिला स्टाफ के लिए ये है ड्रेस कोड

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। गणेश चतुर्थी से नई संसद की कार्यवाही शुरू होने जा रही है। इसे लेकर सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि नई संसद की शुरुआत के साथ ही भवन के कर्मचारी और मार्शल के ड्रेस कोड में बदलाव किया जाएगा। कर्मचारियों की नई ड्रेस भारतीयता से प्रेरित होगी।

दोनों सदनों में मौजूद रहने वाले मार्शल सफारी सूट की बजाए अब क्रीम रंग का कुर्ता और पजामा पहनेंगे। मार्शल मणिपुरी पगड़ी पहने हुए दिखाई दे सकते हैं। जबकि महिला कर्मचारी भी नई साड़ियों में नजर आ सकती हैं। दरअसल, मार्शल और अन्य कर्मचारी भी करीब डेढ़ दशक से अपनी यूनिफॉर्म में बदलाव करने की मांग भी कर रहे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, संसद भवन के कर्मचारियों के नई पोशाक को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने डिजाइन किया है। इसके तहत सचिवालय के कर्मचारियों के बंद गला सूट को बदल कर मैजेंटा या गहरे गुलाबी रंग की जैकेट कर दी जाएगी। इनकी शर्ट भी गहरे गुलाबी रंग के होगी, जिस पर कमल का फूल बना होगा और वे खाकी रंग की पैंट पहने हुए नजर आएंगे। नए ड्रेस कोड में संसद भवन सचिवालय में रिपोर्टिंग, टेबल ऑफिस, नोटिस ऑफिस, विधायी शाखा और सुरक्षा विभाग के अधिकारी मार्शल शामिल है। अब तक सुरक्षा में लगे कर्मचारी नीले या काले रंग के सफारी सूट पहनते हैं। इसके बजाए उन्हें सैनिकों की तरह कैमोफ्लेज ड्रेस दी जाएगी।

नए विवाद का हो सकता है जन्म

नए ड्रेस कोड के साथ ही नया विवाद भी शुरू हो सकता है। केंद्र में भाजपा सरकार है।

पार्टी का चिन्ह कमल का निशान है। ऐसे में कर्मचारियों की ड्रेस पर कमल का फूल की डिजाइन नए विवाद खड़ा कर सकती है। अमर उजाला से चर्चा में राज्यसभा सचिवालय से जुड़े एक अफसर ने कहा कि नए ड्रेस कोड को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन यह कब तक आएगी इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। कपड़ा कैसा होगा और ये कहां से मिलेगा इस पर निर्णय लिया जाना बाकी है। मार्शल और अन्य कर्मचारी भी करीब डेढ़ दशक से मांग कर रहे थे कि उनकी ड्रेस में बदलाव किया जाए।

राज्यसभा में मार्शल की ड्रेस पर पहले भी हो चुका है विवाद

नवंबर 2019 के शीतकालीन सत्र के दौरान भी राज्यसभा के मार्शल की ड्रेस बदलने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। राज्यसभा में सदन के भीतर तैनात मार्शल की ड्रेस बदलकर सेना की वर्दी जैसी कर दी गई थी। सेना से रिटायर्ड अफसर और विपक्षी दलों ने इसे बदलने की मांग की थी। बढ़ते विवाद के बाद सचिवालय ने मार्शल की ड्रेस को बदल दिया था। बदली हुई मार्शलों की ड्रेस सेना की वर्दी जैसी लग रही थी।

डीआरआई ने कच्छ में प्राचीन वस्तुएं जब्त की, 26.80 करोड़ है कीमत

अहमदाबाद, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कच्छ के मुंद्रा में कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आए एक शिपिंग कंटेनर से प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों सहित प्राचीन वस्तुओं को जब्त किया है। अधिकारियों ने कहा कि कंटेनर 11 सितंबर को मिला था। कंटेनर से जब्त की गईं वस्तुओं का अनुमानित बाजार मूल्य 26.80 करोड़ रुपये है।

उन्होंने कहा कि जब्त की गई अधिकांश वस्तुओं की ओरिजिन्स यूरोपीय देशों, विशेष रूप से यूनाइटेड किंगडम और नीदरलैंड से हुई है।

विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए डीआरआई ने कंटेनर को जब्त किया। कंटेनर को यूएई के जेबल अली से आयात किया गया था। अधिकारी ने कहा कि कंटेनर का सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा व्यापक निरीक्षण किया गया और जांच करने पर प्रतिष्ठित मूर्तियों, पुराने बर्तनों, पेंटिंग्स, प्राचीन फर्नीचर और विभिन्न अमूल्य विरासत के टुकड़ों सहित पुरावशेषों का संग्रह पाया गया।

उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ कलाकृतियां 19वीं शताब्दी की हैं और इनमें जटिल शिल्प कौशल का दावा किया गया है, जिसमें कीमती पत्थर, सोना और चांदी की परत शामिल है। खजाने के बीच में मिली एक विशेष रूप से उल्लेखनीय कलाकृति 'द हरम गार्ड' है, जो बेल्जियम के जॉर्जेस डी गीतेरे की 1885 की एक उत्कृष्ट रचना है। प्रारंभिक अनुमान इसका मूल्य 20,000 डॉलर से 30,000 डॉलर के बीच बताया जा रहा है।

'सत्ता में आते ही सिद्धारमैया सरकार ने खो दी लोकप्रियता'

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बेंगलुरु, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक की सिद्धामैया सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही अपनी लोकप्रियता खो दी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी के नेता प्रशासन की विफलताओं के खिलाफ राज्यभर में यात्रा करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सूखे जैसे ज्वलंत मुद्दों के बावजूद सरकार उनका समाधान करने के बजाय जनविरोधी नीति अपना रही है। येदियुरप्पा ने कहा, 'आज पार्टी के नेताओं की बैठक में हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।' उन्होंने कहा, 'बहुत ही कम समय में इस सरकार ने अपनी लोकप्रियता खो दी है और ऐसी स्थिति में पहुंच गई है, जहां उन्हें लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है।'

पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'राज्य सूखे से प्रभावित है। कई ज्वलंत मुद्दों के बावजूद यह सरकार उन पर ध्यान न देकर जनविरोधी नीति अपनाए हुए है।'भगवा पार्टी के संसदीय बोर्ड के सदस्य येदियुरप्पा ने यह भी बताया कि यह फैसला लिया गया है कि गणपति उत्सव (18 सितंबर) के बाद भाजपा नेता राज्य भर में यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम हर जिले में हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करेंगे और अपनी कार्ययोजना के अनुसार काम करेंगे।' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'चर्चा अभी भी जारी है। हमारी पार्टी के सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने अपने सुझाव दिए हैं। हम आने वाले दिनों में अपनी कार्ययोजना पर फैसला करेंगे।'

असम में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में 2 साल में 390 लोगों की गिरफ्तारी

गुवाहाटी, 12 सितंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि असम में पिछले ढाई वर्षों में राष्ट्र विरोधी या चरमपंथी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए कम से कम 390 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मौजूदा विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक अब्दुर रशीद मंडल के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि 390 लोगों में से 52 कोकराझार, 43 उदलगुरी, 40 दिमा हसाओ, 38 बारपेटा, 30 तिनसुकिया, 29 लोग बक्सा जिले से गिरफ्तार किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी अवधि में पशु तस्करी से जुड़े मामलों में 2,942 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि महिला तस्करी से संबंधित मामलों में 434 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस बीच, राज्य के विभिन्न हिस्सों में नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में 11,624 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 2,817.85 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। सरमा ने कहा कि इसी अवधि में तस्करों के कब्जे से 27,858 मवेशियों के सिर बचाए गए और जब्त किए गए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मवेशी तस्करी के संबंध में नागांव जिले में 486, गुवाहाटी में 287, कोकराझार में 241, दक्षिण सलमारा में 235, धुबरी में 234, कामरूप में 192, गोलाघाट में 157, सोनितपुर में 135 और विश्वनाथ जिले में 101 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

एनसीपी नेता नवाब मलिक को राहत, मानहानि मामले में कोर्ट ने खारिज किया गैर जमानती वारंट

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। एनसीपी नेता नवाब मलिक को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दरअसल मानहानि मामले में एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मंगलवार को नवाब मलिक के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट खारिज कर दिया है। यह गैर जमानती वारंट महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक के खिलाफ मानहानि के एक मामले में जारी किया गया था। जिसे भाजपा कार्यकर्ता मोहित भारतीय ने साल 2021 में नवाब मलिक के खिलाफ दर्ज कराया था।

कोर्ट में पेश हुए नवाब मलिक को खारिज हुआ गैर जमानती वारंट

मझगांव कोर्ट के एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एसबी काले ने बीते हफ्ते नवाब मलिक के खिलाफ यह गैर जमानती वारंट जारी किया था। दरअसल मानहानि मामले की सुनवाई पर नवाब मलिक बीते महीने कोर्ट में पेश नहीं हुए थे, जिस पर कोर्ट ने एनसीपी नेता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। अब मंगलवार को नवाब मलिक के कोर्ट में पेश होने पर उनके खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट को खारिज कर दिया गया है।

क्या है मामला

कोर्ट ने सबूतों की रिकॉर्डिंग के लिए 25 अक्तूबर तक मामले की सुनवाई स्थगित कर दी है। बता दें कि अक्तूबर 2021 को मोहित भारतीय ने नवाब मलिक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि नवाब मलिक ने क्रूज ड्रग्स जब्ती मामले में उनके और उनके रिश्तेदार के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाए। बता दें कि क्रूज ड्रग्स जब्ती मामले में ही बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान का बेटा आर्यन खान गिरफ्तार हुआ था। मोहित भारतीय ने शिकायत में बताया कि नवाब मलिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानबूझकर उसे और उसके बहनोई ऋषभ सचदेव को बदनाम करने की कोशिश की और अपने दावों के पक्ष में कोई सबूत भी नहीं दिया। मोहित भारतीय ने नवाब मलिक के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 के तहत मामला दर्ज कराया था। ईडी ने फरवरी 2022 को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था।

नूंह हिंसा में मारे गए अभिषेक के घर पहुंचे सीएम

पानीपत में परिवार से मुलाकात की; मनोहर लाल बोले- दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे

पानीपत, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल मंगलवार को अचानक नूंह हिंसा में मारे गए बजरंग दल के वर्कर अभिषेक चौहान के घर पहुंचे। उनके इस दौरे को सार्वजनिक नहीं किया गया था। सीएम सुबह करीब साढ़े 8 बजे पहुंचे। करीब 10 मिनट तक पानीपत की नूरवाला की धमीजा कॉलोनी में उन्होंने परिवार से मुलाकात की।

सीएम ने परिवार को कहा कि नूंह हिंसा के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होगी। सरकार किसी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार परिवार के साथ है। सीएम ने कहा कि परिवार के किसी भी एक सदस्य को नियमों के अनुसार टेस्ट आदि पास करने होंगे, इसके बाद नौकरी दी जाएगी, ताकि भविष्य में कोई नौकरी को चैलेंज न कर सके। मुलाकात के बाद सीएम वहां से सेक्टर 13-17 स्थित हेलीपैड पहुंचे। जहां से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए।

डेढ़ माह बाद अभिषेक के परिवार से मिलने आए

बता दें कि नूंह में 31 जुलाई को ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। इस हिंसा को करीब डेढ़ महीने होने वाले हैं। इसके बाद सीएम अभिषेक के परिवार से मिलने आए हैं। सीएम के दौरे को लेकर मृतक अभिषेक के घर के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

गौरतलब है कि नूंह में आयोजित ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा हो गई थी। इस हिंसा में पानीपत के युवक अभिषेक को दंगाइयों ने निहत्था घेर लिया था। उसे गोली मारी गई थी। इतना ही नहीं, जिस एंबुलेंस से उसे अस्पताल तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा था, दंगाइयों ने उसे रोककर आग के हवाले कर दिया था।

अभिषेक की मौत के बाद पानीपत में कई दिनों तक तनाव की स्थिति रही। शरारती तत्वों ने उसके घर के पास एक समुदाय विशेष वर्ग के लोगों के चिकन कॉर्नर, गाड़ियों को निशाना बनाते हुए तोड़ा था। इतना ही नहीं, कुछ दिनों बाद सेक्टर 25 में नाकाबपोश युवकों ने दुकानों में तोड़फोड़ की थी। कई लोगों को चोटिल भी किया था।

घर के पास शहीदी मार्ग का बोर्ड लगा चुका प्रशासन

अभिषेक की 13वीं रस्म क्रिया के दौरान पानीपत शहरी एमएलए प्रमोद विज के आह्वान और प्रयासों से अभिषेक के नाम पर शहीदी गेट बनने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इससे पहले उसी दिन अभिषेक के घर के पास शहीदी मार्ग का बोर्ड लगाया गया था। बोर्ड पर अमर बलिदानी अभिषेक मार्ग लिखवाया गया है। हादसे के बाद परिवार को सांत्वना देने पहुंची शिवसेना ने हरियाणा के सीएम पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि हरियाणा का बेटा धार्मिक यात्रा में जाता है और शहीद हो जाता है, लेकिन हरियाणा के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के पास समय नहीं है कि वह उनके परिवार वालों से मिल सकें व उन्हें आर्थिक मदद प्रदान कर सकें।

हरियाणा सीएम की फर्जी दान की रसीद

हिसार, 12 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल कुछ दिन पहले गुरु जंभेश्वर भगवान की जयंती पर हिसार आए थे। उस कार्यक्रम में सीएम मनोहर लाल के नाम से बिश्नोई मंदिर में 50 रुपए दान करने की एक फर्जी रसीद सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि सीएम ने ऐसी कोई रसीद नहीं कटवाई। इस रसीद पर सीएम का नाम, उनके पिता का नाम, जिला, तहसील और गांव का नाम लिखा हुआ है। साथ ही प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर भी किए हुए हैं।

इस फर्जी रसीद के वायरल होने के बाद बिश्नोई सभा और गुरु जंभेश्वर लंगर सेवा समिति हिसार के पदाधिकारियों की मीटिंग हुई। मीटिंग में समिति के प्रधान सहदेव कालीरावणा ने सिटी थाना पुलिस को जांच के लिए शिकायत सौंपी है।शिकायत में कहा गया कि समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले व्यक्ति की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जबकि सीएम की तरफ से ऐसी कोई रसीद नहीं कटवाई गई।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 13 सितंबर- 2023

जी 20 के डिनर में नीतीश की शिरकत, एक तीर से दो निशाने

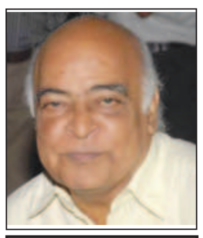

अशोक भाटिया

बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने के एक साल से भी ज्यादा समय बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली में जी20 रात्रिभोज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात क्या हुई, राजनीति में तरह-तरह की अटकलबाजियों का बाजार गर्म होने लगा। सारी अटकलबाजियों की जड़ एक तस्वीर है जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का परिचय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से कराते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में बाइडेन के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद हैं। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने सोशल मीडिया पर इसे पोस्ट किया था। इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्री जी20 डिनर से दूर रहे । गौर तलब है कि जी20 डिनर के लिए 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' के नाम से देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को निमंत्रण भेजा गया था लेकिन इससे विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने अलग-अलग कारणों से कन्नी काट ली । जिस तस्वीर की बात हम कर रहे हैं, वह इसलिए खास है कि इसमें मौजूद दोनों ही मुख्यमंत्री इंडिया गठबंधन के ही सदस्य हैं। कई महीनों बाद प्रधानमंत्री मोदी से हुई नीतीश की मुलाकात पहले जी20 डिनर में विपक्ष शासित राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की संभावना सबसे कम लग रही थी, उसमें नीतीश सबसे प्रमुख थे क्योंकि वे पिछले कई महीनों में ऐसे तमाम कार्यक्रमों में नहीं पहुंचे थे जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होने वाले थे। यही नहीं, विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के भी असली सूत्रधार वही हैं जिसका मुख्य एजेंडा ही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी अगुवाई वाली बीजेपी-एनडीए का विरोध करना है। इंडिया बैठक की पहली बैठक उन्होंने पटना में ही आयोजित करवाई थी और उसकी कमान भी उन्होंने ही संभाली थी। गौरतलब है कि नीतीश कुमार भले ही इस वक्त इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और 2024 लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट करने में उन्होंने अगुआ की भूमिका निभाई है मगर इस गठबंधन की बेंगलुरु और मुंबई में हुई बैठकों में जिस तरीके से नीतीश कुमार एक नेता की भूमिका में नजर आ रहे थे मगर बेंगलुरु और मुंबई की बैठक को कांग्रेस ने जिस तरीके से हाईजैक किया है, उसके बाद नीतीश कुमार अब इस विपक्षी गठबंधन में अलग-थलग नजर आने लगे । नीतीश कुमार जिन्होंने विपक्षी दलों को एकजुट किया और इंडिया गठबंधन के बनने के बाद उन्हें इस बात की उम्मीद थी कि सभी विपक्षी दल के नेता उन्हें इस गठबंधन का संयोजक बनाएंगे, मगर ऐसा कुछ भी अब तक नहीं हुआ । सूत्रों से मिली जानकारी के दौरान नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि मुंबई की बैठक में गठबंधन के संयोजक के नाम का ऐलान किया जाएगा मगर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने नीतीश के साथ बड़ा खेल कर दिया जिसके बाद विपक्षी गठबंधन में किसी भी संयोजक के नाम की घोषणा नहीं हुई बल्कि इससे अलग से 14 सदस्य कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार के संयोजक नहीं बनने के पीछे की बड़ी वजह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद हैं। दरअसल, जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक लालू और कांग्रेस ने आपस में मिलकर नीतीश कुमार का खेल बिगाड़ दिया है। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार जहां उम्मीद कर रहे थे कि मुंबई की बैठक में उन्हें संयोजक बनाया जाएगा, वहीं दूसरी तरफ लालू ने नीतीश का खेल बिगाड़ते हुए यह घोषणा कर दी थी कि इससे विपक्षी गठबंधन में एक नहीं बल्कि 3 या 4 संयोजक बनाए जा सकते हैं और प्रत्येक संयोजक को तीन या चार राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। मुंबई की बैठक में हुआ भी ऐसा ही। किसी भी एक संयोजक के नाम का ऐलान नहीं हुआ और इससे अलग इंडिया गठबंधन के कोआर्डिनेशन कमेटी के नाम की घोषणा हो गई। लालू के इस खेल से नीतीश कुमार को बड़ा झटका लगा और उनके प्रधानमंत्री बनने का सपना भी सपना ही रह गया। बताया जा रहा है कि लालू नहीं चाहते थे कि नीतीश कुमार इस विपक्षी गठबंधन के संयोजक बनें क्योंकि ऐसा होने से नीतीश का कद राष्ट्रीय राजनीति में बहुत ज्यादा बढ़ जाता और फिर जब बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे का समय आता तो नीतीश अपने कद का इस्तेमाल करके कांग्रेस और आरजेडी से ज्यादा सीटों की मांग कर सकते थे। गौरतलब है कि पिछले साल जब द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनी थीं तो उस वक्त नीतीश कुमार एनडीए में ही थे मगर द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में वह शामिल नहीं हुए थे। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि इस बार जब नीतीश कुमार विपक्ष में हैं तो आखिर ऐसा क्या हो गया कि राष्ट्रपति के रात्रि भोज के कार्यक्रम में नीतीश कुमार पहुंच गए जबकि विपक्षी गठबंधन के कई मुख्यमंत्रियों ने ऐसे कार्यक्रम से अपने आप को दूर रखा? इसका जवाब दरअसल यह है कि नीतीश कुमार की विपक्षी गठबंधन में हो रही लगातार अनदेखी को ध्यान में रखते हुए नीतीश कुमार ने राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने का दांव चला ताकि विपक्षी दलों को इस बात का एहसास कराया जा सके कि नीतीश कुमार के रास्ते और विकल्प पूरी तरीके से खुले हुए हैं और अगर उन्हें इंडिया गठबंधन में कोई महत्वपूर्ण और बड़ी भूमिका नहीं मिली तो वह दोबारा भाजपा के साथ भी जा सकते हैं।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का भी मानना है कि नीतीश कुमार के राष्ट्रपति के भोज कार्यक्रम में शामिल होने के कदम इसी से जुड़ा है। इंडिया गठबंधन में लालू के एक्टिव होने के बाद नीतीश कुमार जो अलग-थलग हो चुके हैं, उन्होंने भी लालू और कांग्रेस को अपने तरीके से चेतावनी दे दी है कि उनकी भूमिका को विपक्षी गठबंधन में दरकिनार ना किया जाए। नीतीश कुमार ने भाजपा को एक बार नहीं बल्कि दो बार धोखा देकर आरजेडी के साथ सरकार बना ली है मगर इसके बावजूद भी 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नीतीश कुमार की उपयोगिता अभी बनी हुई है। बिहार जैसे राज्य जहां पर जाति के आधार पर वोटिंग होती है और 2015 विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट हो चुका है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के साथ आने के बाद भाजपा की जबरदस्त हार हुई थी, उसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा की भी कोशिश यही नजर आती है कि किसी तरीके से 2024 लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश और लालू को अलग किया जाए ताकि वोटों का बंटवारा हो और फिर इसका फायदा भाजपा को मिल सके। माना जा रहा है कि भाजपा के बड़े नेताओं ने भले ही नीतीश कुमार को लेकर यह ऐलान कर रखा है कि अब उनकी तीसरी बार दोबारा एनडीए में एंट्री नहीं होगी मगर भाजपा को इस बात का एहसास है कि जब नीतीश कुमार का साथ उन्हें मिला था तो 2019 लोकसभा चुनाव में 40 में से 39 सीटें एनडीए गठबंधन ने जीती थीं। 2024 में भी यह तभी संभव होगा जब नीतीश कुमार लालू से अलग हटकर एक बार फिर एनडीए में आ जाएं।भाजपा को एहसास है कि अगर नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए में शामिल हो जाते हैं तो बिहार में इसका फायदा उन्हें मिलेगा मगर दूसरा सवाल यह भी खड़ा होता है कि क्या भाजपा इस बात का जोखिम उठाएगी कि जो नीतीश कुमार, जिनका बिहार में राजनीतिक कद काफी घट चुका है और जिन की विश्वसनीयता भी लगभग समाप्त हो चुकी है, उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाए और फिर उन्हीं के नेतृत्व में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़े? नीतीश कुमार अगर दोबारा भाजपा के साथ आते हैं तो किस रूप में आएंगे और किस तरीके से भाजपा उन्हें अपने साथ लेगी, इसको भी लेकर अभी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से जोर देकर कहा है कि वहां खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारत विरोधी गतिविधियों को काफी तेज कर रखा है। पीएम ने स्पष्ट संदेश दिया कि खालिस्तानी चरमपंथी कनाडा में रह कर अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं। समय-समय पर भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भी भडकाने से परहेज नहीं कर रहे हैं। यहां तक कि राजनयिक परिसरों में तोड़फोड़ और भारतीय समुदाय तथा उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रहे हैं। मोदी ने यह बात जोर देकर कही कि दोनों देशों के संबंधों की प्रगति के लिए परस्पर सम्मान और विश्वास पर आधारित संबंध बहुत आवश्यक हैं। इसमें ये चरमपंथी बाधक बने हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने कनाडा के सामने खालिस्तानी चरमपंथ से खड़ी होने वाली चुनौतियों का मुद्दा उठाया हो, इसके पहले भी कई बार इस मामले को उठाया जा चुका है। लेकिन इस बार मोदी ने जी20 की व्यस्तताओं के बीच जस्टिन ट्रूडो से इस मामले में विशेष रूप से बात की। बता दें कि हाल के दिनों में कनाडा में भारतीय समुदाय, विशेषकर राजनयिकों के खिलाफ प्रदर्शन, हिंदू मंदिरों पर हमले और दिवाली जैसे त्योहारों में खलल डालने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। देखने में आया है कि इस प्रकार की अधिकतर घटनाओं में खालिस्तानी चरमपंथियों का ही हाथ रहा है। वे खुलकर इन घटनाओं की जिम्मेदारी भी लेते रहे हैं। बीते दो सालों में वैंकुवर, टोरंटो, सरे, ब्रैंपटन, मिसीसाग जैसे शहरों में स्थित अनेक हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की करीब दर्जन भर घटनाएं सामने आई हैं। इसी साल जून में सिख फार जस्टिस संगठन से जुड़े चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की अज्ञात लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी। भारत की इकतालीस खूंखार आतंकियों की सूची में उसका भी नाम था। इसलिए कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथियों ने इस हत्या के लिए भारत सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भारतीय उच्चायोग पर उग्र प्रदर्शन और तोड़फोड़ की थी। इसके अलावा अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब सरकार की कार्रवाई को लेकर भी कनाडा के चरमपंथी गुटों में कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। सब जानते हैं कि भारत और कनाडा के संबंध बेहद मधुर रहे हैं, लेकिन उसमें खलल डालते हुए खालिस्तानी चरमपंथी तत्त्व न केवल अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे, बल्कि वहां रह रहे भारतीयों को आए दिन धमकी देकर भयभीत भी कर रहे हैं। यहां तक कि हिंदू मंदिरों पर हमले और भारत विरोधी रैली-कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय व्यवस्था को चुनौती भी दे रहे हैं। बता दें कि खालिस्तानी संगठन अब कनाडा को आतंकवाद की नर्सरी में तब्दील कर और उसे अपने मुख्यालय की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अनेक खालिस्तान समर्थक चरमपंथी संगठन कई देशों में अपनी कुत्सित गतिविधियां चला रहे हैं, लेकिन कनाडा में ये अधिक सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा कि संगठित अपराध, मादक पदार्थ गिरोह और मानव तस्करी के साथ ऐसी ताकतों का गठजोड़ भारत ही नहीं, कनाडा की भी चिंता का विषय होना चाहिए। हालांकि ट्रूडो ने अपनी वही पुरानी प्रतिक्रिया दोहराई कि उनका देश शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की हमेशा हिमायती रहा है, वह हिंसा को रोकेगा और नफरत के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगा। यही बात तो उन्होंने उस समय भी कही थी जब खालिस्तानी तत्त्वों ने भारतीय दूतावास पर प्रदर्शन कर तोड़फोड़ की थी। उसके बाद भी खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह कराया गया। स्वाभाविक ही कनाडा सरकार का यह ढुलमुल रवैया भारतीय नेतृत्व के लिए चिंता का विषय है। लगभग चार करोड़ की आबादी वाला कनाडा स्वयं को धर्मनिरपेक्ष देश कहता है। वहां भारतीय मूल के लोगों की बडी आबादी उसकी कुल जनसंख्या की चार फीसद है। भारतीयों की इतनी बड़ी आबादी के खिलाफ किसी भी हिंसात्मक अभियान या एजेंडे को किसी भी सूरत में नजरअंदाज करना भारी पड सकता है।

पाकिस्तान पर 'विराट' जीत

एशिया कप में कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में भारत ने पाकिस्तान पर अब तक की सबसे बड़ी 228 रनों की जीत दर्ज की। एशिया कप को क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों का मंच माना जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तान पर इस बड़ी जीत ने भारतीय खिलाड़ियों को मनोवैज्ञानिक रूप से काफी मजबूती प्रदान की है। भारत और पाकिस्तान सदैव से एक-दूसरे के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे हैं।

दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी भावनात्मक रूप से दोनों टीमों के मैचों से जुड़ जाते हैं। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारत ने 18 साल बाद पाकिस्तान के खिलाफ 356 रन बनाए। इससे पहले, यह करिश्मा भारत ने विशाखापट्टनम में वर्ष 2005 में किया था। हालांकि, तब 356 रन बनाने में भारत के 9 विकेट चले गए थे। उस मैच में महेंद्र सिंह धोनी ने 148 रनों की पारी खेली थी। कोलंबो के मैच में कई रिकॉर्ड भी भारत ने दर्ज कराए।

क्या प्रेमदासा स्टेडियम विराट कोहली को भाता है?

कोलंबो में शतक लगाकर विराट कोहली ने एशिया कप में अपने शतकों की संख्या 5 कर ली है। ऐसा करने वाले वो भारत के एकमात्र खिलाड़ी हैं। एशिया कप में सचिन तेंदुलकर, शिखर धवन और सुरेश रैना के नाम दो-दो शतक हैं। विराट कोहली का यह रिकॉर्ड छूना बेहद मुश्किल लगता है। विराट कोहली ने कोलंबो में वनडे क्रिकेट में अपने 13,000 रन भी पूरे किए। वो सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड स्कोर तक पहुंचने में 267 पारियां खेलीं, जबकि सचिन तेंदुलकर को 13,000 रन तक पहुंचने में 321 परियां, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को 341 परियां, श्रीलंका के कुमार संगाकारा को 363 परियों और यहीं के सनत जयसूर्या को 416 परियां लग गई थीं।ऐसा लगता है कि कोलंबो का प्रेमदासा स्टेडियम विराट कोहली को भाता है। इसी स्टेडियम में उनका चौथा शतक था। भारत-पाकिस्तान मैच में विराट कोहली मैन ऑफ द मैच भी रहे और यह उनका 64वां मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड था। उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्हें 76 मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिले हैं, जबकि श्रीलंका के सनत जयसूर्या को 58, साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस को 57 और श्रीलंका के ही कुमार संगाकारा को 50 बार मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला है।

ये हैं भारत की बड़ी जीत

यदि भारत की बड़ी जीतों की बात की जाए तो 200 रन से अधिक अंतर से टीम इंडिया 1972 से 2021 के बीच चार बार जीती थी, लेकिन पिछले एक साल में, यानी वर्ष 2022 से अभी तक भारत चार बार 200 रन के अंतर से विपक्षी टीमों पर जीत दर्ज कर चुका है।

भारत के लिए अच्छा यह है कि बल्लेबाज और बॉलर जिस तरह से पाकिस्तान के खिलाफ लय में नजर आए, उससे साफ है कि एशिया कप पर भारत ने अपनी प्रबल दावेदारी जता दी है। वर्ल्ड कप को लेकर भी भारत ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी स्विंग गेंदबाजी के साथ फॉर्म में लौट आए हैं।

जिस तरह से कुलदीप यादव ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ी और 5 विकेट लिए तो कह सकते हैं कि भारतीय पिचों पर कुलदीप का कहर झेलने के लिए विपक्षी टीमों को तैयार रहना चाहिए। विकेटकीपर बल्लेबाज के.एल.राहुल ने भी शतक के साथ वापसी की है। वो वर्ल्ड कप टीम में शामिल हैं। यदि इसी फॉर्म में भारतीय टीम बनी रही तो वर्ल्ड कप में वो वर्ष 2011 वाला प्रदर्शन दोहरा सकती है और तीसरी बार वर्ल्ड कप को अपनी झोली में डाल सकती है।

हिंदी सनातन संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। दरअसल भारत में हिंदी को आधिकारिक दर्जा मिलने की खुशी में यह दिवस मनाया जाता है। जानकारी देना चाहूंगा कि हिन्दी को भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था, यही कारण है कि भारतवर्ष में प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी, भारत की राजभाषा यानी कि आफिशियल लेंग्वेज है और हमारे देश की विविधता का प्रतीक है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो आज भारत की करीब 57 फीसदी से ज्यादा आबादी हिन्दी बोलती और समझती है। आजादी के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ पूरे देश को एकजुट करने में हिन्दी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण व अहम रही है और यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है।यह भाषा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी अनूठा व नायाब प्रतीक है।हिंदी दिवस के मौके पर हमें अपनी मातृभाषा के प्रति समर्पित रहना चाहिए। हिंदी हमारे संविधान का अधिकार है और यह हमें राष्ट्रीय एकता की ओर बढ़ाती है।

हिंदी को सीखना और उसे सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी और हमारा परम कर्तव्य भी है, ताकि हमारी समृद्ध भाषा धरोहर को बचाया और इसे देश में अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा सके, प्रचलित और प्रसारित किया जा सके। जानकारी देना चाहूंगा कि इस बार हिंदी एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन संयुक्त रूप से पुणे, महाराष्ट्र में 14 एवं 15 सितंबर 2023 को आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिंदी दिवस 2022 एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन सूरत, गुजरात में किया गया था। इसी प्रकार से प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन वाराणसी में किया गया था। संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और इसकी लिपि देवनागरी है।संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतराष्ट्रीय रूप है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि जनतांत्रिक आधार पर हिंदी विश्व भाषा है क्योंकि उसके बोलने-समझने वालों की संख्या संसार में तीसरी है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' के द्वारा हिंदी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया गया है।यह बात हम सभी को गौरवान्वित करती है कि विश्व के 132 देशों में जा बसे भारतीय मूल के लगभग 2 करोड़ लोग हिंदी माध्यम से ही अपना कार्य निष्पादित करते हैं। एशियाई संस्कृति में अपनी विशिष्ट भूमिका के कारण हिंदी एशियाई भाषाओं से अधिक एशिया की प्रतिनिधि भाषा है। आज हिंदी शनैःशनैः सर्वव्यापी होती चली जा रही है, हिंदी में प्रचुर साहित्य की उपलब्धता है, यह सरल,सहज और वैज्ञानिक शब्दावली लिए बहुत ही दमदार भाषा है। यहां तक कि बनावट की दृष्टि से सरलता और वैज्ञानिकता और सब प्रकार के भावों को प्रकट करने की सामर्थ्य आदि सभी गुण हिंदी में समाहित हैं।हम में से बहुत से लोगों का यह मानना है कि हिंदी हमारे देश की राष्ट्रभाषा है, लेकिन यह सच नहीं है। हिंदी हमारी मातृभाषा है, देश की प्रथम राजभाषा है और यह राष्ट्रभाषा के रूप में कहीं भी अब तक पंजीकृत नहीं है। वास्तव में सच तो यह है कि भारत की यह आर्टिकल लिखने तक कोई भी आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा नहीं है। बावजूद इसके हिंदी इस देश की आत्मा है, प्राण है।एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की अनूठी पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, हमारी सनातन संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। वास्तव में हिंदी हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। यह विडंबना ही है कि आज हिंदी देश की राजभाषा होने के बावजूद हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिन्दी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि हिंदी अनुवाद की नहीं बल्कि संवाद की भाषा है। किसी भी भाषा की तरह हिंदी भी मौलिक सोच की भाषा है।विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को एक नई पहचान मिली है। यूनेस्को की सात भाषाओं में हिंदी को भी मान्यता मिली है।आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, 'भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी'। ग्रियर्सन हिंदी के बारे में अपने विचार रखते हुए यह कहते हैं कि 'हिंदी संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।' महात्मा गांधी जी ने एक बार यह बात कही थी कि 'हिंदुस्तान के लिए देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होना चाहिए, रोमन लिपि का व्यवहार यहाँ हो ही नहीं सकता।' उनका यह मानना था कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। (जस्टिस) कृष्णस्वामी अय्यर ने हिंदी के बारे में एक बार यह कहा था कि 'समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है। 'वाल्टर चेनिंग कहते हैं कि 'विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है।' बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि हिंदी आज सिर्फ साहित्य की भाषा नहीं है, बल्कि बाजार की भी भाषा है। उपभोक्तावादी संस्कृति ने विज्ञापनों को जन्म दिया, जिससे न केवल हिंदी का अनुप्रयोग बढ़ा, बल्कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिले हैं। आज हिंदी सोशल नेटवर्किंग साइटस की भाषा है, मेडिकल, इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भी हिंदी के प्रयोग को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। अगर हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में 75 करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिंदी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है।

आज हिंदी समाचार पत्रों की भाषा है, पत्र पत्रिकाओं की भाषा है और पाठकों को यह जानकारी प्राप्त करके हैरानी होगी कि कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर 15 करोड़ से भी ज्यादा हो जाने का अनुमान है।

शादी डॉट कॉम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चश्मा आँखों पर कम नाक पर ज्यादा चढ़ा था। इससे साफ पता चलता था कि बंदा पढ़ा-लिखा था। ऊपर से सड़कों से ज्यादा माथे पर सिलवटों के स्पीड ब्रेकर साफ दिखाई देते थे। मतलब वह विवाह के लिए तैयार बिटिया का पिता था। गंवारों की बिटिया जितनी जल्दी बियाह दी जाती हैं, पढ़े-लिखों की बिटिया प्रोफाइल जीवनसाथी डॉट कॉम में उतनी ही देर तक लंबित रहती हैं। मनचाही मुराद और मिस्टर परफेक्टनिस्ट दामाद ये दोनों क्षितिज की तरह होते हैं। यानी ये दोनों भ्रम हैं। एक दिन जीवनसाथी डॉट कॉम से फोन आया। फोन भी ऐसा आया कि जीवन डॉट से ज्यादा डाउट और साथी कॉम से ज्यादा कॉमा लग रहा था। पिता को साथी के साथ कॉमा पसंद था। चुनने के विकल्प जो मिलते थे, वहीं बेटी को अपने भविष्य को लेकर जीवन में बहुत डाउट थे। कुल मिलाकर पिता सुनहरे जीवन और बेटी बेजोड़ साथी की तलाश में जीवनसाथी वेबसाइट पर नाक रगड़ रहे थे। नाक रगड़ने का परिणाम यह हुआ कि बिटिया की उम्र तीस पार हो गई। तीस पार की लड़की का पिता मनचाहा की जगह समझौता मिजाज हो जाता है। एक दिन एक रिश्ता आया। लड़का खूब पैसों वालों का इकलौता वारिस था, बालों के नाम पर गंजा कहलाता था। शहर में दो-चार कोठियाँ-दुकानें थीं, शरीर के नाम पर सिर और कमर के बीच पिजा-बर्गर का गोल गुंबज था। पानी के नाम पर थोक में कोक पीता था। लड़की समझ नहीं पा रही थी कि इस रिश्ते को जोक मानकर हँसे या शोक मानकर रोए। इसी जोक और शोक के बीच लड़की का पिता कूदा। बेटी को लड़के से अकेले में बात करने के लिए भेजा। शर्त यह थी कि लड़की कुछ नहीं कहेगी। हुआ वही जो होना था। लड़के को लड़की पसंद थी। लेकिन लड़की को लड़का नहीं। लेकिन पिता को अब इस बात की कोई परवाह नहीं थी। उसने बिटिया को समझाया – एक जमाना था शादी लडके और खानदान को देखकर की जाती थी, अब बैंक बैलेंस और कोठी देखकर की जाती है। दो दिन की चमड़ी के लिए चार दिन की संपत्ति थोड़े न छोड़ते हैं। उसकी सूरत और सीरत को छोड़ दौलत को देख। खुशियों की खुशबू दौलत के बगीचे में बसती है। कौनसा वह मूर्ख है जिसे तुझे कालीदास बनाना है। खुद इंटर पास है लेकिन नौकर-चाकर पीजी पास हैं। ज्यादा पढ़ने से कुछ नहीं होता। ज्ञान तो सड़क पर रोता है। ज्ञानी आज अज्ञानियों के यहाँ नौकरी कर रहे हैं। करोड़ में कितने शून्य होते हैं, यह पढ़ने-पढ़ाने और दिखावे की बाते हैं। तिजोरी में कितने रुपए हैं, वही हमारी औकात बताते हैं। लड़की संस्कार से मजबूर थी। पिता का कहा कैसे टालती? शादी हुए चार सा बीत गए हैं।

अपनों ने ही कांग्रेस को आईना दिखा दिया

राजेश कुमार पासी

कांग्रेस की नकारात्मक सोच उसे बर्बादी की ओर ले जा रही है । वो भाजपा की बात न सुने लेकिन अपने नेताओं और विपक्षी दलों के नेताओं की बातों को तो सुन और समझ सकती है । भाजपा को कांग्रेस की नकारात्मकता फायदा पहुँचा रही है, इसलिये वो उसे लगातार हवा दे रही है । मोदी जी कई बार कुछ ऐसा कर जाते हैं कि उसकी प्रतिक्रिया में कांग्रेस वही करती है जिसकी उम्मीद मोदी जी कर रहे होते हैं । चाहे फिर वो सनातन धर्म पर हमला हो या भारत बनाम इंडिया का विवाद, कांग्रेस की प्रतिक्रिया उसके लिये कितनी घातक साबित हो रही है, इसका अंदाजा कांग्रेस को नहीं है । कांग्रेस सत्ता में आना चाहती है क्योंकि वो खुद को सत्ता का स्वाभाविक दावेदार मानती है । उसको लगता है कि जनता ने गलती से 2014 में मोदी जी को सत्ता सौंप दी थी, इसलिये उसे पूरा भरोसा था कि 2019 में वह वापसी कर रही है । जब मोदी जी ने 2019 में पिछले बहुमत से भी बड़े बहुमत से सरकार बना ली तो कांग्रेस को भरोसा नहीं हुआ । आज तक कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि मोदी जी ने कैसे 2019 में दोबारा बहुमत वाली सरकार बना ली ? वास्तव में वो सच देखना नहीं चाहती है । कांग्रेस के चाटुकार नेता और उसका गुलाम मीडिया उसे सच्चाई देखने ही नहीं देना चाहते हैं । कांग्रेस लगातार धोखे में जी रही है और लगातार नीचे की तरफ जा रही है । अभी भी कांग्रेस को उम्मीद है कि जो 2019 में नहीं हुआ, वो 2024 में होने वाला है । इंडिया गठबन्धन बनाकर कांग्रेस को लग रहा है कि उसने 2024 जीतने का इंतजाम कर लिया है । मोदी विरोधी मीडिया कांग्रेस को सच्चाई से दूर रखे हुए है । वो कांग्रेस को ऐसा झूठ परोस रहा है, जिसके कारण कांग्रेस को 2024 में अपनी जीत पक्की दिखाई दे रही है । अगर कांग्रेस को दोबारा सत्ता में आना है तो उसे अपनी नकारात्मकता का त्याग करना होगा । उसे विपक्षी दल का काम अच्छी तरह से करना चाहिए । वास्तव में विपक्ष का काम कांग्रेस को आता ही नहीं है । वो लगातार सत्ता में रही है. उसे विपक्ष में रहने की आदत नहीं है । जब भी वो सत्ता से बाहर हुई है, उसे जनता ने दोबारा सत्ता में पहुँचा दिया है । दोबारा सत्ता में आने के लिए उसे मेहनत भी नहीं करनी पड़ी है क्योंकि विपक्षी दल जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे । तीन बार तो विपक्षी दलों की सरकारें आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाई हैं । इसके कारण यह धारणा बन गई थी कि कांग्रेस के अलावा कोई और पार्टी शासन नहीं चला सकती । इस धारणा को वाजपेयी जी ने लगातार छह साल सरकार चलाकर तोड़ दिया । 2004 में कांग्रेस ने दोबारा सत्ता प्राप्त कर ली और दस साल तक लगातार शासन में रही । इससे फिर यह धारणा पैदा हो गई कि कांग्रेस ही सत्ता की स्वाभाविक दावेदार है । उसे कुछ समय के लिये ही सत्ता से बाहर किया जा सकता है । मोदी जी ने दो बार सरकार बनाकर इस धारणा को दोबारा तोड़ दिया है । कांग्रेस को समझ नहीं आ रहा है कि वो इन हालातों का सामना कैसे करे ? कांग्रेस सत्ता प्राप्त करने के लिए नहीं, मोदी जी को सत्ता से हटाने के लिए लड़ रही है । इसलिये कांग्रेस ने गठबन्धन की बैठक में यह ऐलान कर दिया कि वो प्रधानमंत्री पद की दावेदार नहीं है । सवाल पैदा होता है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ही पीएम पद की दावेदार नहीं है तो फिर कौन दावेदार हो सकता है ? इतिहास बताता है कि वही सरकार कामयाब हुई है, जिसमें सबसे बड़ी पार्टी ने सरकार का नेतृत्व किया है । कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह मोदी को सत्ता से हटा दिया जाये, फिर उसके लिये कोई भी कुर्बानी क्यों न देनी पड़े । इस भावना ने कांग्रेस को नकारात्मकता के ऐसे भंवर में धकेल दिया है कि वो मोदी की ताकत को समझे बिना उनसे भिड़ रही है । लोकतंत्र में जनता ही मालिक होती है, वही तय करती है कि सत्ता की चाबी किसके हाथ में होगी । कांग्रेस जबरदस्ती सत्ता की चाबी हथियाना चाहती है । वो ऐसा कुछ नहीं कर रही है, जिससे जनता में उसके प्रति विश्वास पैदा हो । वो ऐसा सब कुछ कर रही है, जिससे जनता में उसके प्रति नाराजगी बढ़ती ही जाए । भाजपा दस साल से लगातार सत्ता में है लेकिन देश में सत्ता विरोधी लहर कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है । कांग्रेस के प्रति जनता में नाराजगी चरम पर पहुंचती जा रही है लेकिन कांग्रेस को इसका एहसास ही नहीं है । कांग्रेस जिन कामों के लिये मोदी सरकार की आलोचना कर रही है, जनता उन्हीं कामों के लिए मोदी सरकार की तारीफ कर रही है । वास्तव में कांग्रेस मोदी से नफरत में इतनी अंधी हो चुकी है कि उसे जनता की भावनाओं का अहसास ही नहीं हो रहा है । जी-20 के सम्मेलन के दौरान इतिहास में पहली बार देश में दुनिया के लगभग सभी शक्तिशाली नेताओं का जमावड़ा लगा लेकिन कांग्रेस को यह रास नहीं आ रहा है ।

अमावस्या पर करें भगवान विष्णु-लक्ष्मी का अभिषेक

भाद्रपद की अमावस की सुबह देवी-देवताओं की पूजा दोपहर में पितरों के लिए धूप-ध्यान और शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

गुरुवार, 14 सितंबर और शुक्रवार, 15 सितंबर को भाद्रपद की अमावस्या है। तिथियों की घट-बढ़ की वजह से दो दिन ये तिथि रहेगी। इसे कुशग्रहणी अमावस कहते हैं, क्योंकि इस दिन साल भर के लिए कुश घास इकट्ठा की जाती है। पूजा-पाठ, धूप-ध्यान के नजरिए से इस अमावस्या का महत्व एक पर्व की तरह ही है।

अमावस्या पर देवी-देवताओं की पूजा के साथ ही पितरों के लिए धूप-ध्यान, श्राद्ध, पिंडदान और तर्पण आदि शुभ काम जरूर करें।

सुबह देवी-देवताओं की पूजा करें, दोपहर में पितरों के लिए धूप-ध्यान और और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।

अमावस्या की सुबह जल्दी उठें और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। लोटे में पानी के साथ फूल और चावल भी जरूर डालें।

ऐसे कर सकते हैं भगवान का अभिषेक

घर के मंदिर में बाल गोपाल के साथ ही विष्णु जी और लक्ष्मी जी का अभिषेक करें। इसके लिए दक्षिणावर्ती शंख का उपयोग करें। भगवान का अभिषेक करने के लिए शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और भगवान को अर्पित करें। दूध चढ़ाते समय कृं कृष्णाय नमः और ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। दूध के बाद जल से भगवान का अभिषेक करें। भगवान को नए वस्त्र अर्पित करें। इत्र लगाएं। हार-फूल से श्रृंगार करें। चंदन से तिलक लगाएं। तुलसी के पत्तों के माखन-मिश्री और मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरत करें।

दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान

अमावस्या की दोपहर गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब पितरों का ध्यान करते हुए अंगारों पर गुड़-घी डालें। घर-परिवार और कुटुंब के मृत सदस्यों को पितर कहा जाता है। गुड़-घी अर्पित करने के बाद हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों का ध्यान करते हुए जमीन पर छोड़ दें। इसके बाद गाय को रोटी या हरी घास खिलाएं। जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं।

शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास दीपक जलाएं। ध्यान रखें शाम को तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। दीपक जलाकर तुलसी की परिक्रमा करें।

एक ही जगह विराजमान हैं चिंतामणि इच्छामन और सिद्धिविनायक

ऐसी मान्यता है कि चिंतामण गणेश चिंता से मुक्ति प्रदान करते हैं, जबकि इच्छामन अपने भक्तों की कामनाएं पूर्ण करते हैं। गणेश का सिद्धिविनायक स्वरूप सिद्धि प्रदान करता है। इस अद्भुत मंदिर की मूर्तियां स्वयंभू हैं। और जो भी यहां दर्शन करने के लिए आता है उनकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से करीब 6 किलोमीटर दूर ग्राम जवास्या में भगवान गणेश का प्राचीनतम मंदिर स्थित है। इसे चिंतामण गणेश के नाम से जाना जाता है।

चिंतामण गणेश मंदिर परमारकालीन है, जो कि 9वीं से 13वीं शताब्दी का माना जाता है। इस मंदिर के शिखर पर सिंह विराजमान है। वर्तमान मंदिर का जीर्णोद्धार अहिल्याबाई होलकर के शासनकाल में हुआ। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चिंतामण गणेश माता सीता द्वारा स्थापित अष्ट विनायकों में से एक हैं।

जब भगवान प्रभु श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण के साथ अवंतिका खंड के महाकाल वन में प्रवेश किया था तब अपनी यात्रा की निर्विघ्नता के लिए षट् विनायकों की स्थापना की थी। ऐसी भी मान्यता है कि लंका से लौटते समय भगवान राम, सीता और लक्ष्मण यहां रुके थे। यहीं पास में एक बावड़ी भी है, जिसे लक्ष्मण बावड़ी के नाम से जाना जाता है। बावड़ी करीब 80 फुट गहरी है।

मंदिर के पुजारी पंडित राहुल गुरु ने बताया कि गणेश चतुर्थी, तिल चतुर्थी और प्रत्येक बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती है। चैत्र मास के प्रत्येक बुधवार को यहां मेला भी लगता है। मनोकामना पूर्ण होने पर दूरदराज के हजारों श्रद्धालु पैदल चलकर मंदिर पहुंचते हैं। सीताराम पुजारी बताते हैं कि सिंदूर और वर्क से प्रातः गणेशजी का श्रृंगार किया जाता है, जबकि पर्व और उत्सव के दौरान दो बार भी लंबोदर गणेश का श्रृंगार किया जाता है।

पुजारी पंडित राहुल गुरु बताते हैं कि मनोकामना पूर्ण करने के लिए श्रद्धालु यहां मन्नत का धागा बांधते हैं और उल्टा स्वस्तिक भी बनाते हैं। मन्नत के लिए दूध, दही, चावल और नारियल में से किसी एक वस्तु को चढ़ाया जाता है और जब वह इच्छा पूर्ण हो जाती है तब उसी वस्तु का यहां दान किया जाता है। श्रद्धालु कोई भी शुभ कार्य होने पर सबसे पहले यहां आकर भगवान गणेश को उसके लिए धन्यवाद देते हैं।

धूपबत्ती या अगरबत्ती जलानी चाहिए? सुख-सौभाग्य पर पड़ता है सीधा असर

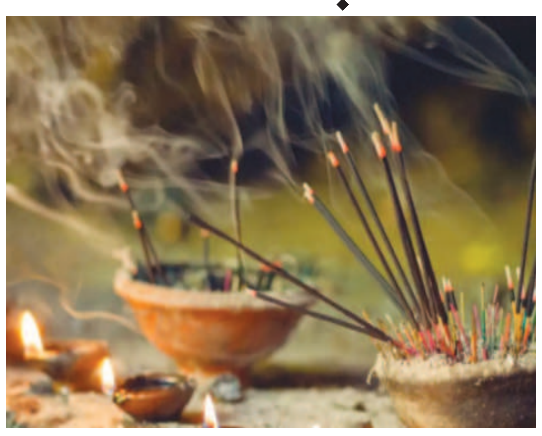

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, हममें से कई लोग अपने घरों में शांति, खुशी और सकारात्मक ऊर्जा लाने के तरीके खोजते हैं। एक सदियों पुरानी प्रथा जो आज भी हमारा ध्यान खींचती है वह है अगरबत्ती का उपयोग। लेकिन क्या घर में अगरबत्ती जलानी चाहिए? क्या वे सचमुच हमारी खुशियों को प्रभावित कर सकते हैं और सौभाग्य को आमंत्रित कर सकते हैं? आइए अगरबत्तियों की दुनिया में गहराई से उतरें और हमारे जीवन पर उनके रहस्यमय प्रभाव का पता लगाएं।

शांति की सुगंध: धूप के जादू का अनावरण

सुगंधित माहौल

अगरबत्तियों का उपयोग सदियों से विभिन्न संस्कृतियों में किया जाता रहा है, मुख्य रूप से उनकी मनमोहक खुशबू के लिए। अगरबत्ती जलाने मात्र से ही आपका घर शांति और विश्राम के अभयारण्य में बदल सकता है।

सांस्कृतिक महत्व

दुनिया भर में विभिन्न संस्कृतियों ने धूप को अपने अनुष्ठानों और परंपराओं में शामिल किया है। भारतीय मंदिरों में सुखदायक चंदन से लेकर ईसाई चर्चों में आध्यात्मिक रूप से उत्थान करने वाले लोबान तक, धूप का गहरा सांस्कृतिक महत्व है।

अरोमाथेरेपी चमत्कार

आधुनिक विज्ञान ने धूप के चिकित्सीय लाभों का खुलासा किया है। अरोमाथेरेपी, एक ऐसी प्रथा जो भावनात्मक और शारीरिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सुगंध का उपयोग करती है, ने लोकप्रियता हासिल की है। अपनी विविध सुगंधों के साथ धूप इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

धूप और खुशी के बीच संबंध

मूड बढ़ाना

धूप की सुगंध में मूड को बेहतर बनाने की अद्भुत क्षमता होती है। लैवेंडर की मीठी सुगंध या पचौली की मिट्टी की सुगंध उत्साह बढ़ा सकती है और तनाव कम कर सकती है, जिससे यह विश्राम के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प बन जाता है।

मनभावन क्षण

धूप जलाने से सचेतनता को बढ़ावा मिलता है। रोशनी की रस्म, धुएं को नाचते हुए देखना और सुखदायक खुशबू लेने से हमें वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करने और दिन की चिंताओं को पीछे छोड़ने में मदद मिल सकती है।

धूप और सौभाग्यः क्या कोई संबंध है?

आध्यात्मिक विश्वास

कई आध्यात्मिक और धार्मिक प्रथाओं का मानना है कि धूप जलाने से किसी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आ सकते हैं। उदाहरण के लिए, फेंगशुई में, कुछ प्रकार की धूप को धन और समृद्धि को आकर्षित करने वाला माना जाता है।

नकारात्मक ऊर्जा को साफ़ करना

धूप का उपयोग शुद्धिकरण और सफाई अनुष्ठानों के लिए भी किया जाता है। अगरबत्ती जलाने से आपके स्थान से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में मदद मिल सकती है, जिससे सकारात्मकता और सौभाग्य के प्रवाह के लिए जगह बन सकती है।

सही धूप का चयन

सुगंध चयन

सही धूप का चयन करना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक गंध के अपने अनूठे गुण होते हैं। आराम के लिए लैवेंडर या कैमोमाइल का विकल्प चुनें।

स्पष्टता और फोकस के लिए, नीलगिरी या पुदीना आज़माएँ। इन सुगंधों को समझने से आपका अनुभव बेहतर हो सकता है।

गुणवत्ता मायने रखती है

प्राकृतिक सामग्रियों से बनी उच्च गुणवत्ता वाली अगरबत्तियों में निवेश करें। ये न केवल लंबे समय तक जलते हैं बल्कि शुद्ध सुगंध भी छोड़ते हैं, जिससे लाभ अधिकतम होता है।

घर के मंदिर की सफाई के लिए यह है सबसे शुभ दिन

मंदिर की सफाई का महत्व

घर के भीतर का मंदिर एक पवित्र स्थान के रूप में कार्य करता है, जो अक्सर देवताओं या पूर्वजों की पूजा के लिए समर्पित होता है। यह एक ऐसा स्थान है जहां प्रार्थना की जाती है, और आशीर्वाद मांगा जाता है। मंदिर की सफाई सम्मान और भक्ति का भाव है, जो परमात्मा की उपस्थिति में पवित्रता बनाए रखने के महत्व को दर्शाता है।

समृद्धि का स्वागत

मंदिर की सफाई का कार्य केवल एक भौतिक कार्य नहीं है बल्कि आध्यात्मिक भी है। ऐसा माना जाता है कि यह मंदिर के भीतर की ऊर्जा को शुद्ध करता है, जिससे धन और सफलता को आकर्षित करने के लिए अनुकूल वातावरण बनता है। यह प्रथा विशेष दिनों पर किए जाने पर विशेष रूप से शुभ होती है।

सबसे शुभ दिन

ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं के साथ तालमेल बिठाना मंदिर की सफाई के क्षेत्र में, समय ही सब कुछ है। प्राचीन ज्ञान के अनुसार, कुछ दिनों को अन्य दिनों की तुलना में अधिक शुभ माना जाता है। इनमें से एक दिन इस अनुष्ठान के लिए विशेष रूप से अनुकूल है - अक्षय तृतीया का दिन।

अक्षय तृतीयाः शाश्वत समृद्धि का दिन

अक्षय तृतीया, जिसे अक्सर अनन्त समृद्धि का दिन कहा जाता है, हिंदू माह वैशाख के शुक्ल पक्ष के तीसरे चंद्र दिवस पर आती है। यह दिन हिंदू संस्कृति में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि यह वह दिन माना जाता है जब भगवान गणेश और वेद व्यास ने महाकाव्य महाभारत लिखना शुरू किया था। यह भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जन्म का भी प्रतीक है।

अनुष्ठान करना

तैयारी और सामग्री

मंदिर की सफ़ाई की रस्म शुरू करने से पहले, आवश्यक सामग्री इकट्ठा कर लें।

आपको चाहिये होगाः

सफाई एजेंटः पानी, दूध, घी और शहद।

धूप और दीपकः पवित्र वातावरण बनाने के लिए।

ताजे फूलः देवताओं को प्रसाद के रूप में।

प्रार्थना सामग्रीः जैसे घंटी, शंख और आरती की थाली।

साफ कपड़ाः देवताओं और वेदी को पोंछने के लिए।

फल और मिठाइयाँः देवताओं को प्रसाद के रूप में।

अनुसरण करने योग्य चरण

अपने आप को शुद्ध करेंः स्नान करके और साफ कपड़े पहनकर शुरुआत करें। यह आपके शरीर और मन को आगे आने वाले पवित्र कार्य के लिए शुद्ध करता है।

वेदी तैयार करेंः देवताओं या मूर्तियों को एक साफ कपड़े पर रखें और उन्हें वेदी पर व्यवस्थित करें।

पूजा करेंः धूप और दीप जलाएं, ताजे फूल चढ़ाएं और देवताओं की आरती करें।

मंदिर की सफाईः मंदिर को साफ करने के लिए पानी, दूध, घी और शहद के मिश्रण का उपयोग करें। देवताओं और वेदी को साफ कपड़े से धीरे-धीरे पोंछें।

प्रार्थना करें और आशीर्वाद मांगेंः अपनी प्रार्थनाएं करें और अपने प्रयासों में समृद्धि और सफलता के लिए आशीर्वाद मांगें।

प्रसाद बांटेंः देवताओं को चढ़ाए गए फल और मिठाइयां दिव्य आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा करें।

नियमितता बनाए रखेंः पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए, मंदिर की सफाई को नियमित अभ्यास बनाएं, अधिमानतः अक्षय तृतीया और अन्य शुभ अवसरों पर।

इस शिवलिंग में परशुराम ने मारा था अपना फरसा

हापुड़ः तीर्थनगरी गढ़मुक्तेश्वर में स्थित मुक्तेश्वर मंदिर की अपनी अलग ही मान्यता है। कहा जाता है कि यहां स्थापित शिवलिंग का जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं को कर्ज और कष्ट से मुक्ति मिलती है। यही वजह है कि इस शिवलिंग के दर्शन करने के लिए उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों से ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी यहां आते हैं। पुजारी जयदीप बताते हैं कि इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग की मान्यता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को शिवलिंग के दर्शन मात्र से ही कर्ज और कष्ट से मुक्ति मिल जाती है। यही वजह है कि इस मंदिर का नाम भी मुक्तेश्वर रखा गया है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं।

छिपे हुए शिव के गणों को मुक्ति मिली थी

मंदिर पर दर्शन के लिए आए श्रद्धालु लवी बाल्यान ने बताया कि मुक्तेश्वर मंदिर की मान्यता है कि लोग यहां अपना पाप, समस्याएं और कष्ट से मुक्ति के लिए आते हैं। मान्यता है कि भगवान परशुराम ने अपना फरसा इस शिवलिंग को मारा था, जिसकी वजह से यह शिवलिंग टूटा हुआ है और इसमें छिपे हुए शिव के गणों को मुक्ति मिली थी। यह शिव मंदिर काफी प्राचीन है।

पितृ पक्ष में जरूर करें 4 चीजों का दान, पूर्वज हो उठेंगे प्रसन्न

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पितृ पक्ष पितृ दोष से मुक्ति पाने का सबसे अच्छा अवसर होता है। पितृ पक्ष प्रत्येक वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा के साथ शुरू हो जाते हैं और अश्विन माह की अमावस्या तिथि पर इनका समापन हो जाता है। पितृ पक्ष के इन दिनों में पितरों का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि इन 15 दिनों तक पितृ पृथ्वी पर आते हैं, और अपने परीजनों को आशीर्वाद देते हैं। मान्यता के अनुसार पितरों के आशीर्वाद से ही परिवार सुखी और सम्पन्न रहता है लेकिन यदि पितृ नाराज़ हो जाते हैं तो कई पीढ़ियों को पितृलदोष झेलना पड़ सकता है। पितृ पक्ष के इन दिनों में कुछ ऐसी वस्तुएं हैं जिनका दान करने से पितृ दोष से मुक्ति पाई जा सकती है, भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहें हैं पितृ पक्ष के दौरान कौन सी वस्तुओं का दान करना शुभ होता है।

पितृ पक्ष में करें इन चीजों का दान

-ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि पितृ पक्ष में किसी ज़रूरतमंद व्यक्ति को भोजन अवश्य कराना चाहिए। ऐसा

करने से पितर प्रसन्न होते हैं, और पितृ दोष से मुक्ति मिल जाती है।

-पितृ पक्ष में वस्त्रों का दान करना भी शुभ होता है। पितृ पक्ष के दौरान ज़रूरतमंद लोगों को धोती कुर्ता या गमछे का दान करना चाहिए। साथ ही जूते चप्पल का दान भी कर सकते हैं। ऐसा करने से पितृ दोष और राहु-केतु दोष से भी मुक्ति मिलती है।

-पितृ पक्ष के दौरान गौ दान करना भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि गौ दान करने से समस्त कुल के पापों का नाश हो जाता है, और पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है।

-पितृ पक्ष में पूजा के दौरान काले तिल का विशेष प्रयोग किया जाता है। यदि किसी ज़रूरतमंद व्यक्ति या ब्राह्मण को पितृ पक्ष की अवधि में काले तिल का दान किया जाए तो पितृ प्रसन्न होते हैं, और कई प्रकार के दोषों से मुक्ति मिल जाती है। ऐसा करने से शनि देव की कृपा भी बनी रहती है।

धर्मेंद्र की तबीयत खराब!

इलाज के लिए अमेरिका ले गए बड़े बेटे सनी देओल

धर्मेंद्र को लेकर खबर आ रही है कि उनकी तबीयत खराब चल रही है और उनके बड़े बेटे 'गदर 2' एक्टर उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले गए हैं। सनी करीब 20 दिनों तक वहां रहकर धर्मेंद्र का इलाज करवाएंगे। रिपोट्र्स की मानें तो देओल परिवार के करीबी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि धर्मेंद्र को हेल्थ प्रॉब्लम्स हो रही हैं, जिसके कारण सनी उन्हें वहां ले गए हैं। इलाक कराने के बाद वह जल्द भारत लौटेंगे, चिंता करने वाली कोई बात नहीं है।

इलाज के लिए नहीं घूमने गए धर्मेंद्र?

रिपोट्र्स की मानें तो धर्मेंद्र की तबीयत बिल्कुल ठीक है और वह सनी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए यूएस गए हैं। इंडिया टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी टीम ने सनी की टीम से संपर्क करने की कोशिश की। जिसमें ये जानकारी निकलकर सामने आई कि धर्मेंद्र की हेल्थ कंडिशन नहीं, बल्कि पिता के साथ छुट्टियां मनाने के लिए वह अमेरिका गए हैं। दोनों के 16 सितंबर को भारत लौटने की बात भी सामने आई है।

बता दें कि जहां एक तरफ सनी देओल 'गदर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं धर्मेंद्र भी रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म में धर्मेंद्र का किरदार काफी खास रहा है। इसके साथ ही RRKPK में शबाना आजमी के साथ उनका एक लिपलॉक किसिंग सीन भी है। जो बीते दिनों चर्चा का विषय बना रहा।

हुई जब 7 सितंबर को शाहरुख खान की 'जवान' सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उस दिन, 'जवान' ने 75 करोड़ रुपये के साथ शानदार शुरुआत की और 'गदर 2' की कमाई में पिछले दिन की तुलना में 1 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। सप्ताहांत के दौरान, फिल्म ने 1 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की, शनिवार को 1.35 करोड़ रुपये और रविवार को 1.60 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद सोमवार को फिल्म की कमाई और घटकर 75 लाख रुपये रह गई।

'जेंटलमैन 2' में प्राचिका की धमाकेदार एंट्री बोलीं, 'तैयारी अच्छी हो तो खेलने में मजा'

सुपरस्टार ममूटी की हिट फिल्म 'ममंगम' से बड़े परदे पर डेब्यू करने वाली नेटबॉल चैंपियन प्राची तेहलन ने साउथ में एक और बड़ा धमाका किया है। वह जल्द ही सुपरहिट फिल्म 'जेंटलमैन' की सीक्वल में नजर आएंगी। उनका ऑन स्क्रीन नेम अब प्राचिका हो गया है। इन दिनों साइमा अवाड्र्स में शिरकत करने दुबई पहुंची प्राचिका की नई अदाएं इन दिनों सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं।

प्राचिका उर्फ प्राची तेहलन ने टेलीविजन के सुपरहिट सीरियल 'दीया बाती और हम' से अपनी पहचान बनाई और फिर बड़े परदे पर भी अपनी धाक जमाई। प्राची की पिछली फिल्म 'ममंगम' मलयालम, तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई थी और इस फिल्म ने खाड़ी देशों के अलावा भारत में भी अच्छा कारोबार किया। राष्ट्रीय स्तर की की नेटबॉल खिलाड़ी रहीं प्राचिका की शोहरत दक्षिण भारतीय सिनेमा के अलावा मुंबई में खूब रही है।

हाल ही में उनका नाम हिंदी सिनेमा के 70 के दशक के दौर पर बन रही एक वेब सीरीज में परवीन बाबी से मिलते जुलते किरदार के लिए सामने आया था। अपनी बिंदास अदाओं और फैशनेबुल अंदाज की वजह से प्राचिका सुर्खियों में खूब रहती हैं। सोशल मीडिया पेज पर भी उनके खूब प्रशंसक हैं। और, अपने इन प्रशंसकों के लिए प्राचिका नई नई तस्वीरें भी साझा करती रही हैं। लेकिन, इन दिनों प्राचिका की एक बेहद बोल्ड तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

इन दिनों साइमा अवाड्र्स के लिए दुबई में मौजूद प्राचिका कहती हैं, 'मेरा लक्ष्य जीवन को एक खेल की तरह जीना है। जैसे खेल में हर खिलाड़ी अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए लंबी तैयारी करता है और फिर मुकाबले के दिन अपना सब कुछ खेल में झोंक देता है, वैसे ही अभिनय है। इसमें लंबी तैयार करके खेल में उतरने वाला सौ फीसदी जीतता ही जीतता है।'

शाहरुख खान की धुर प्रशंसक रहीं प्राचिका उनकी फिल्म 'जवान' के तमिल संस्करण की चर्चा चलने पर वह कहती हैं, 'फिल्म 'जवान' को लेकर दक्षिण भारत में खूब जश्न जैसा माहौल रहा है। तमिल और तेलुगु में ये फिल्म उतने सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हुई है जितने स्क्रीन इसे हिंदी में मिले लेकिन शाहरुख खान के दीवाने तो दुनिया भर में मौजूद हैं फिर क्या मुंबई और क्या चेन्नई!'

फिरोज नाडियाडवाला पर फीस न देने का आरोप : डायरेक्टर अनीस बज्मी को मिलने थे 4 करोड़; वेलकम बैक की रिलीज के बाद नहीं मिले पैसे

प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला पर फिल्म मेकर अनीस बज्मी को 4 करोड़ रुपए फीस न देने के आरोप है। यह रकम 'वेलकम बैक' से जुड़ी थी। वह रकम अब तक नहीं अदा की गई है। ऐसे में अनीस बज्मी के हवाले से सिने वर्कर्स यूनियन फेडरेशन ने फिरोज और जियो स्टूडियोज की प्रमुख ज्योति देशपांडे को लेटर भेजा है। फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे ने इसकी पुष्टि की है।

सेटलमेंट रकम दो करोड़ की बनी थी

अशोक दुबे ने कहा, ' रकम 4 करोड़ की थी, पर फिरोज नाडियाडवाला ने फंड न होने का हवाला दिया। फिर सेटलमेंट रकम दो करोड़ की बनी। कहा गया कि वेलकम बैक की रिलीज के बाद दो करोड़ दिए जाएंगे।

रिलीज के बाद फिरोज नाडियाडवाला ने एक-एक करोड़ के दो चेक भेजे। मगर फेडरेशन जब उस चेक को भुनाने बैंक गई तो तब तक फिरोज ने दोनों चेक पर स्टॉप पेमेंट जारी कर दिया।'

जब तक बकाया नहीं मिलेगा, फेडरेशन का मेंबर फिरोज के साथ काम नहीं करेगा

अशोक आगे बताते हैं, ' इस तरह तब से लेकर अब तक वो पेमेंट क्लियर नहीं है। मामला अंधेरी कोर्ट में है। साथ ही फेडरेशन का स्टैंड स्पष्ट है कि जब तक फीस अदायगी नहीं होगी, तब तक फेडरेशन का कोई भी टेक्निकल क्रू फिरोज की किसी भी फिल्म में काम नहीं करेगा। यह बात हम लगातार रख रहें हैं। उस समय भी हमने खत लिखा था, जब हेराफेरी3 अनाउंस हुई थी। हमने सभी कलाकारों को भी खत भेजे थे। हालांकि किसी की ओर से कोई जवाब नहीं आया।

एफआईआर का कॉल अनीस बज्मी का है

अशोक ने आगे कहा- अब जब वेलकम टू द जंगल आई है तो इस समय भी हमने उन्हें जानकारी से अवगत कराया है। हमने साथ ही इसी आशय का खत जियो स्टूडियोज की प्रमुख ज्योति देशपांडे को भी भेजा है कि वो वैसे शख्स के साथ काम कर रहीं, जिन पर पेमेंट बकाया है। रहा सवाल फिरोज पर एफआईआर का तो वह कॉल अनीस बज्मी का है। मगर फिलहाल मामला कोर्ट में तो चल ही रहा है। उधर, फिरोज नाडियाडवाला की ओर इस पूरे मामले पर कोई जवाब आना बाकी था।

प्रीति जिंटा ने यूएस में अटेंड किया निक जोनस कॉन्सर्ट:प्रियंका के साथ क्लिक कीं पिक्चर्स, बोलीं- मैं जोनस ब्रदर्स की फैन हो गई

हाल ही में प्रीति जिंटा ने यूएस में निक जोनस का कॉन्सर्ट अटेंड किया। इस कॉन्सर्ट में प्रियंका चोपड़ा भी मौजूद थीं। प्रीति ने जोनस ब्रदर्स कॉन्सर्ट अटेंड की एक वीडियो क्लिप भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। इस दौरान प्रियंका ब्लैक कट-आउट ड्रेस में थीं। उन्होंने अपने बाल भी खुले रखे थे। प्रीति ब्लैक टॉप और रेड चेक स्कर्ट में दिखीं। दोनों ने साथ पिक्चर्स भी क्लिक कीं।

मैं जोनस ब्रदर्स की फैन हो गईः प्रीति

प्रीति ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- क्या मजेदार शाम थी और जोनस ब्रदर्स को सुनने का बहुत अच्छा चांस था। उन्होंने प्रियंका को टैग भी किया और लिखा- बढ़िया होस्ट होने के लिए थैंक्स! उन्होंने निक जोनस को भी टैग किया और लिखा- आप दोनों ने बहुत बढ़िया परफॉर्म किया। मैं तो आपकी फैन हो गई। आगे के टूर के लिए ऑल द बेस्ट!

प्रीति, प्रियंका को साथ देख यूजर्स ने खुशी जाहिर की

वीडियो पर एक यूजर ने लिखा- प्रीति और प्रियंका को साथ देखकर बहुत अच्छा लगा। आप दोनों मेरी फेवरेट एक्ट्रेसेस हैं। वहीं एक यूजर ने लिखा- आप दोनों एक-दूसरे के सच्चे दोस्त हैं। एक यूजर ने लिखा- मुझे सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट बहुत अच्छी लगती हैं। मैं आपकी गार्डनिंग सीरीज भी मिस करता हूं।

प्रीति जिंटा ने बिजनेसमैन जीन गुडएनफ से शादी की थी। इनके दो बच्चे हैं- जिया और जय। दोनों का जन्म सरोगेसी से हुआ है। प्रीति ने यूएस शिफ्ट होने के बाद से फिल्मों में काम नहीं किया है। प्रियंका जल्द ही फिल्म हेड ऑफ स्टेट में नजर आएंगी। इसके अलावा प्रीति फिल्म जी ले जरा में भी दिखाई देंगी। प्रियंका और प्रीति ने 2003 में फिल्म द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई में साथ काम किया था। अब दोनों एक्ट्रेसेस लॉस एंजेलिस में अपने पति और बच्चों के साथ सेटल हो चुकी हैं।

'वह मुझ पर पूरी यूनिट के सामने.....' टीवी की हिटलर दीदी रति पांडे ने शो के डायरेक्टर पर लगाए आरोप

छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री रति पांडे अपनी सीरियल्स को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। रति का शो हिटलर दीदी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था। अब हाल ही में ऑडियंस में हिटलर दीदी के नाम से मशहूर रति पांडे ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है, जिसे सुनकर अभिनेत्री के फैंस भी काफी हैरान हो गए हैं। तो चलिए जानते हैं।

रति पांडे टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। रति ने 'हिटलर दीदी', 'मिले जब हम तुम से' और 'नूपुर' जैसे बेहद पॉपुलर सीरियल में यादगार किरदार निभाकर अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अह हाल ही में, एक लेटेस्ट इंटरव्यू में रति ने खुलासा किया है कि एक बार सेट पर एक डायरेक्टर ने उन्हें काफी परेशान किया था।

हाल ही में एक इंटरव्यू में रति ने डायरेक्टर की हरकतों का खुलासा करते हुए कहा, 'मैं शो का नाम नहीं लेना चाहती हूं, लेकिन उस समय मैंने एक पौराणिक शो किया था या फिर यूं कह लीजिए कि पौराणिक भी नहीं वह एक ऐतिहासिक शो था। जब आप ऐसे शोज करते हैं तो उस कैरेक्टर में ढलने की पूरी कोशिश करते हैं। मैंने भी शुद्ध हिंदी बोलना शुरू कर दिया था क्योंकि मैं अपने रोल के साथ न्याय करना चाहती थी।'

रति ने आगे कहा, 'उस समय शूटिंग के दौरान अचानक मुझे एक सोशियो ड्रामा का ऑफर आया और मुझे तैयारी के लिए बिल्कुल टाइम नहीं मिला। मैंने एक हफ्ते में शूटिंग शुरू कर दी थी और मैं खुद को शुद्ध हिंदी बोलने से नहीं रोक सकी। शो के डायरेक्टर इस भूमिका के लिए कोई और एक्टर चाहते थे लेकिन उन्हें वह नहीं मिली। वह मुझे बिल्कुल पसंद नहीं करते थे।' रति ने यह भी बताया कि सेट पर खड़े हर एक इंसान को पता था कि वह रोल मैं ही निभा पाऊंगी। इसके बावजूद उन्होंने मुझे सेट पर काफी परेशान किया और पूरे समय मुझपर माइक पर चिल्लते रहें। यह पहली बार है जब मैं इस बारे में खुलकर बात कर रही हूं।

17 की उम्र में ही बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए खतरा बन गई थीं प्राची, एक शादीशुदा डायरेक्टर को कर चुकीं डेट

प्राची देसाई ने सीरियल 'कसम से' में काम करके टीवी की दुनिया में पहला कदम रखा था, उस वक्त उनकी उम्र महज 17 साल थी. इस सीरियल ने ही प्राची को घर-घर में मशहूर कर दिया. जब तीन साल बाद यह शो खत्म हुआ तो प्राची के पास ऑफर्स की झड़ी लग गई और वह टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना नाम बन गईं. वह डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 2 में भी अपना दम दिखा चुकी हैं. वह इस शो की विजेता बनी थीं. इसके अलावा वह कुछ समय के लिए सीरियल कसौटी जिंदगी की में भी नजर आई थीं. 12 सितंबर 1988 के दिन गुजरात के सूरत में जन्मी प्राची देसाई किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. पंचगनी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से स्कूलिंग करने वाली प्राची बचपन से ही एक्टिंग की दुनिया में मुकाम हासिल करना चाहती थीं. यही वजह रही कि उन्होंने अपना पूरा फोकस अपने करियर पर रखा.

पहली ही फिल्म में किया धमाल

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि प्राची जब कसम से सीरियल में काम कर रही थीं, उसी दौरान उन्हें रॉक ऑन फिल्म में काम करने का मौका मिला. साल 2008 में रिलीज हुई यह फिल्म सुपरहिट रही, जिसने प्राची के करियर में चार चांद लगा दिए.

इन फिल्मों में भी दिखाया जलवा

प्राची ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपनी अदाकारी से लोहा मनवाया. वह अब तक लाइफ पार्टनर, तेरी मेरी कहानी, रॉक ऑन 2, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई, कार्बन, अजहर, पुलिसगीरी के साथ-साथ आई मी और मैं आदि फिल्मों में अपनी अदाओं का जादू दिखा चुकी हैं. हाल ही में उन्होंने फिल्म फॉरेंसिक से ओटीटी की दुनिया में भी ताल ठोंक दी है.

इस शादीशुदा डायरेक्टर संग जुड़ा था नाता

मीडिया रिपोट्र्स की मानें तो प्राची देसाई का नाम बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टरों में शुमार रोहित शेट्टी के साथ जुड़ चुका है. कहा जाता है कि जब दोनों रिलेशनशिप में आए, उस वक्त रोहित शेट्टी शादीशुदा थे. एक वक्त तो ऐसा भी आया था, जब रोहित अपनी पत्नी माया शेट्टी और बच्चों को छोड़ने के लिए भी तैयार हो गए थे. हालांकि, कुछ समय बाद रोहित अपने परिवार के पास लौट गए और उनका व प्राची रिश्ता टूट गया.

शादी से पहले दुल्हन को करने चाहिए ये काम, हर कोई होगा इंप्रेस

शादी हर लड़की के जीवन का बहुत खास मौका होता है। कहते हैं कि शादी के बाद जीवन में बड़ा बदलाव आ जाता है। महिला शादी के बाद एक नए परिवार की सदस्य बन जाती है। अनजान लोगों से रिश्ता जुड़ने के बाद उसके लिए परिवार में शामिल होना और नए रिश्ते को मजबूत बनाना बड़ी चुनौती होती है।

ऐसे में शादी से पहले ही लड़कियों को कुछ काम कर लेने चाहिए, ताकि शादी के दौरान हर कोई उन से इंप्रेस हो जाएं। पति और ससुराल वालों से दुल्हन का अच्छा और मजबूत रिश्ता बन सके, इसके लिए शादी से एक महीने पहले कुछ कामों को जरूर करें। अगर आपकी शादी भी करीब है तो जल्द से जल्द यहां बताएं हुए कामों को निपटा लें ताकि हर कोई आपसे खुश हो जाए और ससुराल में खुले दिल से आपका स्वागत किया जाए।

स्किन केयर

शादी से पहले सबसे जरूरी है एक दुल्हन के लिए अपने लुक्स पर काम करना। 'ब्यूटी इज द फर्स्ट इम्प्रेशन' यानी किसी भी व्यक्ति में सबसे पहले सामने वाले लोग उनके लुक को ही देखते हैं। शादी के मौके पर बहुत सारे रिश्तेदार, मेहमान शामिल होते हैं। ऐसे में सुंदर दिखना इसलिए भी जरूरी होता है ताकि ससुरालवालों के सामने आप एक अच्छी छाप छोड़ सकें। शादी होने वाली है तो त्वचा का ख्याल रखना शुरू कर दें। कुछ घरेलू स्किन केयर टिप्स भी अपना सकते हैं।

शादी की खरीदारी

शादी समारोह एक बड़ा कार्यक्रम होता है, जिसमें हर किसी की नजर दुल्हन पर होती है। शादी में काम भी बहुत सारे होते हैं, इसलिए दुल्हन को अपने सारे काम शादी से एक महीने पहले ही निपटा लेने चाहिए। शादी के जोड़े से लेकर अन्य सभी जरूरी सामान की खरीदारी पहले से कर लें ताकि तारीख नजदीक आते ही हड़बड़ाहट में कोई गलती न हो जाए और आपका खास दिन खराब हो जाए।

अधूरे काम पूरे करना

अगर आप नौकरी करती हैं या आपके ऊपर कई जिम्मेदारियां हैं तो शादी से पहले उन्हें पूरा कर लें। अधूरे कामों को निपटा लें ताकि शादी के वक्त दुल्हन फ्री होकर रस्मों को ठीक से निभा सकें। ऐसा न हो कि शादी के समय आपके ऊपर काम का बोझ आ जाए या शादी के तुरंत बाद आप अपने अधूरे कामों को पूरा करने में जुट जाएं। इससे आप न तो अपनी शादी को एन्जॉय कर पाएंगी और ससुराल वालों को वक्त न देने पर वह भी नाखुश हो सकते हैं।

ससुराल वालों को जानना

हर दुल्हन को शादी से पहले अपने ससुराल वालों के बारे में कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए। जैसे परिवार में कौन-कौन है?

घर के बच्चों के क्या नाम हैं? ऐसी ही कुछ अन्य बातें। ताकि शादी के बाद अनजाने में आपसे कोई गलती न हो जाए और ससुराल वालों के सामने आप का इंप्रेशन खराब हो जाए।

बिस्तर पर लेटकर करें ये योगासन सेहत को होंगे फायदे

गलत लाइफस्टाइल और खानपान से लोगों की सेहत पर प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण लोग कई बीमारियों से ग्रसित होने लगते हैं। इन में मोटापा, थकान, शरीर दर्द और तनाव आदि शारीरिक और मानसिक समस्या शामिल हैं। इस तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए योगासन लाभकारी होता है। योगासन का नियमित अभ्यास गलत जीवन शैली और पौष्टिक आहार की कमी से होने वाली समस्याओं से राहत दिलाता है। हालांकि भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में लोगों के पास योग या व्यायाम करने तक का समय नहीं मिल पाता। लेकिन सेहत को दुरुस्त रखने के लिए कुछ ऐसे योगासन हैं जो रोज सुबह नींद खुलने के बाद आप बेड पर ही कर सकते हैं। सुबह सुबह योगासन का अभ्यास मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। योगासन से शारीरिक समस्याएं कम होने के साथ ही तनाव और चिंता भी कम होती है। जानिए उन पांच योगासनों के बारे में, जिन्हें रोजाना सुबह आसानी से आप बिस्तर पर कर सकते हैं।

भुजंगासन

रोजाना भुजंगासन का अभ्यास करने से भुजाएं मजबूत होती हैं। मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे बेली फैट कम होता है और रीढ़ में लचीलापन आता है। भुजंगासन का अभ्यास करने के लिए बिस्तर पर पेट के बल सीधा लेटकर दोनों हाथों को कंधे के सामने ले आएं। फिर दोनों हाथों को कंधे पर सामने लाते हुए पूरा शरीर एक सीध में रखें। अब ऊपरी हिस्से को भुजाओं से उठाएं और पैर सीधे रखते हुए कमर से ऊपर का हिस्सा हवा में रखें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

बटरफ्लाई पोज

बद्धकोणासन को बटरफ्लाई पोज कहते हैं, जिसके अभ्यास से हिप्स और जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है और चर्बी कम होती है। पैरों में मजबूती और हिप्स शेप के लिए भी यह योगासन फायदेमंद है। इस योगासन को करने के लिए बिस्तर पर सीधा बैठकर दोनों पैरों के घुटनों को अंदर की तरह मोड़ें। अब पैरों के दोनों तलवे आपस में जोड़ते हुए दोनों हाथों से पैरों को पकड़ लें। अब जांघों को हिलाएं। इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।

पवनमुक्तासन

शरीर में लचीलेपन और रीढ़ की हड्डी मजबूत करने के लिए पवनमुक्तासन करें। पवनमुक्तासन से शरीर की थकान दूर होती है। इस आसन को करने के लिए बिस्तर पर लेटकर दोनों पैरों को आपस में मोड़ लें। फिर घुटनों को छाती पर लगाने हुए दोनों हाथों से पैरों को समेटें। इसी अवस्था में रहते हुए लंबी-लंबी सांस लें और छोड़ें।

विपरीत करणी

इस आसन को करने से ब्लड सर्कुलेशन सीधा मस्तिष्क तक पहुंचता है और दिमाग तेजी से चलता है। मस्तिष्क तनाव मुक्त होता है और डार्क सर्कल सही होकर त्वचा ग्लो करती है। विपरीत करणी योगासन करने के लिए बिस्तर पर लेटकर पैरों को दीवार से सटाएं। फिर पैर को सीधा रखते हुए शरीर को भी सीधा कर लें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें फिर सामान्य हो जाएं।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन के अभ्यास से हिप्स और जांघ की मांसपेशियों का फैट कम होता है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होने के साथ ही कमर की चर्बी कम होती है। अर्ध मत्स्येन्द्रासन को करने के लिए बिस्तर पर पहले दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब शरीर को सीधा रखते हुए बाएं पैर के घुटनों से मोड़कर दाएं पैर को उठाकर बाएं घुटने पर ले लाएं। अब दाएं हाथ की कोहनी को दाएं पैर के घुटने के ऊपर रखें। इसी अवस्था में रहने के बाद दूसरी तरफ से यह आसन दोहराएं।

बच्चों को पढ़ाना है संस्कृति का पाठ तो अपनाएं ये टिप्स, त्योहारों पर कराएं ये काम

बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और उत्सवों के बारे में जानकारी देना आपकी जिम्मेदारी है इसलिए जरूरी है कि आप उन्हें अनुष्ठानों और समारोहों से परिचित कराएं। त्योहार लोगों को एक साथ लाते हैं और समाज में अपनेपन की भावना पैदा करते हैं। खासकर बच्चे तो बड़ों से ज्यादा त्योहारों का लुत्फ उठाते हैं लेकिन आजकल बच्चों की उत्सुकता और ऊर्जा सिर्फ टेक्नोलॉजी में जाया हो रही है।

ऐसे में जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों को उत्सवों से जोड़ें और उनके महत्व बताएं, ताकि अपनी परंपराओं के प्रति उनकी खुशी एवं उत्साह बरकरार रहे। चूंकि बच्चे हर चीज के बारे में जिज्ञासु होते हैं, लिहाजा त्योहारों और उनमें छिपी परंपराओं के बारे में जानना उन्हें रोमांचक भी लगेगा। इसके लिए कुछ आसान तरीके भी हैं।

साफ-सफाई में भागीदारी

जब भी कोई अनुष्ठान, पर्व या उत्सव आता है तो आप घर की साफ-सफाई और सजावट में जुट जाती हैं। इस काम में बच्चों को भी शामिल करें, जिससे उनके मन में भी उत्सवों, अनुष्ठानों के आने की खुशी बनी रहे। बच्चों से छोटे-मोटे काम करने को कहें। आप उनसे कूड़ा-कचरा उठाकर कूड़ेदान में डालने, फर्नीचर की झाड़-पोंछ करने जैसे काम करा सकती हैं। इससे उनमें काम करने की आदत भी पडेग़ी।

पकवान बनाने में सहयोग

त्योहार आने पर सभी घरों में पकवान बनाए जाते हैं। आप इस काम में भी बच्चों की मदद ले सकती हैं और छोटे-छोटे काम कराकर उन्हें जिम्मेदारी का अहसास करा सकती हैं कि त्योहारों पर उन्हें भी काम करना है। इससे उनमें बचपन से ही साथ में काम करने की भावना पैदा होगी। बच्चे साथ में पकवान बनाएंगे तो उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे त्योहार का दुगुना मजा उठाएंगे।

रचनात्मकता जरूरी

बच्चों को अपनी संस्कृति के बारे में जानकारी दें। त्योहार या समारोह के दौरान उन्हें पारंपरिक पोशाक पहना कर, सजावट और पकवान बनाने में मदद लेकर और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी परंपराओं की जानकारी दें, जिससे वे बचपन से ही अपनी संस्कृति को जान सकें और उत्सवों का मजा ले सकें।

कहानियां और फिल्में

हर त्योहार के पीछे कोई न कोई कहानी होती है, जो हमें सकारात्मक संदेश देती है। इसलिए समय-समय पर आप बच्चों को अपने त्योहारों और परंपराओं की जानकारी किताबों द्वारा या फिल्में दिखाकर भी दे सकती हैं। जब आप बच्चे को कुछ रीति-रिवाजों के बारे में समझाती हैं तो वे उसे उबाऊ और बोर लगते हैं। वह आपकी बातों पर ध्यान नहीं देता इसलिए त्योहारों के बारे में कहानी सुनाकर, पढ़कर या फिर उस विषय पर बनी कोई फिल्म दिखाकर आप जानकारी को उसके लिए रुचिकर बना सकती हैं, ताकि वह उत्साहित होकर अपनी संस्कृति के बारे में जानकारी हासिल करे।

मेल-मिलाप की भावना

अगर आप अपने बच्चों को त्योहारों से जोड़ेंगी तो उनमें मेल-मिलाप की भावना बढेग़ी। आज बच्चे भी अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में मिल-जुल कर त्योहार मनाने से उनका अकेलापन दूर होगा। अपने बच्चे को त्योहारों पर रिश्तेदारों, परिचितों और पड़ोसियों के घर जरूर लेकर जाएं, ताकि वह सबसे घुले-मिले और त्योहारों को मिल-जुल कर मनाना सीखे।

हमेशा प्रोत्साहन

आजकल स्कूलों में भी बहुत से त्योहार मनाए जाते हैं। ऐसे में आप बच्चों को उनमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे उनमें उत्साह पैदा हो। आप बच्चे को त्योहार से जुड़ी कविता या भाषण भी तैयार करा सकती हैं। जब बच्चा मंच पर त्योहार से संबंधित कविता या भाषण बोलेगा तो उसे अच्छा भी लगेगा और साथ में अपने उत्सवों के बारे में जानकारी भी हासिल हो जाएगी।

चश्मा लगाने से चेहरे पर पड़ गए हैं निशान तो करें इन चीजों का इस्तेमाल, मिलेगी दमकती त्वचा

एक समय था, जब एक उम्र के बाद ही आंखों पर चश्मा लगता था। उसकी वजह थी, अच्छा खानपान और व्यवस्थित लाइफस्टाइल लेकिन आज समय बदल गया है। आज के वक्त में

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और बाहर के उल्टे-सीधे खाने की वजह से लोगों की आंखों पर सीधा असर पड़ रहा है। इसके साथ ही लगातार मोबाइल चलाने की वजह से आंखों दृष्टि और ज्यादा कमजोर होती जा रही है।

मोबाइल से निकलने वाली किरणों की वजह से कम उम्र में ही बच्चों की नजर कमजोर हो रही है, जिसके चलते छोटी उम्र में ही बच्चे चश्मा लगाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। जब चश्मा लगातार लगाना पड़ता है तो उससे चेहरे पर निशान पड़ने लगते हैं। एक समय के बाद ये निशान काफी भद्दे लगने लगते हैं। ऐसे में आज हम आपको इन निशानों को मिटाने के कुछ घरेलू तरीके बताने जा रहे हैं ताकि आप भी घर बैठे चेहरे के इन निशानों से छुटकारा पा सके।

आलू

चश्मे से होने वाले इन निशानों को हटाने के लिए आपको बस कच्चे आलू की जरूरत होगी। इसके इस्तेमाल के लिए एक कच्चे आलू को पीस कर रस निकाल लें। इस रस को कॉटन बॉल से निशान वाली जगह पर अप्लाई करें। कुछ ही दिनों में आपको फायदा जरूर मिलेगा।

खीरा

चश्मे का निशान हटाने के लिए खीरे का रस काफी फायदेमंद होता है। आपको बस खीरे का रस निकाल कर उंगली से इसे निशान पर लगाना है।

गुलाब जल

स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में गुलाब जल काफी मदद करता है। इसके इस्तेमाल से आप अपने चेहरे पर चश्मे से हुए निशान को हटा सकती हैं। इसके लिए आपको बस रोज सोने से पहले कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगो कर आधे घंटे के लिए चेहरे के निशान पर रखना है।

संतरे का छिलका

संतरे के छिलके के पेस्ट में कुछ बूंदे गुलाब जल की मिलाकर आप इसे निशान पर अप्लाई करें। कुछ ही दिन में आपको फायदा दिखने लगेगा।

टमाटर का रस

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए टमाटर का रस काफी फायदा करता है। आप इसकी मदद से चेहरे पर पड़े निशान को भी हटा सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस टमाटर का जूस निशान वाली जगह पर अप्लाई करके आधा घंटे के लिए छोड़ना है।

एलोवेरा

अगर आपके चेहरे पर कई तरह की परेशानियां हैं तो रोजाना रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल को कॉटन बॉल में लेकर इसे निशान वाली जगह पर अप्लाई करें। कुछ ही दिन में चेहरे के निशान गायब हो जाएंगे।

मेलजोल से होता है बच्चों का विकास जानिए कैसे सिखाएं घुलना-मिलना

कई बच्चे स्वभाव से शर्मीले होते हैं और बाहरी दुनिया से दूर रहते हैं। कई बच्चे मोबाइल, लैपटॉप को ही अपनी दुनिया समझते हैं और पड़ोसी का नाम भी नहीं जानते। उन्हें लगता है कि वे मोबाइल के जरिये पूरी दुनिया के साथ सोशल हैं। माता-पिता के लिए यह एक चुनौती होती है, जब बच्चे दोस्त नहीं बना पाते या उन्हें सोशल होने में कठिनाई आती है। पढ़ाई, खेल-कूद के साथ बच्चों को सोशल वैल्यू देना भी जरूरी है। अगर वे चुपचाप और अकेले रहते हैं तो उनका विकास रुक जाता है। मेल-जोल से उनका प्रोत्साहन बढ़ता है, हिम्मत खुलती है और नई चीजें जानने का मौका मिलता है। इसलिए बच्चों को यह समझना जरूरी है कि मोबाइल के बाहर भी एक दुनिया है, जो जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आत्मसम्मान के लिए सामाजिक संबंध जरूरी हैं, लेकिन नए लोगों से घुलना-मिलना और बातचीत करना बच्चे के लिए काफी कठिन होता है। ऐसे में आप क्या करती हैं?

आस-पास क्या चल रहा है

कई बच्चे पहले से ही सोशल होते हैं। उन्हें लोगों से मिलना अच्छा लगता है। कई बच्चे घर में रिश्तेदार आते ही कमरे में चले जाते हैं। ऐसे में माता-पिता उनको सामाजिक गतिविधियों में शामिल करें, जैसे कि उन्हें पानी का ग्लास लाने को कहें या बड़ों का अभिवादन करना सिखाएं, ताकि उन्हें पता रहे कि आस-पास क्या चल रहा है। सामाजिक होने से बच्चे खुद को खुलकर अभिव्यक्त कर पाते हैं, जिससे आस-पास के लोग भी उनसे हमेशा खुश रहते हैं।

नए लोगों से बातचीत

कई बच्चे माता-पिता या नजदीकी लोगों के अलावा किसी अन्य से ज्यादा खुलते नहीं हैं। ऐसे में वे अंतर्मुखी रह जाते हैं और बाहरी दुनिया से उनका जुड़ाव नहीं हो पाता। आज के समय में बच्चों को एक्टिव और इंटरेक्ट होना बेहद जरूरी है। इसलिए माता-पिता, बच्चों को बात करना सिखाएं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और अकेलापन दूर होगा। बच्चों को दूसरे लोगों के साथ खुलने के लिए दोस्त बनाना सिखाएं। इसके लिए उन्हें सांस्कृतिक, एथलेटिक, धार्मिक और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होने को प्रेरित करें।

शेयरिंग-केयरिंग

बच्चों का मन कोरा होता है और सरल भी, मगर कई बच्चों का स्वभाव शेयरिंग-केयरिंग का नहीं होता। ऐसे में माता-पिता उन्हें दोस्तों के बीच शेयरिंग- केयरिंग करना सिखाएं। बुरे वक़्त में दोस्तों की मदद करने से बच्चों में सहयोग, सद्भावना की भावना पनपेगी। बच्चों को दोस्ती की प्रेरक कहानियां सुनाएं।

सवाल करना

कई बच्चे जो सुनते हैं, चुपचाप उसे अंदर समा लेते हैं। लेकिन अगर वे सवाल नहीं करेंगे तो उनका विकास रुक जाएगा। इसलिए माता-पिता, बच्चों को सवाल करना सिखाएं। इससे उनके अंदर जिज्ञासा उत्पन्न होगी और वे नई चीजें जान पाएंगे, किसी भी प्रतियोगिता में भाग ले पाएंगे।

ताकत को पहचानें

हर बच्चे के अंदर एक खास गुण होता है। वही उसकी ताकत है। इसलिए बच्चों से जबरदस्ती कुछ भी न कराएं। उनकी प्रतिभा को समझकर, बच्चे की ताकत क्या है, उसे जानकर ही आगे बढ़ें। माता-पिता बच्चे के गुणों को पहचानें।

बच्चों के लिए रोल मॉडल

पहले खुद सोशल बनें। माता-पिता काम के अलावा भी वक्त निकालें, बच्चों के साथ बैठें और सोशल हों, ताकि बच्चे उन्हें देखकर ये सारे गुण सीख सकें।

बच्चों के सोशल न बन पाने के पीछे माता-पिता भी उतने ही जिम्मेदार होते हैं, जितने कि बच्चे, क्योंकि एकल परिवार में पेरेंट्स के पास ही बच्चों के लिए वक्त नहीं है, वे खुद बच्चों के साथ सोशल नहीं हैं।

दूसरी ओर, मोबाइल ने बच्चों को वर्चुअली तो सोशल बना दिया, लेकिन अपनों से दूर कर दिया। माता-पिता के लिए जरूरी है कि वे हफ्ते में एक दिन बच्चों के लिए निकालें, उन्हें बाहर की दुनिया से रूबरू कराएं। इससे उनके अंदर रिश्तों की समझ बढ़ेगी और वे सोशल बनेंगे।

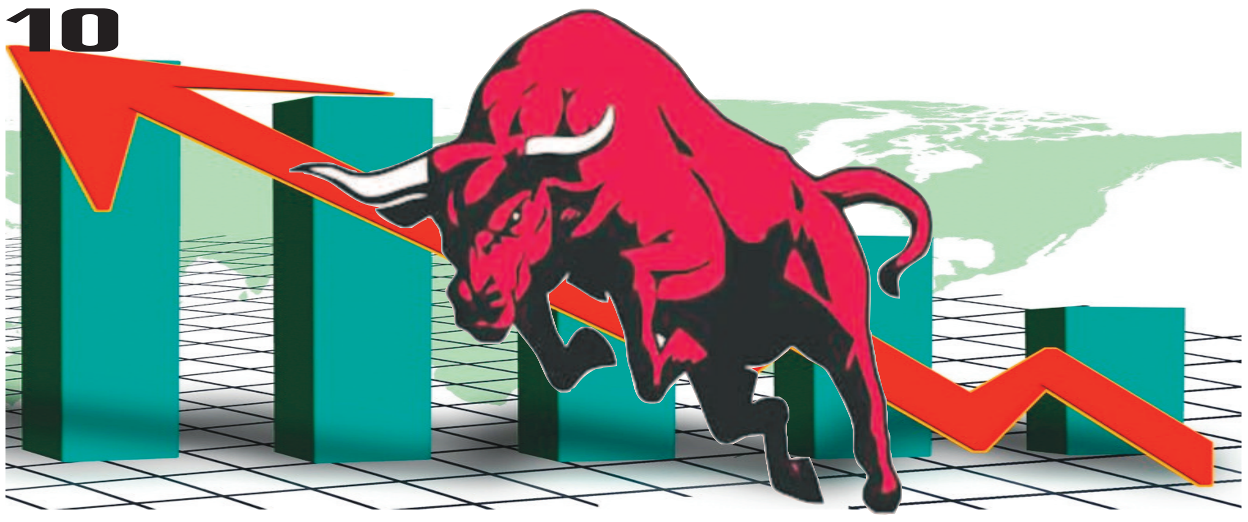

फिलहाल डीजल गाड़ियों पर 10% टैक्स नहीं बढ़ेगा

गडकरी ने कहा- ऐसा प्रस्ताव नहीं, लेकिन प्रदूषण कम नहीं हुआ तो विचार करेंगे

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।सरकार के पास डीजल गाड़ियों पर 10% एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सेंट्रल रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। दरअसल, केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के 63वें एनुअल कन्वेक्शन में कहा था कि डीजल से चलने वाली गाड़ियों और जनरेटरों का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल जारी रहता है, तो हर डीजल इंजन पर 'पॉल्युशन टैक्स' के रूप में एडिशनल 10% एडिशनल टैक्स बढ़ाने के लिए मैं वित्त मंत्री से बात करूंगा। इसके बाद मीडिया में डीजल गाड़ी पर 10% जीएसटी लगाने की खबरें चलने लगीं थी।

बयान पर नितिन गडकरी की सफाई

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपनी पोस्ट में कहा, 'मीडिया रिपोर्ट्स में डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त 10% जीएसटी लगाने की बात कही जा रही है, इस पर साफ कर देना चाहते हैं कि सरकार के सामने फिलहाल ऐसा कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 2070 तक कार्बन नेट जीरो हासिल करने और डीजल जैसे खतरनाक ईंधन के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ-साथ ऑटोमोबाइल बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं के मुताबिक, सक्रिय रूप से स्वच्छ और ग्रीन ऑप्शनल फ्यूल को अपनाना जरूरी है। ये फ्यूल इंपोर्ट के विकल्प, लागत प्रभावी, स्वदेशी और प्रदूषण मुक्त होने चाहिए।उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी में परिवर्तन लाने का यही एकमात्र तरीका है, नहीं तो लोग सुनने के 'मूड' में नहीं लगते हैं। गडकरी ने ऑटो इंडस्ट्री से डीजल वाहनों का प्रोडक्शन कम करने की बात कही। उन्होंने इंडस्ट्री से पेट्रोल और डीजल से ग्रीन फ्यूल की ओर बढ़ने की अपील की।

शिव नाडर से लेकर मुकेश अंबानी, ये हैं भारत के सबसे बड़े दानवीर बिजनेसमैन

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में बड़ी संख्या में अरबपति बिजनेसमैन रहते हैं। इसमें से कई ऐसे हैं तो परोपकारी कार्यों के लिए अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा दान में देते हैं। अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा रईस भारत में रहते हैं। इसमें से कई ऐसे लोग हैं जो अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा परोपकारी कार्यों में खर्च करते हैं। हम आपको ऐसे उद्योगपतियों के बारे में बता रहे हैं। इस लिस्ट में शिव नाडर का नाम सबसे पहले आता है। एचसीएल के फाउंडर भारत के सबसे बड़े दानवीर व्यक्ति हैं। बिजनेस टुडे खबर के मुताबिक वह वित्त वर्ष 2022 में शिव नाडर ने कुल 1,161 करोड़ रुपये का दान किया है।

सॉफ्टवेयर प्रमुख विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी देश के दूसरे सबसे बड़े दानवीर व्यक्ति हैं। फाइनेंशियल टाइम्स में छपी रिपोर्ट के अनुसार अजीम प्रेमजी ने एक साल में 484 करोड़ रुपये दान किए हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी एक साल में कुल 411 करोड़ रुपये दान किए हैं। आदित्य बिड़ला ग्रुप के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला ने साल 2022 में कुल 242 करोड़ रुपये का दान किया है।

गौतम अडानी अडानी फाउंडेशन के जरिए 60,000 करोड़ रुपये दान करने का ऐलान किया था। यह ऐलान गौतम अडानी अपने 60वें जन्मदिन पर किया था। वेदांता के अनिल अग्रवाल ने साल 2022 में अपनी कमाई का 27 फीसदी हिस्सा यानी 165 करोड़ रुपये दान किया है।

गोल्ड खरीदने वालों के लिए सस्ता हुआ सोना, चांदी भी पड़ी फीकी

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज या वायदा बाजार में 12 सितंबर यानी आज सोना और चांदी दोनों लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं. हालांकि शुरुआती दौर में गोल्ड मामूली बढ़त के साथ 58,995 रुपये प्रति 10 ग्राम के हिसाब से खुला. इसके बाद इसमें गिरावट आई और 12 बजे तक यह 0.11 फीसदी यानी 67 रुपये प्रति 10 ग्राम की कटौती के साथ 58,863 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गया. वहीं कल सोना 58,930 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी की चमक भी पड़ी फीकी?

सोने के अलावा चांदी की कीमत में भी आज कमी देखी जा रही है. शुरुआती दौर में आज चांदी हरे निशान पर कारोबार कर रही थी और यह 72,185 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी. इसके बाद चांदी की कीमत में कुछ गिरावट देखी गई है और 12 बजे तक यह 0.23 फीसदी यानी 166 रुपये की कटौती के साथ 71,776 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी. कल वायदा बाजार में चांदी 71,942 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

इंटरनेशनल में क्या है सोने-चांदी की कीमत?

घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमत में उथल-पुथल का दौर जारी है. इंटरनेशनल मार्केट में सोना आज बिना किसी बदलाव के 1,922.30 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है. वहीं यूएस गोल्ड फ्यूचर में सोने की कीमत में 0.1 फीसदी की कटौती हुई है और यह 1,946.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है. वहीं चांदी की कीमत में 0.4 फीसदी की कमी के बाद यह 23.16 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

प्रमुख शहरों में क्या सोने-चांदी का रेट-दिल्ली- 24 कैरेट सोना 59,990 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रही है. मुंबई- 24 कैरेट सोना 59,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रही है. कोलकाता- 24 कैरेट सोना 59,830 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 74,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रही है. चेन्नई- 24 कैरेट सोना 60,210 रुपये प्रति 10 ग्राम , चांदी 78,000 रुपये प्रति किलोग्राम मिल रहा है।

एक रिपोर्ट से एलन मस्क की टेस्ला को हुआ 6.6 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। 11 सितंबर भले ही अमेरिका के लिए काले दिन की तरह हो, लेकिन टेस्ला और एलन मस्क के लिए यह दिन यादगार बन गया है। जी हां, सोमवार को दुनिया की सबसे बड़ी ईवी कंपनी के शेयरों में 10 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। जिसकी वजह से कंपनी की मार्केट वैल्यू में 80 बिलियन डॉलर की वृद्धि देखने को मिली है। इसका मतलब है कि कंपनी का मार्केट कैप भारतीय रुपयों में 6.63 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है। इसी के साथ एलन मस्क की नेटवर्थ में में 9 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा होने का अनुमान है। जिसकी अभी तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। वास्तव में मॉर्गन स्टानले की रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मॉर्गन स्टानले ने टेस्ला को लेकर क्या कहा है।

मॉर्गेन स्टैनली ने ऐसा क्या कह दिया

मॉर्गेन स्टैनली के एनालिस्ट के मुताबिक टेस्ला का डोजो सुपरकंप्यूटर इलेक्ट्रिक वाहन मेकर की वैल्यूएशन में 500 बिलियन डॉलर का इजाफा कर सकता है। सिर्फ इतना कहना था कि कंपनी के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। अगर ऐसा होता है, तो कंपनी के मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर को पार करते हुए 1.20 ट्रिलियन डॉलर को पार कर सकता है। मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप 868 ट्रिलियन डॉलर है। जिसमें शुक्रवार के मुकाबले जबरदस्त तेजी देखने को मिली है।

कंपनी के शेयर में 10 फीसदी की तेजी

मॉर्गन स्टानले की रिपोर्ट के बाद ईवी मेकर टेस्ला के शेयरों में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार सोमवार को कंपनी का शेयर 10 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। जिसके बाद कंपनी का शेयर 273.58 डॉलर पर आकर बंद हुआ। जबकि शुक्रवार को कंपनी का शेयर 248.50 डॉलर पर था। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 274.85 डॉलर पर पहुंचा था। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कंपनी का शेयर 300 डॉलर के पार पहुंच सकता है।

कंपनी के मार्केट कैप में इजाफा

वहीं दूसरी ओर कंपनी के मार्केट कैप में भी जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के कंपनी के मार्केट कैपन में करीब 80 बिलियन डॉलर यानी 6.63 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिली है। शुक्रवार को कंपनी का मार्केट कैप 788.73 अरब डॉलर पर था जो सोमवार को मार्केट कैप 868.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। टेस्ला दुनिया की टॉप 5 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में और इजाफा देखने को मिल सकता है।

मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में गिरावट से शेयर बाजार में कोहराम

निफ्टी मिड कैप 1273 और स्मॉल कैप इंडेक्स 532 अंक गिरकर हुआ बंद

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में जारी एकतरफा तेजी पर मंगलवार के ट्रेडिंग सेशन में ब्रेक लग गया है. मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में गिरावट से बाजार में कोहराम मच गया. निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स 1300 अंकों या 3..13 फीसदी की गिरावट के साथ 40,147 अंकऔर स्मॉल कैप इंडेक्स 528 अंक या 4.07 फीसदी की गिरावट के साथ 12,453 अंकों पर बंद हुआ है. मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों ने बाजार के मूड को बिगाड़ दिया. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 94 अंकों की गिरावट के साथ 67,221 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 12 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 19,984 अंकों पर बंद हुआ है।

निवेशकों को 5.50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

शेयर बाजार में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में गिरावट की सुनामी के चलते शेयर बाजार के निवेशकों को एक दिन दिन में 5.50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 318.74 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जो पिछले ट्रेडिंग सेशन में 324.25 लाख करोड़ रुपये रहा था. आज के ट्रेडिंग सेशन में निवेशकों को 5.51 लाख करोड़ रुपये की चपत लगी है। आज के ट्रेड में मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स के अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस हेल्थकेयर बैंकिंग सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए. केवल आईटी और फार्मा स्टॉक्स में तेजी देखने को मिली है. निफ्टी के 50 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 31 गिरकर बंद हुए. सेंसेक्स सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 तेजी के साथ और 15 गिरकर क्लोज हुए।आज के ट्रेड में कोचिन शिपयार्ड 11.49 फीसदी, बीईएमएल 11.23 फीसदी, आलोक इंडस्ट्रीज 11.17 फीसदी, रेल विकास निगम 10.37 फीसदी, राइट्स 9.52 फीसदी, एनबीसीसी 9.21 फीसदी, इंजीनियर्स इंडिया 9.01 फीसदीइरकॉन इंटरनेशनल 5.86 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. जबकि टीसीएस 2.88 फीसदी, लार्सन 1.72 फीसदी, इंफोसिस 1.67 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।

एफसीआई ने खुले बाजार में बेचे 1.66 लाख टन गेहूं और 17000 टन चावल

महंगाई काबू में रखने की कवायद

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। खुदरा कीमतों को काबू में रखने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत पिछले हफ्ते केंद्रीय भंडार से 1.66 लाख टन गेहूं और 17,000 टन चावल बेचा है। खाद्य मंत्रालय ने कहा, छह सितंबर को आयोजित 11वीं ई-नीलामी में देशभर से 500 डिपो से कुल दो लाख टन गेहूं और 337 डिपो से 4.89 लाख टन चावल की पेशकश की गई थी। छोटे खुदरा विक्रेताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एफसीआई एक खरीदार को अधिकतम 100 टन गेहूं व 1,000 टन चावल दे रहा है। 10 सितंबर तक गेहूं का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 30 रुपये प्रति किलो पर स्थिर है।

दालों की बुवाई का रकबा 8.58% घटा

खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा आठ सितंबर तक 1,088.50 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक, इस अवधि तक चावल की बुवाई का रकबा सालाना आधार पर 2.69 फीसदी बढ़कर 403.41 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। हालांकि, दालों की बुवाई का रकबा 8.58 फीसदी घटकर 119.91 लाख हेक्टेयर रह गया।

जैव ईंधन गठबंधन से 2025 तक तेल आयात पर 45,000 करोड़ रुपये बचाएगा भारत

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जी-20 की अध्यक्षता के ठोस नतीजों के रूप में वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत करेगा।

सब्जियों की कीमतों में कमी के चलते खुदरा महंगाई दर में गिरावट

अगस्त में 6.83 फीसदी रही रिटेल इंफ्लेशन

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। खाने पीने की चीजों खासतौर से टमाटर की कीमतों में कमी के चलते अगस्त 2023 में खुदरा महंगाई दर के आंकड़ों में गिरावट आई है। अगस्त में खुदरा महंगाई दर घटकर 6.83 फीसदी रही है जो जुलाई में 15 महीने के हाई 7.44 फीसदी पर जा पहुंची थी। जून 2023 में खुदरा महंगाई दर 4.81 फीसदी रही थी। बीते वर्ष अगस्त 2022 में खुदरा महंगाई दर 7 फीसदी रही थी। अगस्त में भले ही खुदरा महंगाई दर में गिरावट आई हो लेकिन ये अभी भी आरबीआई के टोलरेंस बैंड के अपर लेवल 6 फीसदी से ऊपर बना हुआ है।

खाद्य महंगाई दर में गिरावट

सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 7.63 फीसदी से घटकर 7.02 फीसदी रही है जबकि शहरी इलाकों में महंगाई दर 7.20 फीसदी से घटकर 6.59 फीसदी पर आ गई है। वहीं अगस्त महीने में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर में जुलाई के मुकाबले गिरावट देखने को मिली है और ये 10 फीसदी के नीचे जा पहुंचा है। अगस्त में खाद्य महंगाई दर घटकर 9.94 फीसदी पर आ गई है जो जुलाई में 11.51 फीसदी रही थी।

खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों का हाल

अगस्त में सब्जियों की महंगाई दर घटकर 26.14 फीसदी पर आ गई जो जुलाई में 37.34 फीसदी रही थी। दालों की महंगाई दर में भी मामूली गिराटट आई है और ये घटकर 13.04 फीसदी पर आ गई है जो अगस्त में 13.27 फीसदी रही थी। मसालों की महंगाई दर में बढ़ोतरी आई है और ये बढ़कर 23.19 फीसदी पर जा पहुंची है जो जुलाई में 21.53 फीसदी थी। दूध और उससे जुड़े प्रोडक्टस की महंगाई दर 7.73 फीसदी रही है जो जुलाई 2023 में 8.34 फीसदी थी। यानि दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई में कमी आई है। अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 11.85 फीसदी रही है जो बीते महीने 13.04 फीसदी रही थी। ऑयल एंड फैट्स की महंगाई दर -15.28 फीसदी रही है जो जुलाई में - 16.80 फीसदी रही थी।

आरबीआई के टोलरेंस बैंड के ऊपर है महंगाई दर

अगस्त में भले ही खुदरा महंगाई दर 7 फीसदी के नीचे 6.83 फीसदी पर आ गया हो लेकिन ये अभी भी आरबीआई के टोलरेंस बैंड के ऊपर बना हुआ है।

महंगाई को लेकर आरबीआई ने 2 से 6 फीसदी का टोलरेंस बैंड फिक्स किया हुआ है।

उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 में एनएमडीसी का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी ने हाइबिज़ टीवी के एजुकेशन एंड बिजनेस एक्सीलेंस अवाड्र्स 2023 में 6 पुरस्कार जीते। बिजनेस एक्सीलेंस समारोह में लीडरशिप एक्सीलेंस, सस्टेनेबिलिटी चैंपियन और सर्वोत्तम खनिज विकास कंपनी अवार्ड जीतकर एनएमडीसी एक उद्योग चैंपियन के रूप में उभरा है। शिक्षा में उत्कृष्टता के क्षेत्र में, कंपनी के आस्था विद्यामंदिर ने परिवर्तनकारी शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का पुरस्कार जीता; सक्षम ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अभिनव स्कूल का पुरस्कार प्राप्त किया; और एनएमडीसी आवासीय विद्यालय को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ आवासीय विद्यालय का अवार्ड प्रदान किया गया। एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी को देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए लीडरशिप एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। अपनी टीम को नई उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, टीम एनएमडीसी ने दृढ संकल्प लिया है कंपनी ने अपने इतिहास में अब तक जितनी उपलब्धि हासिल की है उसके बराबर की उपलब्धि वह आगामी पांच वर्षों की अवधि में प्राप्त करेगा। हम भारत के लिए एक बेहतर भविष्य बना रहे हैं और बस्तर, छत्तीसगढ़ की दूर-दराज स्थित बस्तियों में ऐसे विद्यालयों की स्थापना करना हमारे लिए सम्मान की विषय है जो हमारे देश के भविष्य के सपनों को शक्ति प्रदान कर सकें।"कंपनी के निदेशक (तकनीकी) विनय कुमार ने एनएमडीसी की ओर से पुरस्कार प्राप्त किए और व्यावसायिक समुदाय की उपलब्धियों और योगदान को मान्यता प्रदान करने में मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, खनिज जवाबदेही और टिकाऊ खनन एनएमडीसी के जिम्मेदार खनन के केंद्र में हैं, और हमें प्रसन्नता है कि हमारे प्रयासों को मान्यता दी गई है और सराहना की गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-18 बजे
चंद्र-	सिंह में	कन्या..	06-24 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	08-29 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	10-38 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	12-54 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	14-59 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-50 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-27 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-04 बजे
		वृष--	21-48 बजे
		मिथुन..	23-50 बजे
		कर्क...	02-01 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- **शरद**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
सूर्योदय- 06-07
सूर्य अस्त- 18-16
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **04 -49** तक उपरान्त अमावस्या
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , बुधवार **13 September**
नक्षत्र - मघा - **02-00** -तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - सिद्ध - **02 - 07** - तक उप साध्य
करण- विष्टि - **15 -36** - तक उप- शकुनि
विशेष:- मास शिव रात्रि
व्रत -त्योहार - अघोरा चौदस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:12 से 13:44 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:07 - 07:37	शुभ	उत्पात	18:16 - 19:47	अशुभ
अमृत	07:37 - 09:08	शुभ	शुभ.	19:47 - 21:16	शुभ
काल.	09:08 - 10:40	अशुभ	अमृत	21:16 - 22:44	शुभ
शुभ.	10:40 - 12:12	शुभ	चंचल	22:44 - 00:12	शुभ
रोग	12:12 - 13:44	अशुभ	रोग	00:12 - 01:40	अशुभ
उत्पात	13:44 - 15:16	अशुभ	काल	01:40 - 03:09	अशुभ
चंचल	15:16 - 16:47	शुभ	लाभ	03:09 - 04:37	शुभ
लाभ	16:47 - 18:16	शुभ	उत्पात	04:37 - 06:07	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपने आपको धरती से जुड़े कार्यकलाप जैसे बागवानी और प्राक्रतिक दृश्यों के बीच सैर करने के लिए प्रेरित करें |आपको अपनी भावनात्मक जरूरतें पूरी करने के लिए अपने अन्दर गहरे झांकना होगा |बाहरी चीजों के ऊपर अपना ध्यान लगाकर फोकस करने की अपनी योग्यता को कम न करें | मानसिक शांति और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए योग की प्रैक्टिस करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं ।अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा - पुल्टा भी हो सकता है । आज गृहों की स्थिति आग से दुर्घटना की आशंका जता रही हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा । हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा । आप अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिकतर लापरवाह ही रहते हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी ।अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है । आज आपकी सेहत में कोई अप्रत्याशित बदलाव आ सकता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जियां

मोबाइल से मायके के इशारों पर नाचती बेटियां, सास को अलग और पति मुट्ठी में करने की सलाह

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मोबाइल और वॉट्सऐप ने जहां जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं रिश्तों में मुश्किलें भी खड़ी की हैं। वाट्सऐप और सोशल मीडिया की वजह से बिगड़े दांपत्य संबंधों के दिल्ली की फैमिली कोर्ट में आए चार मामलों पर नजर डालते हैं और ऐसे हालात से निपटने के तरीके भी जानते हैं।

मां से सास की बुराई- बूढ़ी औरत के साथ नहीं रह सकती

शादी को 15 दिन नहीं हुए कि सीमा (बदला हुआ नाम) कहने लगी, 'मुझे तलाक चाहिए। मैं इस बूढ़ी औरत के साथ नहीं रह सकती। इस घर में मेरा दम घुटता है।'

योगेश कुमार (बदला हुआ) को समझ में ही नहीं आया कि ऐसा क्या हुआ कि सीमा इस तरह रिएक्ट कर रही है। बाद में पता चला कि सीमा अपनी मां और बड़ी बहन से हमेशा वॉट्सऐप पर बतियाती रहती। उनके इशारों पर चलती।

सीमा की मां और दीदी मोबाइल फोन पर हमेशा कहतीं, 'पति को काबू में रखो, उसको दबाकर रखना, तभी परिवार में तुम्हारी चलेगी।' घर में हर मामूली बात पर होने वाली किच-किच का रोजाना ब्योरा मायके में देना सीमा की आदत में शुमार हो चुका था।

नतीजा यह हुआ कि ससुराल से पत्नी सीमा को मोबाइल फोन पर मिलने वाले रोज के 'ज्ञान' से तंग आकर एक दिन योगेश ने अपनी सास से कहा कि आप सीमा को क्यों बहका रहे हैं।

'बेटी को 6 महीने तक एंजॉय करने दो'

इस पर सीमा की मां ने कहा- '6 महीने तक मेरी बेटी को एंजॉय करने दो। आप लोग अपना काम खुद करो। समझ लो कि घर में कोई मेहमान आया हुआ है।'

सीमा की मां से बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। सीमा का बर्ताव बिगड़ता ही गया। योगेश अपनी पत्नी के दिनभर वॉट्सऐप वीडियो कॉलिंग से परेशान हो गया। उन्होंने तंग आकर हाल ही में दिल्ली के एक फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की है।

इस मामले को देख रहे दिल्ली के साकेत फैमिली कोर्ट के वकील पुनीत विनय कहते हैं कि शादी के टूटने के ज्यादातर मामलों में दोनों तरफ के घर के लोगों की भूमिका होती है। उनके पास आने वाले तलाक के 70-80 फीसदी मामलों में मोबाइल फोन के जरिए बेटी को ससुराल वालों के खिलाफ छोटी-छोटी बात पर भड़काने के आरोप रहते हैं।

असल में, पति-पत्नी खुद से ज्यादा अपने-अपने माता-पिता या भाई-बहन की बात सुनते हैं।

पुनीत कहते हैं कि भारत में तलाक की दर एक फीसदी है। लेकिन मोबाइल के चलते मैरिड होममेकर लड़कियां दिनभर ससुराल की बातें मायके वालों से शेयर करती हैं।

ससुराल वालों की हर खबर मायके वालों को देती हैं। सास ने क्या कहा, ननद क्या बोली। पति और मां के बीच की बातचीत भी मायके वालों को बताई जाती है। जो पति के ध्यान न देने, बहस और झगड़े की वजह बनती है।

पति की महिला मित्रों से आधी रात तक चैटिंग, रोकने पर जान देने की धमकी

दिल्ली की सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल शिवानी सिंह (बदला हुआ नाम) ने पति रविंद्र सिंह से तलाक के लिए पिछले दिनों फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की है।

वह पति की सोशल मीडिया की लत से परेशान थीं। आरोप है कि रविंद्र सोशल मीडिया में इतना डूबा रहता है कि उसे घर-परिवार तक का ख्याल नहीं रहता।

शिवानी का दावा है कि शादी के पहले दिन से हस-बैंड वर्चुअल वर्ल्ड में खोया रहता है। शिवानी ने कोर्ट में दायर पिटिशन में आरोप लगाया है कि वह देर रात तक पति के वॉट्सऐप पर अपने महिला दोस्तों से बेमतलब बातचीत से तंग आ चुकी हैं। अगर वह पति को चैटिंग से रोकती हैं वह भड़क उठता है। जान दे देने या नतीजे भुगतने की धमकी तक देता है।

तलाक के नए ट्रेंड्स से विशेषज्ञ हैरान

मैरिज काउंसलर तलाक के इन नए ट्रेंड को लेकर हैरान हैं। रिलेशनशिप काउंसलर प्रियंका श्रीवास्तव के अनुसार पहले फैमिली कोर्ट में दहेज, पारिवारिक विवाद और पैसे-जायदाद से जुड़े मामले देखने को मिलते थे।

लेकिन अभी जो तलाक के केस बढ़े हैं उनमें तलाक की बड़ी वजह मोबाइल या सोशल मीडिया का रोल देखने को मिलता है।

पति-पत्नी सोशल मीडिया से ज्यादा जुड़े हैं और वहीं ज्यादा वक्त बिताते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनकी आपसी बातचीत भी कम हुई है।

आपसी बातचीत में कमी एक ऐसी दूरी पैदा करती जो दांपत्य संबंधों के आपसी लगाव और

समझ को खत्म कर दी है और दंपती एक-दूसरे की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते, जिससे शादी का तालमेल बिगड़ने लगता है।

वॉट्सऐप मैसेज से खुली पति की पोल

मुंबई में 15 साल लिव-इन में रहने के बाद आरोष्मिता और संजय (बदले हुए नाम) ने शादी की थी। दोनों का बड़ा बिजनेस है। कई प्रॉपर्टीज में दोनों का नाम शामिल है।

कपल में कभी बहुत प्यार हुआ करता था। आजाद ख्याल आरोष्मिता ने पति को 'हेल्दी फ्लर्टिंग' की छूट दे रखी थी। लेकिन पति-पत्नी के लिए फ्लर्टिंग के मायने अलग-अलग रहे।

आरोष्मिता का मानना था कि किसी लड़की से हल्का-फुल्का मजाक, या अगर वो खूबसूरत लगी तो उसे ब्यूटीफुल बोलने में कोई हर्ज नहीं है।

कमाल की बात ये थी कि पति की हेल्दी फ्लर्टिंग से आरोष्मिता को कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन आरोष्मिता ने कभी दूसरे पुरुष के साथ फ्लर्ट नहीं किया।

मगर संजय के लिए इसके मायने अलग थे। उसका मानना था कि उसे फ्लर्टिंग की इजाजत है तो वह कुछ भी कर सकता है।

हालात यहां तक पहुंच गए कि संजय के एक-दो फीमेल फ्रेंड्स के साथ रिश्ते बने। वह उन्हें रेगुलर पैसे भेजने लगा।

रिलेशनशिप काउंसलर डॉ. माधवी सेठ ने बताया कि यह सब कुछ वॉट्सऐप मैसेज के जरिए हो रहा था। संजय की हरकतें कोरोना लॉकडाउन में सामने आई।

असल में, एक दिन रात को संजय के सोने के दौरान आरोष्मिता ने उसके मोबाइल पर सारे वॉट्सऐप मैसेज पढ़ लिए। स्थिति ये हो गई है- अब दोनों एक-दूसरे की शक्ल तक देखना नहीं चाहते। आज आरोष्मिता तलाक चाहती हैं।

पत्नी के वॉट्सऐप मैसेज पढ़कर परेशान हुआ पति

रवि ने कुछ दिन पहले अचानक अपनी वाइफ की अपने ऑफिस कलीग्स और दोस्तों के बीच हुई वॉट्सऐप चैट पढ़ी और हैरान रह गया। चैट में सभी ने रवि को बुरा-भला कहा था।

सब रवि और उनकी पत्नी की जिंदगी में खटास को हवा दे रहे थे। रवि कहते हैं- सभी मेरी बेरोजगारी को डिस्कस कर रहे थे जबकि वह अपनी बेटी को अच्छी परवरिश देने के लिए 10 साल पुरानी अच्छी-भली नौकरी छोड़कर दिल्ली शिफ्ट हुए थे।

नई नौकरी के लिए कई इंटरव्यू दिए। लेकिन अभी बात बन नहीं पा रही थी। रवि कहते हैं कि पत्नी मुझे जिंदगी में हारे हुए इंसान के बतौर देखती है और सोचती है कि वो मेरे साथ किस मजबूरी में रह रही है। पत्नी मेरे बारे में जो भी राय रखती है उससे मैं बहुत आहत महसूस कर रहा हूं। कई बार तलाक के भी ख्याल आ रहे हैं। लेकिन सवाल है किस आधार पर मैं यह बात कहूं। क्योंकि किसी का वॉट्सऐप मैसेज पढ़ना उसकी प्राइवेसी में दखल होगा। किसी का प्राइवेट चैट पढ़ना मेरी नैतिकता के खिलाफ है, लेकिन यह बात मुझे अंदर ही अंदर खा रही है।

रवि पत्नी की चैटिंग से परेशान थे और एक दिन तंग आकर वाइफ के वॉट्सऐप मैसेज पढ़ लिए।

ऊपर के मामलों में तीन बातें स्पष्ट हैं-

मैसेज का अधिक इस्तेमाल पति-पत्नी में संदेह पैदा कर रहा है।

मैसेजिंग ऐप रिश्ते में धोखाधड़ी का भी जरिया बन रहा है।

जरूरत से ज्यादा मैसेजिंग तलाक की तरफ ले जा रही।

सोशल मीडिया शादी के लिए बना खतरा

इस किस्म मामलों को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट की जज रहीं और अभी सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस हिमा कोहली भी चिंता जता चुकी हैं। एक सेमिनार में उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया के जमाने में प्राइवेसी नहीं बची है। सब अपनी पर्सनल लाइफ किसी न किसी से शेयर कर रहे हैं। इन हालात में शादी जैसी पवित्र संस्था के लिए एक खतरा खड़ा हुआ है।'

इटली में 40% डिवोर्स में वॉट्सऐप चीटिंग आई सामने

इटैलियन एसोसिएशन ऑफ मैट्रीमोनियल लॉयर्स के अध्यक्ष गियान एटोरे गसानी के मुताबिक, इटली में 40 फीसदी तलाक के मामलों में चोरी-छिपे वाट्सऐप मैसेज करने की भूमिका है।

ऑनलाइन डेटिंग एक्सपर्ट जूलिया स्पिरा का कहना है कि मैसेजिंग ऐप पर 'लास्ट सीन' का मसला अगर गंभीर हो जाए तो यह रिलेशनशिप में खतरे की घंटी है।

वह कहती हैं, 'अगर आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से अपने रिश्ते पर भरोसा नहीं है, तो यह रिलेशनशिप हेल्दी नहीं कहलाएगी।

आपको पार्टनर के 'लास्ट सीन' टाइमस्टैम्प को देखने के बजाय इसे खत्म करने के बारे में सोचना चाहिए।' असल में, वाट्सऐप एडिक्शन की वजह से रिश्तों में दरार आने लगी है।

व्यापारियों को सस्ती मिलेगी जमीन

सीएम भूपेश बघेल का ऐलान, नवा रायपुर में बनेंगे कॉमर्शियल हब के साथ एरोसिटी और शहीद स्मारक

रायपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नवा रायपुर अटलनगर के सेक्टर-35 में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें 'कॉमर्शियल हब', एरोसिटी और 'शहीद स्मारक' शामिल है। इस दौरान सीएम ने ऐलान किया कि यहां कॉमर्शियल हब में व्यवसायियों को 540 रु. स्क्वायर फीट में जमीन दी जाएगी। नवा रायपुर में सेक्टर-23, 24, 34, 35 और 40 में 1083 एकड़ में 'कॉमर्शियल हब' विकसित किया जा रहा है। इस हब का मकसद निवेश, बसाहट और कॉमर्शियल एक्टिविटी को बढ़ावा देना है। इसी के तहत कारोबारियों के लिए ऐलान किया गया है। इसी तरह नवा रायपुर के लेयर-3 में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के विकास और रोजगार बढ़ाने के लिए स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के पास ग्राम बरोदा और रमचण्डी के चिन्हांकित 216.63 एकड़ में 'एरोसिटी' विकसित की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है क्योंकि देश के सबसे बड़े थोक व्यवसायिक बाजार का शिलान्यास आज छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में हो रहा है,जिससे राज्य के लाखों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले भविष्य को देखते हुए ये भूमिपूजन, शिलान्यास और लोकार्पण किए जा रहे हैं। राज्य के लोगों की हमसे अपेक्षाएं थीं जिसे साकार करने के लिए हमने एक मजबूत कदम आगे बढ़ाया है।

चिटफंड कंपनियों से धन वापसी सुनिश्चित हो

45 दिन में बने उच्चस्तरीय कमिटी, हाईकोर्ट का निर्देश

रांची, 12 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड उच्च न्यायालय ने चिटफंड कंपनियों की ओर से धन की वापसी सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के लिए राज्य सरकार को 45 दिन की समयसीमा तय की है ताकि विभिन्न चिटफंड कंपनियों में लोगों द्वारा निवेश किए गए धन की वापसी सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति आनंद सेन की खंडपीठ ने गैर-बैंकिंग अभिरक्षा सुरक्षा समिति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को आदेश दिया कि वह अदालत की ओर से निर्धारित समय सीमा के भीतर एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की सूचना देते हुए एक अधिसूचना जारी करे।

अदालन ने कहा, समिति काम करेगी और ऐसे मामलों के लिए जिनकी सीबीआई द्वारा जांच की जा रही है योजना बनाना शुरू करेगी कि विभिन्न चिट-फंड कंपनियों की ओर से ठगे गए निवेशकों को धन की वापसी कैसे सुनिश्चित की जाए। अदालत इस मामले में आठ नवंबर को फिर से सुनवाई करेगी।

दंतेवाड़ा से शुरू हुई बीजेपी की परिवर्तन यात्रा

ओम माथुर ने किया रवाना, रमन, साव, चंदेल ने रथ से किया अभिवादन

रायपुर/जगदलपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने आज 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से भापजा की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान रथ पर प्रदेश के पूर्व सीएम रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल रथ पर सवार होकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान जमकर भारत माता के जयकारे लगे। लोक नर्तकों ने अपने नृत्य से रथ का स्वागत किया।

दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का जगदलपुर दौरा रद्द हो गया है। वो दंतेवाड़ा से शुरू हो रही बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाने वाले थे। बताया जाता है कि दक्षिण बस्तर समेत जगदलपुर में खराब मौसम की वजह से शाह का प्लेन अब तक दिल्ली से टेकआफ नहीं कर पाया है। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि

जगदलपुर में खराब मौसम की वजह से दिल्ली से शाह का प्लेन टेकऑफ नहीं कर सका है। ऐसे में ढाई बजे के बाद केंद्रीय मंत्री स्मति इरानी दंतेतवाड़ा पहुंच रही हैं। भाजपा की ओर से बताया गया है कि स्मृति ईरानी मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगी। जनसभा को संबोधित करेंगी। हालांकि वो अभी तक नहीं पहुंची है। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि वो जगदलपुर से या किसी अन्य जगह से रथ पर सवार होंगी। दूसरी ओर ये भी चर्चा है कि कहीं खराब मौसम के कारण उनका दौरा भी रद्द हो सकता है। परिवर्तन यात्रा शाम 4 बजे तोकापाल पहुंचेगी, जहाँ मण्डी प्रांगण में आमसभा का आयोजन रखा गया है। इसके बाद परिवर्तन यात्रा जगदलपुर प्रवेश करेगी और शाम 6 बजे स्थानीय सीरासार भवन के सामने आमसभा आयोजित होगी। दंतेवाड़ा से गीदम तक परिवर्तन यात्रा में बीजेपी नेता रथ में ही सफर करेंगे। रथ पूरी तरह से हाईटेक सुविधाओं से लैस है। रथ के साथ एलईडी स्क्रीन वाले प्रचार वाहन भी तैयार किए गए हैं। परिवर्तन यात्रा के दौरान बीजेपी कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी घुमाने का निर्णय लिया है। यानी कि 108 पेज का आरोप पत्र का सारांश पत्रक भी लोगों को बांटा जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। लोग अमित शाह को सुनने पहुंचे थे, लेकिन उनका दौरा स्थगित होने पर उन्हें मायूसी हाथ लगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में दो परिवर्तन यात्रा निकालेगी। भाजपा परिवर्तन यात्रा की शुरुआत 12 सितंबर को दंतेवाड़ा से करेगी। 16 सितंबर को जशपुरनगर से दूसरी परिवर्तन यात्रा निकलेगी।

12 सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहली परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे। वहीं दूसरी यात्रा की शुरुआत बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा दंतेवाड़ा से करेंगे।

अमित शाह का दौरा रद्द

खराब मौसम की वजह से प्लेन नहीं भर सका उड़ान, जगदलपुर पहुंची स्मृति ईरानी

रायपुर/जगदलपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का जगदलपुर दौरा रद्द हो गया है। वो दंतेवाड़ा से शुरू हो रही बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाने वाले थे। बताया जाता है कि दक्षिण बस्तर समेत जगदलपुर में खराब मौसम की वजह से शाह का प्लेन अब तक दिल्ली से टेकआफ नहीं कर पाया है। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने बताया कि जगदलपुर में खराब मौसम की वजह से दिल्ली से शाह का प्लेन टेकऑफ नहीं कर सका है। ऐसे में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी जगदलपुर पहुंच चुकी हैं। वो परिवर्तन यात्रा में शिरकत करेंगी।

दंतेवाड़ा से गीदम तक परिवर्तन यात्रा में बीजेपी नेता रथ में ही सफर करेंगे। रथ पूरी तरह से हाईटेक सुविधाओं से लैस है। रथ के साथ एलईडी स्क्रीन वाले प्रचार वाहन भी तैयार किए गए हैं। परिवर्तन यात्रा के दौरान बीजेपी कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी घुमाने का निर्णय लिया है। यानी कि 108 पेज का आरोप पत्र का सारांश पत्रक भी लोगों को बांटा जाएगा।

महिला ने वाहन 112 में जुड़वा बच्चों को दिया जन्म

बिलासपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के ग्राम गिरधौना कि प्रसूता ने 112 वाहन में आज जुड़वा बच्चों ने जन्म दिया। आरक्षक ओमकार राजपूत ने बताया कि 112 को सूचना मिली थी कि बिलासपुर जिला तखतपुर के ग्राम गिरधौना में अंजनी मरावी पति संतोष मरावी उम्र 28 वर्ष को प्रसव पीड़ा है। सूचना पर 112 का वाहन गिरधना पहुंचा तब महिला को काफी प्रसव पीड़ा हो रही थी जिसे लेकर तखतपुर स्वास्थ्य केंद्र की ओर आ रहे थे। तभी ग्राम मोछ पहुंचने तक के महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया था उसके बाद जब प्रशव पीड़ा नहीं रुक रही थी तब ग्राम मौछ सड़क किनारे वाहन को खड़ा किया गया। उसके बाद वहीं पर मितानीन रानी बाई सिंगरौल और उसकी महिला रिश्तेदार जेठानी पंच बाई की मदद से दूसरे शिशु ने भी जन्म दिया। 112 में पहली बार ऐसा हुआ है जब जुड़वा बच्चों ने जन्म लिया है। जब महिला को असहनीय वेदना होने लगी तब उन्होंने चालक मोहन साहू को वाहन तेज चलने के लिए कहा।

जागरण का संदेश देता है आहार संयम दिवस महापर्व पर्युषण : साध्वी मंगल प्रज्ञाजी

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकन्दराबाद स्थित राजा राजेश्वरी गार्डन के विशाल प्रांगण में तेरापंथ सभा, सिकन्दराबाद के आयोजकत्व में, साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के सान्निध्य में पर्युषण का प्रथम दिन मनाया गया। इस अवसर पर साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी ने हजारों की तादाद में उपस्थित जनमेदिनी को उद्‌बोधित करते हुए कहा कि हर सम्प्रदाय भाद्रव माह में उत्सव मनाता है। इस माह में अध्यात्म के विकिरण स्वतः स्फूर्त होता है। भगवान महावीर के समय एक दिन पर्युपासना का उल्लेख मिलता है। हम उन महापुरुष के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने इस पर्युषण महापर्व को आठ दिन मनाने का सुचिन्तन दिया। इतिहास में इन्द्र महोत्सव आठ दिनों तक मनाया जाता था। अष्ट मंगल, अष्ट सिद्धियां, अष्ट प्रवचन माला, सिद्धों के अष्ट गुणादि प्रसिद्ध रहे हैं। हमारी आत्मा भी आठ कर्मों के साथ- जुड़ी है। आठ कर्मों को खपाने का साधन पर्युषण पर्व संकेत रूप में हमारे समक्ष उपस्थित है। साध्वी श्री जी ने कहा- पर्युषण शब्द का अर्थ होता है - संसार के चारों तरफ से हटकर आत्मा में निवास करना। यह महापर्व जागरण का संदेश लेकर आया है। यह हिमालय से निश्रित सहज नदी की तरह है। पर्व धर्म की तुलना बरसाती, उफनती नदियों से की जाती है, इन दिनों अध्यात्मभाव जागता है। पर्व धर्म सहज धर्म में परिवर्तित हो यह प्रेरणा लेकर पर्युषण पर्व आया है। चातुर्मास का शिखर यह पर्व अध्यात्म की साधना में खुद को नियोजित करने की प्रेरणा दे रहा है। ख़ुद सुरक्षित रखने का उपाय और आत्मरमण की प्रक्रिया बताता है। पर्युषण का अर्थ है- अहं से अर्हम की ओर प्रस्थान हो, वासना से उपासना, प्रदर्शन से दर्शन की ओर प्रस्थान हो । आत्म-कलुषता, वैमनस्य को छोड़ दो हाथ जोड़ कर करोड़ों के दिल को जीतकर मैत्री की दिशा में यात्रा करे। साध्वीश्री जी ने आहार- संयम का संदर्भ में प्रेरणा प्रदान की। साध्वी श्री जी के महामंत्रोच्चार के पश्चात, लाडनूं, कालू, छोटी खाटू, फतेहपुर, हनुमानगढ़, रामगढ़ एवं लूणकरणसर के श्रावको द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। साध्वी चैतन्यप्रभा जी एवं सिद्धियशा जी ने महावीर एवं पर्युषण के संवाद की प्रस्तुति दी।

साध्वीवृंद 'जागो जागो चेतन आया पर्युषण' गीत का सामूहिक संगान कर परिषद को अभिभूत कर दिया। साध्वी चैतन्य प्रभा जी ने नए अंदाज में आहार संयम के टिप्स दिए। साध्वी वृन्द द्वारा- पर्युषण का अपनी टीम के साथ शुभागमन कार्यक्रम की प्रेरक प्रस्तुति की गई। तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष बाबुलाल बैद ने सम्पूर्ण परिषद का स्वागत किया। साध्वी राजुल प्रभा जी ने मंच संचालन किया। तेरापंथ सभा द्वारा पर्युषण साधना शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है।

बाबूलाल के राजनीतिक सलाहकार को खतरा, डीजीपी से मांगी सुरक्षा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मुख्य सचिव को लिख चुके हैं चार चिट्ठी, रांची एसएसपी बोले मामला संज्ञान में नहीं

रांची, 12 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के राजनीतिक सलाहकार सुनील तिवारी ने जान का खतरा बताते हुए मुख्य सचिव को ईमेल भेजा, सुरक्षा की गुहार लगाई। बाबूलाल मरांडी ने सुनील तिवारी के ईमेल पर भेजे गयी चिट्ठी को पुलिस महानिदेशक को फॉरवर्ड किया है। बाबूलाल मरांडी ने पुलिस महानिदेशक को 14 अगस्त 2023 को सुनील तिवारी की सुरक्षा के संबंध में मुख्य सचिव की भेजी गयी चिट्ठी भी ईमेल पर दी है। साथ ही आग्रह किया है कि इस दिशा में जल्द कार्रवाई करें। डीजीपी को लिखी इस चिट्ठी को अगर जोड़ दें, तो बाबूलाल मरांडी ने अब तक सुनील तिवारी की सुरक्षा को लेकर पांच चिट्ठी लिख चुके हैं । चार चिट्ठी मुख्य सचिव को संबोधित करते हुए लिखी है और एक ईमेल पुलिस महानिदेशक को भेजा है । बाबूलाल कहते हैं इन चिट्ठियों का कोई जवाब तक उन्हें नहीं मिला है। बाबूलाल मरांडी ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी में कहा है कि उनके पत्र का जवाब भी सरकारी अधिकारी नहीं देते हैं। सुनील तिवारी की सुरक्षा के संबंध में रांची एसएसपी चंदन सिन्हा ने कहा, अब तक इस संबंध में कोई चिट्ठी मेरे पास नहीं पहुंची है, मामला मेरी संज्ञान में नहीं है। इस संबंध में अब तक कोई आदेश पहले के एसएसपी ने दिया हो तो इसकी जानकारी लेनी होगी।

मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी में बाबूलाल मरांडी ने सुनील तिवारी की सुरक्षा की मांग करते हुए लिखा है कि इन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई है। इनकी जान को खतरा है। यह ना सिर्फ राज्य के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं बल्कि मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ महाराष्ट्र में चल रहे एक मामले में इन्होंने सीबीआई जांच की भी मांग की है। इस मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर रेप का आरोप लगा है। इस मामले में सुनील तिवारी पर केस वापस लेने का दबाव आता रहा है।

भारत में फंसे कनाडाई पीएम अब अपने ही देश की मीडिया में घिरे

विपक्षी बोले- ताजा हालात अपमानजनक

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचनाओं का सामना कर रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अब नई दिल्ली में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में नजरअंदाज किए जाने के बाद घरेलू स्तर पर भी तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को कनाडा के प्रमुख अखबार टोरंटो सन ने 'दिस वे आउट' शीर्षक के साथ पहले पन्ने पर वह तस्वीर प्रकाशित की है, जिसमें मोदी ने राजघाट पर पारंपरिक रूप से हाथ मिलाने के बाद ट्रूडो को आगे बढ़ने का इशारा किया था। अखबार ने कहा कि ट्रूडो को अहसास हुआ कि भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके कुछ ही दोस्त हैं।

ट्रूडो को वापस कनाडा ले जाने के लिए भारत पहुंच रहा विमान भी किया गया डायवर्ट

विमान खराब होने के बाद भारत में फंसे कनाडाई पीएम को वापस ले जाने के लिए आने वाला वैकल्पिक विमान भी डायवर्ट कर दिया गया है। सीबीसी न्यूज की खबर के अनुसार कनाडा से आ रहे ट्रूडो के वैकल्पिक विमान को भी लंदन डायवर्ट कर दिया गया जिससे उनकी स्वदेश वापसी में और देरी होने की आशंका बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली जाने के लिए रोम से होकर जा रहे विमान को लंदन की ओर मोड़ दिया गया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विमान मंगलवार सुबह लंदन से रवाना होगा। इसी अखबार की एक अन्य रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया था कि ट्रूडो एक रात पहले भारत की ओर से दिए गए रात्रिभोज में शामिल नहीं हुए थे और प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह बताने से इनकार कर दिया था कि ऐसा क्यों हुआ? इसमें कहा गया है कि ट्रूडो ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस के लॉन्चिग में भी शामिल नहीं हुए जो स्वच्छ, हरित ईंधन को रोल आउट करने पर प्रगति करने के लिए हुई एक साझेदारी है। समाचार रिपोर्ट में आगे कहा गया है, ट्रूडो ने कहा था कि उनके पास अन्य काम हैं। वहीं दूसरी ओर, लौटने के दौरान ट्रूडो का विमान भी उड़ान भरने में विफल रहा, जिससे कनाडाई प्रतिनिधिमंडल 24 घंटे से अधिक समय तक दिल्ली में फंसा रहा।

कनाडा के विपक्षी नेता ने भी जस्टिन ट्रूडो को घेरा

कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोइलीवरे ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर टोरंटो सन फ्रंट पेज पोस्ट किया और कहा, पक्षपात को एक तरफ रखते हुए, कोई भी यह देखना पसंद नहीं करता कि कनाडा के प्रधानमंत्री को बाकी दुनिया द्वारा बार-बार अपमानित किया जाए और रौंदा जाए। यह स्थिति अपमानजनक है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि कैसे ट्रूडो को उनके अनुरोध के बावजूद भारत की ओर से द्विपक्षीय बैठक करने की अनुमति नहीं दी गई थी और उन्होंने केवल भारतीय प्रधानमंत्री के साथ बातचीत का मौका मिला। रॉयटर्स और ब्लूमबर्ग जैसी विदेशी समाचार एजेंसियों ने बताया कि ट्रूडो को उनकी बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से अलोचनात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे कनाडाई समाचार पत्रों ने भी प्रकाशित किया। कनाडा के प्रधानमंत्री के भारत पहुंचने के बाद मोदी ने अन्य नेताओं की तरह कोई 'स्वागत नोट' भी पोस्ट नहीं किया। माना जा रहा है कि खालिस्तानी मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव के बाद ऐसा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रूडो के साथ अपनी बैठक में कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहा कि कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां जारी रहना 'कड़ी चिंता' का विषय है। कनाडा का कहना है कि वह भारतीय प्रवासियों द्वारा अपने क्षेत्र में 'शांतिपूर्ण प्रदर्शन' के अधिकार की रक्षा करेगा। कनाडा के प्रधानमंत्री ने बाद में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात के दौरान 'कनाडा के मामलों में भारत के हस्तक्षेप' का मुद्दा उठाया। भारतीय बयान में कहा गया है कि मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखने के बारे में भारत की गंभीर चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। भारत के बयान में कहा गया है, वे अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं, राजनयिक परिसरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और कनाडा में भारतीय समुदाय और उनके पूजा स्थलों को नुकसान पहुचाने की धमकी दी जा रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन को मिली इज्जत

'दामाद' ऋषि सुनक को भारत ने किया इग्नोर, भड़का ब्रिटिश मीडिया

लंदन, 12 सितंबर (एजेंसियां)। यूके के पीएम ऋषि सुनक भारत में आयोजित जी20 के बाद जब से देश लौटे हैं, मीडिया भारत पर भड़का हुआ है। ब्रिटिश मीडिया ने भारत पर सुनक को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। अखबार द गार्डियन ने अपने एक आर्टिकल में जमकर हमला बोला है। गार्डियन का कहना है कि शनिवार को जब ऋषि सुनक आखिरकार अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मिले, तो यह मुलाकात वैसी नहीं थी, जैसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने उम्मीद की थी। अखबार की मानें तो सुनक भले ही मुलाकात को गर्मजोशी भरा करार दें लेकिन सच्चाई यही है कि सुनक और उनके के साथ द्विपक्षीय वार्ता को वैसी अहमियत नहीं मिली जैसी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को दी गई थी। अखबार की मानें तो भारत और ब्रिटेन दुनिया की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों के नेताओं की एक दिन पहले नई दिल्ली में पीएम मोदी के आधिकारिक भव्य आवास पर मुलाकात होने वाली थी। लेकिन कूटनीति बहुत क्रूर हो सकती है। सुनक ने खुद को अगर पूरी तरह से उपेक्षित नहीं किया गया तो निश्चित रूप से उच्च पद से हटा हुआ मान लिया था। अखबार का कहना है कि एक शानदार फोटो सेशन के बजाय दोनों नेता कंक्रीट परिसर के एक ऐसे कॉन्फ्रेंस हॉल में मिले, जहां भारत जी20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा था। भारतीय पीएम के घर की 'अनमोल' बेशकीमती यात्रा का गौरव सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का दिया गया।

जो लोग अब तक यह तर्क देते हैं कि ब्रेग्जिट के बाद ब्रिटेन अब दुनिया के मंच पर और ज्यादा अकेला हो गया है, उनके लिए पीएम मोदी के साथ मीटिंग में देरी और जगह का बदला जाना एक शक्तिशाली उदाहरण है।

हालांकि, सुनक बैठक के बाद उत्साहित थे। उन्होंने विश्वास जताया है कि जल्द ही एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। यूके पीएम सुनक ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और मेरे बीच कई मुद्दों पर बहुत गर्मजोशी भरी और सार्थक चर्चा हुई। मुझे विश्वास है कि एक सौदा किया जाना तय है। गार्डियन ने लिखा है कि सुनक के कार्यक्रम में बदलाव ने अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की जटिल व्यवस्था और अस्थिर राजनीति को प्रतिबिंबित किया। साथ ही सुनक ने इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर ब्रिटेन की स्थिति को भी कमजोर कर दिया।

जब सड़कों पर बहने लगी 22 लाख लीटर वाइन

लोगों के घरों में भी घुसी, देखें कहां हुई ये अजीब घटना

लिस्बन, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पुर्तगाल के साओ लोरेनो डी बाइरो में एक अजीबोगरीब घटना देखने को मिली। दरअसल, रविवार को सड़को पर रेड वाइन की नदी बहने लगी, जिसे देखकर लोग स्तब्ध रह गए। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लाखो लीटर की रेड वाइन सड़को पर बह रही है। बहाव इतना तेज है कि कई घरों के बेसमेंट में भी रेड वाइन भर गया।

पुर्तगाल की सड़को पर बहने लगी रेड वाइन की नदी

रविवार को लाखों लीटर रेड वाइन पुर्तगाल की साओ लोरेनो डी बाइरो की सड़कों में बहने लगी। यह वाइन कस्बे की एक पहाड़ी से निकलकर सड़कों पर बहने लगी, जिसे देखकर सभी हैरान रह हए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, 22 लाख लीटर से अधिक वैरेल वाली एक टैंक के फटने की वजह से सड़कों में रेड वाइन की नहीं बहने लगी। इस बहाव ने परेशानी खड़ी कर दी थी, क्योंकि यह पास के एक नदी की तरफ तेजी से बढ़ने लगी थी। रेड वाइन का बहाव इतना अधिक था कि घरों के बेसमेंट में भी भर गया।

घटना की जानकारी पाकर दमकल विभाग मदद के लिए पहुंची

घटना की जानकारी पाकर दमकल विभाग शर्टिमा नदी के शराब की नदी में बदलने से पहले कार्रवाई शुरू कर दी। रेड वाइन के बहाव को पास के खेत की तरफ प्रवाहित किया गया। इस घटना के लिए लेविरा डिस्टिलरी ने मांफी मांगी है और क्षति और मरम्मत से जुड़ी लागतों की पूरी जिम्मेदारी ली है।

चलता-फिरता किला है उ. कोरिया के तानाशाह की खुफिया ट्रेन

भारी बख्तरबंद और धीमी गति से चलने वाली निजी ट्रेन में यात्रा की

प्योंगयांग, 12 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपनी बख्तरबंद ट्रेन से रूस पहुंच चुके हैं। कोरोना के बाद किम जोंग की यह पहली विदेश यात्रा है। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जोंग उन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से यूक्रेन जंग में हथियारों की सप्लाई और सैन्य सहयोग पर बात करेंगे।

तानाशाह उन जैसे ही रूस के लिए रवाना हुए तो उनकी बख्तरबंद ट्रेन की फोटो चर्चा में आ गई। दरअसल, उत्तर कोरियाई तानाशाह ने अपनी सजी हुई, भारी बख्तरबंद और धीमी गति से चलने वाली निजी ट्रेन में यात्रा की। इस दौरान उनके साथ अन्य राजनयिकों और सैन्य कमांडरों के अलावा अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

ट्रेन में क्या है खास

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किम के साथ ही अन्य उत्तर कोरियाई नेताओं ने धीमी गति से चलने वाली हरी और पीली ट्रेन पर 1,180 किमी (733 मील) की यात्रा में 20 घंटे बिताए। किम जोंग उन की यह खास ट्रेन इतनी भारी है कि यह 59 किमी/घंटा से अधिक नहीं चल सकती है। इसकी तुलना लंदन की हाई-स्पीड रेल और जापान की शिंकानसेन बुलेट ट्रेन से की जाती है, जो क्रमशः लगभग 200 किमी/घंटा और 320 किमी/घंटा की रफ्तार से चलती है।

दरअसल, बताया जाता है कि किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल और उनके दादा किम इल सुंग दोनों हवाई यात्रा से डरते थे। उनका यह डर उस समय बढ़ा था, जब उन्होंने एक हवाई यात्रा के दौरान अपने जेट में विस्फोट देखा था। इस घटना के बाद किम इल सुंग सन 1986 में सोवियत संघ चले गए। यह आखिरी बार था जब उत्तर कोरियाई नेता ने तीन दशकों से अधिक समय तक सार्वजनिक रूप से हवाई मार्ग से विदेश यात्रा की।

माना जाता है कि किम हवाई यात्रा से डरते हैं ऐसे में वे ज्यादातर यात्राएं ट्रेन से ही करते हैं। इस ट्रेन को 1949 में किम के दादा किम इल संग को स्टालिन ने गिफ्ट किया था। ये कई डिब्बों वाली इंटर-कनेक्टेड ट्रेन है। जब भी किम उत्तर कोरिया या चीन की यात्रा करते हैं तो उनका सारा लाव-लश्कर इसी ट्रेन में उनके साथ होता है।

रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन स्विट्जरलैंड में जब स्कूल में पढ़ रहे थे, तब वह हवाई यात्रा करते थे। हालांकि, साल 2011 में पदभार संभालने के बाद से उन्होंने कभी-कभार हवाई यात्रा करने का विकल्प रखा। उन्होंने साल 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सिंगापुर में मुलाकात करने के लिए हवाई यात्रा की थी। कई लोगों का मानना है कि उन ट्रेन से यात्रा इसलिए करते हैं क्योंकि वह अपने परिवार की परंपरा बरकरार रखना चाहते हैं।

इस ट्रेन में 90 डिब्बे हैं। वहीं, इसमें सवार लोगों की पहचान न हो सके इसके लिए काली खिड़कियां लगाई गई हैं। ट्रेन के सभी डिब्बे बुलेटप्रूफ हैं, जिसकी वजह से यह ट्रेन बहुत भारी हो जाती है। इसमें एक रेस्तरां भी है, जिसमें महंगी फ्रांस की वाइन मिलती है। इतना ही नहीं यात्री लाइव लॉबस्टर और पोर्क बारबेक्यू का आनंद ले सकते हैं।

सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जब वह गहरे हरे रंग की ट्रेन में चढ़े, तो सैन्य सम्मान गार्ड और गहरे रंग के सूट में लोगों की भीड़ फूल और झंडे लहरा रही थी। यह ट्रेन बख्तरबंद है। ऐसा माना जाता है कि किम की ट्रेन गहरे रंग की लकड़ी से बने प्रेस कॉन्फ्रेंस हॉल के साथ-साथ कई शयनकक्षों, सैटेलाइट फोन, फ्लैट स्क्रीन टीवी से सजी हुई है। जोंग उन की ट्रेन में आलीशान चमड़े के सोफे और कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 21 बुलेटप्रूफ गाड़ियां भी मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन की ट्रेन के अलावा दो और ट्रेनें साथ चलती हैं। इसमें से एक ट्रेन जो आगे चलती है वो यह सुनिश्चित करती है कि रेलवे ट्रैक सुरक्षित हैं और पीछे वाली ट्रेन अंगरक्षकों और सहायक कर्मियों को ले जाती है।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजा 50 हजार मीट्रिक टन अनाज और 200 टन दवाइयां

न्यूयॉर्क, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जानकारी देते हुए बताया कि भारत, अफगानिस्तान का पड़ोसी और विकास भागीदार है। दोनों देश करीबी ऐतिहासिक सभ्यताएं हैं। हम अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के समर्थक हैं और अफगानिस्तान में मानवाधिकार विकास संबंधी कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की 54वीं मानवाधिकार परिषद की बैठक भारत ने बताया कि हमने अफगानिस्तान में 50 हजार मीट्रिक टन अनाज, 28 टन आपदा राहत पैकेज, 200 टन दवाईयां, वैक्सीन और अन्य मेडिकल आइटम भिजवाएं हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यों में सहयोगी है, जिसके तहत अफगानिस्तान में 11 हजार यूनिट महिला स्वास्थ्य किट्स और कंबल भी अफगानिस्तान के महिला पुनर्वास केंद्रों को भेजे हैं। ऑफिस ऑफ द यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्युमन राइट्स पर चर्चा के दौरान ये जानकारी दी। संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान के लोगों को मदद भेजने के लिए भारत की मदद की थी।

तुर्किये की गुफा में फंसा रिसर्चर, 9 दिन बाद निकाला

6 देशों के 180 लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, 3400 फीट की गहराई से बचाया

अंकारा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्किये की गुफा में 3400 फीट की गहराई में फंसे एक रिसर्चर को 9 दिन के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इसके लिए 6 देशों के 180 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा। दरअसल, 40 साल का मार्क डिके नाम का एक रिसर्चर गुफा का मैप बनाने के लिए तुर्किये की तीसरी सबसे गहरी मोर्का केव में उतरा था। जहां वो 2 सितंबर को बीमार पड़ने की वजह से गुफा में ही फंस गया। इसके बाद से ही उसे निकलाने के लिए ऑपरेशन चलाना शुरू कर दिया गया। उसे सोमवार रात 9 बजकर 37 मिनट पर बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे हेलिकॉप्टर से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मार्क डिके के पेरेंट्स ने रेस्क्यू वर्कर्स का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा हमारा बेटा अब सुरक्षित है, इससे ज्यादा हमें कुछ नहीं चाहिए। वहीं गुफा से निकाले जाने के बाद मार्क ने कहा कि उन्हें वापस जमीन पर आने के बाद अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा- मुझे लगने लगा था कि मैं गुफा में ही मारा जाऊंगा। गुफा में पानी और कीचड़ की वजह से रेस्क्यू ऑपरेश काफी मुश्किल था। बचाव दल के लोग जैसे-जैसे नीचे उतर रहे थे अंधेरा बढ़ता जा रहा था वहीं, तापामान तेजी से घट रहा था। इससे उन्हें आगे बढ़ने में परेशानी हो रही थी।

रेस्क्यू वर्कर्स ने अमेरिकन रिसर्चर को बचाने के लिए गुफा को 6 सेक्शन में बांटा। सभी के पास अलग-अलग जिम्मेदारी थी। डॉक्टर को भी साथ ले जाया गया था, ताकि मार्क को डिके को तुरंत इलाज दिया जा सके। सबसे ऊपर तुर्किये की टीम थी, इसके बाद हंगरी, पोलैंड, इटली और सबसे नीचे बुलगेरिया की टीम थी।

हवा में भरा फाइटर प्लेन का फ्यूल

काहिरा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। मिस्र की राजधानी काहिरा में ब्राइट स्टार-23 अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। 27 अगस्त से 16 सितंबर तक चलने वाले अभ्यास में भारतीय वायुसेना पहली बार भाग ले रही है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, ग्रीस और कतर की वायुसेना टुकड़ियां भी मौजूद हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य शामिल देशों के मध्य सामंजस्य स्थापित करना और रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। साथ ही, सीमाओं पार संबंधों को अत्यधिक प्रगाढ़ करना भी है। भारतीय वायुसेना के दल में पांच मिग-29, दो आईएल-78, दो सी-130 और दो सी-17 विमान शामिल हैं। इसी के साथ ही गुरुड़ विशेष बल के कर्मियों के साथ स्क्वाड्रन के कर्मचारी भी अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय वायुसेना अपने हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाना जाता है। कुछ ऐसे ही कारनामें मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रहे ब्राइट स्टार-23 अभ्यास में भी देखने को मिले। अभ्यास के दौरान वायुसेना के हैरतअंगेज कारनामे सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।

तालिबान की आपसी गुटबाजी के कारण गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहा अफगानिस्तान

पूर्व आर्मी चीफ का दावा

काबुल, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के एक पूर्व कमांडर दावा किया है कि तालिबान के विभिन्न गुटों में बंटने से अफगानिस्तान एक बार फिर गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है। पूर्व अफगानी कमांडर के अनुसार अमेरिकी बलों के अचानक काबुल छोड़ने के दो साल बाद, अफगानिस्तान गृह युद्ध की ओर बढ़ रहा है। तालिबान अब गुटबाजी से भरा हुआ है, और देश तेजी से विदेशी आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन रहा है।

लेफ्टिनेंट जनरल हैबतुल्ला अलीजई ने कहा, मेरा मानना है कि अफगानिस्तान में स्थिति बहुत गंभीर और खतरनाक है और यह इससे भी अधिक खतरनाक दिशा में जा रही है, फिर से गृह युद्ध जैसे हालात बन सकते हैं, या अफगानिस्तान में विभाजन हो सकता है। आप देख रहे हैं कि पिछले दो वर्षों में अफगानिस्तान को आतंकवादियों द्वारा नियंत्रित किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल हैबतुल्ला अलीजई जो अगस्त 2021 में राजधानी काबुल के तालिबान के कब्जे में आने के समय अफगान सेना के चीफ ऑफ स्टाफ थे, ने पीटीआई से साक्षात्कार में ये बातें कही है।

अलीजई वर्तमान में अमेरिका में रहते हैं और उन्होंने हाल ही में देश के बाहर अफगानों को एकजुट करने के लिए एक पहल शुरू की है। अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति पर अपना गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए, पूर्व अफगान कमांडर ने तालिबान की दया पर अफगानिस्तान और उसके लोगों को अचानक छोड़ने के लिए बाइडन प्रशासन को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि तालिबान शासन के दौरान अफगानिस्तान में आतंकवादी संगठनों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अल-शबाब जैसे अफ्रीकी आतंकवादी समूहों ने भी अफगानिस्तान में अपने पैर जमा लिए हैं और उन्होंने वहां के आतंकवादियों को प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में तालिबान के शासन में वो सब कुछ हो रहा है, जो नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, यही स्थिति है। अल-कायदा सक्रिय है। दाइश अधिक से अधिक सक्रिय हो रहा है और विभिन्न हिस्सों में तालिबान शासन के खिलाफ बहुत सारे प्रतिरोध समूहों की घोषणा और स्थापना की जा रही है, जो निश्चित रूप से अफगानिस्तान को एक और गंभीर गृह युद्ध या संभावित विभाजन की ओर ले जाएगा। एक सवाल के जवाब में अलीजई ने कहा कि तालिबान के तहत अफगानिस्तान आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि बाइडन प्रशासन ने उस समय या खासकर खुद बाइडन ने बड़ी गलती की है। उनके पास अफगानिस्तान के बारे में अधिक जानकारी एकत्र करने और अफगानिस्तान की स्थिति में थोड़ा और गहराई से गोता लगाने का अवसर था। लेकिन यह फैसला इतनी जल्दी, इतनी जल्दी और यहां तक कि अफगानिस्तान में चल रही मौजूदा स्थिति के बारे में गहराई से सोचे बिना लिया गया। उन्होंने कहा, 'हालांकि, अफगानों और उनके प्रशासन, खुफिया संगठनों और सेना जैसे कुछ संगठनों ने भी उन्हें बताया कि ऐसी अराजकता वाली स्थिति बन सकती है। क्योंकि हम जमीन पर थे और हम सब कुछ करीब से देख रहे थे। दुर्भाग्य से, उन्होंने कभी किसी की नहीं सुनी, प्रशासन ने किसी की नहीं सुनी और स्थिति क्या है, अब आप देखते हैं कि चीजें कहां हैं? अलीजई ने चेतावनी देते हुए कहा, और अगर वे इसके बाद भी नहीं सुनते हैं, तो मैं आपको बता सकता हूं कि अफगानिस्तान 2001 के पहले से भी बदतर होने जा रहा है।

कौन हैं लेफ्टिनेंट जनरल हैबतुल्ला अलीजई?

हेलमंद प्रांत के मूल निवासी, अलीजई ने काबुल में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी और यूनाइटेड किंगडम के एडवांस्ड कमांड एंड स्टाफ कोर्स डिफेंस एकेडमी में ट्रेनिंग ली थी। पहले एक पुलिस अधिकारी के रूप में अफगानिस्तान की सेवा करते हुए, उन्होंने अंदरूनी खतरों के लिए आंतरिक जांच पर ध्यान केंद्रित किया और हिरासत में व्यक्तियों के लिए मानवीय प्रयासों का समर्थन किया। राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशालय में स्थानांतरित होने के बाद, उन्हें सराहनीय रूप से कर्नल के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्होंने संयुक्त विशेष संचालन समन्वय केंद्र के लिए संचालन निदेशक के रूप में कार्य किया। उनकी सफलता को देखते हुए इसके बाद, उन्हें सैन्य संचालन के महानिदेशक के रूप में रक्षा मंत्रालय में शामिल होने के लिए कहा गया, जहां उन्होंने उन संगठनों को समेकित किया जो पहले एक साइलो में संचालित होते थे। सफलता को सुव्यवस्थित करते हुए, उन्होंने अफगानिस्तान युद्ध के बीच तालिबान के उत्तरी आक्रमण को दबाने के लिए 209वीं उत्तरी सेना कोर और बाद में अफगान स्पेशल ऑपरेशंस कोर कमांडर के रूप में सेवा करते हुए कमान संभाली।

यूएस और ईरान करेंगे कैदियों की अदला-बदली

वॉशिंगटन, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान ने कैदियों की अदला-बदली करने की डील साइन की है। इसके मुताबिक, अमेरिका 5 ईरानी कैदियों को छोड़ेगा। इसके बदले में ईरान 5 अमेरिकी कैदियों को छोड़ेगा। इसके अलावा अमेरिका ने ईरान को फ्रीज किए गए 6 बिलियन डॉलर ट्रांसफर करने की भी छूट दे दी है। इस फंड ट्रांसफर पर अमेरिका के ईरान पर लगाए प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। इस छूट के तहत ईरान का साउथ कोरिया में फ्रीज किया गया फंड कतर सेंट्रल बैंक में भेजा जाएगा। ईरान इसका इस्तेमाल ह्यूमैनिटेरियन गुड्स खरीदने में कर सकेगा।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पिछले हफ्ते इस डील पर साइन किए। अमेरिकी कांग्रेस को सोमवार यानी 11 सितंबर तक इस फैसले के बारे में नहीं बताया गया। अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों ने एक महीने पहले ही एग्रीमेंट होने की बात कही थी। इस एग्रीमेंट को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक राष्ट्रपति जो बाइडेन की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान अमेरिका और मिडिल ईस्ट के उसके सहयोगियों के लिए खतरा बन रहा है। इस डील से ईरान की इकॉनोमी को फायदा होगा। इस डील के तहत छोड़े जाने वाले अमेरिकी कैदियों को ईरान ने जेल से निकालकर हाउस अरेस्ट कर दिया है। न्यूज एजेंसी एपी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इन्हें अगले हफ्ते रिलीज किया जा सकता है।

2020 राष्ट्रपति चुनाव में नतीजे पलटने की कोशिश से जुड़े केस में ट्रंप की मांग

वॉशिंगटन, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर लगे 2020 के चुनाव को नतीजों को पलटने की कोशिश से जुड़े एक मामले में नई मांग रख दी है। ट्रंप ने केस की सुनवाई कर रहीं जज को उनके मामले से पीछे हटने के लिए कहा है। ट्रंप के वकील ने अमेरिकी जिला न्यायालय की जज तान्या चुटकन के कुछ बयानों का हवाला देते हुए उन्हें ट्रंप के खिलाफ पूर्वाग्रहों से ग्रसित करार दिया है। ट्रंप के वकीलों का कहना है कि जज चुटकन ने छह जनवरी के अमेरिकी संसद भवन में हुई हिंसा के मामले में दो आरोपियों को सजा सुनाई तो यह साफ था कि उन्होंने ट्रंप के खिलाफ कुछ भी साबित होने से पहले ही उन्हें दोषी मान लिया है।

शेखावत बोले- संस्कृति पर हमला करने कई आए पर मिटा नहीं पाए

पूर्वजों ने शीशदान करके सनातन को बचाया

सिरोही, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के सिरोही पहुंचने पर आयोजित सभा में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। शेखावत ने कहा कि तुष्टिकरण का नंगा नाच प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किया। सनातन संस्कृति लाखों साल से चली आ रही है। गंगाजी की तरह निर्मल बह रही है, लेकिन अशोक गहलोत की पार्टी और इसके सहयोगियों ने सनातन पर चोट करने का पाप किया। सनातन संस्कृति पर हमला करने के लिए कई आक्रांता आए, उनसे नहीं मिटे तो इन नपुंसकों से मिटेंगे क्या? हमारे पूर्वजों ने शीशदान करके सनातन को बचाया था। उन्होंने जनता से पूछा, क्या आप इस सनातन विरोधी, भ्रष्ट, महिला विरोधी और दलित और युवा व विकास विरोधी सरकार को आप रहने दोगे? जनता ने एक स्वर में जवाब दिया- नहीं।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कहा कि गहलोत सरकार निःशुल्क मोबाइल बांट रही है, जबकि जनता को बिजली और युवाओं को रोजगार की जरूरत है। यह सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल हुई है। अब मोबाइल बांटकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता सब समझ चुकी है।

मंत्री शेखावत ने कहा कि सरकार ने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया, चाहे वह किसानों की कर्ज माफी हो या युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का काम हो। यह सरकार महिलाओं की सुरक्षा में भी फेल हुई है। अब महिलाओं को मोबाइल बांटकर बहकाया जा रहा है। जब जनता के पास मोबाइल है, तब उन्हें मोबाइल देने की क्या जरूरत? उन्होंने जनता से पूछा, आपको मोबाइल चाहिए या बिजली? मोबाइल चाहिए या रोजगार? जनता ने हाथ उठाकर उनकी बात का समर्थन किया।

शेखावत ने तंज कसा कि ऐसा मोबाइल किस काम का, जिसमें भगवान या अपने गुरुदेव की फोटो की जगह अशोक गहलोत की फोटो हो। हमें ऐसे मोबाइल की क्या जरूरत, जिसमें सुबह उठते ही भ्रष्टाचारी सरकार के मुखिया अशोक गहलोत का फोटो दिखे। एक ऐसी सरकार के मुखिया का मोबाइल चित्र लगा हुआ, जिसकी सरकार में राजस्थान में पांच साल में दो लाख महिलाओं के साथ अनाचार हुआ। ऐसे अयोग्य और निकम्मे मुख्यमंत्री की फोटो लगा हुआ मोबाइल अपनी जेब में रखोगे क्या? पुराने जमाने में तो ऐसा होता था कि एक कोई दुराचार हो जाता था तो उस राजा की शक्ल देखना भी बंद कर देते थे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जिसके राज में सात हजार निर्दोष लोग मरे हों, जिसके राज में राजस्थान में भ्रष्टाचार चरम पर हो, जिसके राज में पचास लाख किसानों के साथ अन्याय हुआ हो, जिसके राज में दो हजार किसानों ने आत्महत्या की हो, जिसके राज में 20 हजार किसानों की जमीन नीलाम हुई हो, जिसके राज में पचास लाख युवाओं का भविष्य अंधकार में हो गया हो, उसका फोटो सुबह-सुबह देखनी चाहिए क्या? ऐसे लोगों की फोटो घर में रखने पर पाप लगता है।

शेखावत ने केन्द्र में भाजपा सरकार के कार्यकाल और कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि देश में 55 साल तक एक ही परिवार का शासन रहा। केवल परिवार के हित और कुर्सी बचाने रखने के लिए नीतियों का निर्धारण किया। कांग्रेस सरकारों ने गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों की भावनाओं का शोषण किया। अमीर और गरीब की खाई बढ़ती चली गई। गरीबों की संख्या कम होने के बजाय बढ़ती गई। वर्ष 2004 से 2010 मनमोहन सिंह की सरकार थी। उस दौरान कुल 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। भ्रष्टाचार नंगा होकर सिर पर बैठकर नाच रहा था। उस समय आप सब ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली सरकार देश में बनाई। इसके बाद देश में परिवर्तन आ रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। गरीब के जीवन में परिवर्ततन आ रहा है। योजनाएं पहले भी बनती थीं, लेकिन उनमें काम कम और प्रचार ज्यादा होता था। प्रचार प्रसार पर ही करोड़ों खर्च होते थे। कांग्रेस सरकारें अभावों में काम करती थीं। पुराने लोग जानते हैं, पहले इंदिरा आवास बनते थे। संख्या बहुत कम होती थी। बड़ी मुश्किल से एक साल में चार-पांच आवास बन पाते थे। वह भी अपने चहेतों में बंट जाता था, लेकिन अब जो नीतियां बन रही हैं, उससे हर गरीब को आवास मिल रहा है। शौचालय बनाए जा रहे हैं। हर पंचायत तक बिजली है। बैंक खाते खुले हैं। योजनाओं को सफलता के साथ धरातल पर उतारा गया था। पहली बार गरीब को ये लगने लगा कि कोई सरकार हमारे लिए काम कर रही है। यह पहली बार हुआ है कि मोदी सरकार के दस साल के कालखंड में साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए।

शेखावत ने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं के सशक्तीकरण का काम किया। युवाओं को स्वरोजगारी बनाने के लिए मुद्रा लोन, स्टार्टअप पॉलिसी, स्वनिधि योजना, स्किल इंडिया प्रोग्राम और इस तरहकी अन्य योजनाओं पर काम किया है। जो देश आयात निर्भर था। वह अब निर्यात आधारित हो गया है। जो देश मोबाइल के मामले में चीन पर आश्रित था, वह आज विश्व का सबसे बड़ा मोबाइल निर्यातक देश बन गया है।

चंबल रिवर फ्रंट पर विवाद

प्रहलाद गुंजल बोले- निर्माण में सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के नियमों का हुआ उल्लंघन

कोटा, 12 सितंबर (एजेंसियां)। अब हमारी सरकार आएगी तब रिवर फ्रंट के सभी टेंडरों की जांच करवाई जाएगी और इसमें रिकवरी भी की जाएगी। साथ ही इसमें दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों की संपत्ति की भी जांच करवाई जाएगी।

शिक्षा नगरी कोटा में अपने उद्घाटन के लिए तैयार चंबल रिवर फ्रंट को भाजपा के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने अवैध बताकर यूडीएच मंत्री धारीवाल के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि चंबल रिवर फ्रंट में सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के आदेशों तक को अनदेखा कर दिया गया। और मनमानी से जनता के करोड़ों रुपए का दुरुपयोग कर पर्यटन की जो बात की जा रही है वह सरासर बेईमानी है। प्रहलाद गुंजल ने कोटा शहर में आयोजित पत्रकार वार्ता में ये खुलासा किया और इसके प्रमाण भी पेश किए।

कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने कहा कि शांति धारीवाल ने चुनावी साल में जनता की वाहवाही लूटने के लिए घड़ियाल सेंचुरी के बफर जोन में निर्माण कार्य करवा दिया। इस निर्माण की स्वीकृति किसी भी विभाग से नहीं ली गई है। गुंजल ने बताया कि भारत सरकार के वन एवम पर्यावरण मंत्रालय ने

राजस्थान के वन्य जीव विभाग को गत एक जुलाई को पत्र लिखा है। इसमे चंबल हेरिटेज रिवर फ्रंट के निर्माण को घोर गैर कानूनी बताया है। ऐसे में सीएम अशोक गहलोत को अपनी नैतिक जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए इसका उद्घाटन रोक कर इसकी पूरी जांच करवानी चाहिए।

50 फीसदी ज्यादा दर पर किए गए टेंडर

गुंजल ने कहा कि चंबल हेरिटेज रिवर फ्रंट में जनता के पैसों की बरबादी कर दी गई। रिवर फ्रंट में टेंडरों को 50 फीसदी ज्यादा दर पर किया गया है। कई टेंडर तो नॉन बीएसआर कर भ्रष्टाचार किया गया है। यहां निर्माण के कार्यों को 145 फीसदी ज्यादा दर पेपर दिया गया है। कोटा की जनता देखेगी चंबल रिवर फ्रंट सफेद हाथी बन सकता है। गुंजल ने कहा कि अब हमारी सरकार आएगी तब रिवर फ्रंट के सभी टेंडरों की जांच करवाई जाएगी और इसमें रिकवरी भी की जाएगी। साथ ही इसमें दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों की संपत्ति की भी जांच करवाई जाएगी।

सेवन वंडर पार्क का निर्माण भी गैरकानूनी

गुंजल ने कहा कि अजमेर के आना सागर लेक के पास सेवन वंडर पार्क का निर्माण करवाया गया, यह भी गैरकानूनी है। इसको तोड़ने के आदेश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दे दिए हैं। ऐसे में कोटा में भी इस तरह से जनता के 1500 करोड़ की बर्बादी कर दी गई। जिस तरह से आनासागर लेक को डिस्मेंटल करने के आदेश दिए हैं, ऐसे ही आदेश कोई भी व्यक्ति एनजीटी या सुप्रीम कोर्ट में इसके निर्माण को लेकर जाएगा तब यह आदेश हो जाएंगे। ऐसे में चंबल का हेरिटेज रिवर फ्रंट भी तोड़ा जा सकता है।

पूर्व विधायक गुंजल ने कहा कि 100 हेक्टेयर चौड़ाई की नदी है। इसका पूरा अधिकार जल संसाधन विभाग के पास था। इसके बावजूद यूआईटी ने यहां पर निर्माण करवा दिया। इसके लिए फॉरेस्ट की अनुमति ली गई है, इसमें जमीन नगर विकास न्यास के नाम ही नहीं थी, उस पर भी निर्माण करवा दिया गया है। जल संसाधन विभाग और वन्य जीव विभाग से स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। इसमें कई तरह के गड़बड़झाले और नियमों के उल्लंघन किए गए हैं।

खाचरियावास बोले-नोटों पर इंडिया की जगह भारत लिखने नोटबंदी करेंगे?

कहा- भगवान राम रोजी-रोटी और रोजगार की बात करते थे, बीजेपी राज में तीनों नहीं मिले

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री और कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के मेंबर प्रताप सिंह खाचरियावास ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर सियासी हमला बोला है। खाचरियावास ने इंडिया की जगह भारत नाम लिखने के लिए फिर से नोट बंदी करने की आशंका जताते हुए सवाल उठाए हैं। साथ ही राम को लेकर भी पलटवार किया।

खाचरियावास ने कहा- बीजेपी और केंद्र सरकार जनाधार खिसकता देख नाटक कर रहे हैं। बीजेपी की राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हवा नहीं बन पा रही है। बीजेपी वाले कभी वन नेशन वन इलेक्शन के नाम पर तो कभी इंडिया बनाम भारत के नाम पर नाटक कर रहे हैं। कह रहे हैं हम इंडिया को भारत करेंगे, भारत और इंडिया में क्या अंतर है? हर नोट पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ है। आपने 2 बार नोटबंदी कर दी, अब नोटों पर इंडिया की जगह भारत लिखने के लिए तीसरी बार नोटबंदी करेंगे? आप देश को मारोगे क्या? लोग पहले की नोटबंदी से ही नहीं उबरे हैं। आप भारत लिखने के लिए फिर नोट बंद करोगे।

खाचरियावास ने कहा- राम किसी का बुरा नहीं करते। भगवान राम रोटी रोजी और रोजगार की बात करते थे। राम कहते थे कि मेरे राज्य में कोई भूखा नहीं सोना चाहिए। आज देश में हर घंटे चार से ज्यादा नौजवान आत्महत्या कर रहे हैं। बीजेपी राज में तीनों ही मुद्दों पर काम नहीं हुआ, बीजेपी को इस पर जवाब देना चाहिए। बीजेपी सरकार ने 200 रुपए सिलेंडर के कम क्यों किए, क्योंकि वोटों का डर था। वोटों से डर कर आप सिलेंडर में 200 रुपए कम कर रहे हो, क्योंकि राजस्थान में 500 के सिलेंडर से आप डर गए। कांग्रेस की पॉलिसी और पॉपुलैरिटी से बीजेपी वाले डर गए। खाचरियावास ने कहा- राम मंदिर कोई बीजेपी का ऑफिस नहीं है। राम मंदिर कोई बीजेपी ने नहीं बनाया है। राम मंदिर का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने किया है। सबसे पहले अयोध्या के राम मंदिर के ताले प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने खुलवाए थे, तब वहां आरती शुरू हुई है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम है और पूरे ब्रह्मांड के मालिक हैं। आप एक धर्म में राम को बांट रहे हो जो भगवान पूरे ब्रह्मांड के मालिक होते हैं। राम मंदिर में कोई भी आएगा-जाएगा, पूजा का सबको अधिकार है। मैं तो रोज राम की पूजा करता हूं।

सनातन धर्म को मिटाने का बयान देने वाले तमिलनाडु सीएम के बेटे के बयान पर पलटवार करते हुए खाचरियावास ने कहा- सनातन धर्म भगवान के द्वारा प्रतिपादित धर्म है, सनातन धर्म ब्रह्मांड की भलाई की बात करता है। जो लोग सनातन धर्म को चुनौती दे रहे हैं, वे जान लें सनातन धर्म सब का सम्मान करता है, हर जीव जंतु के कल्याण की बात करता है। जो लोग ऐसी बातें कर रहे हैं मैं उन लोगों से कहूंगा इनकी इनकी मति मारी गई। आप कौन होते हैं किसी धर्म को गाली देने वाले। किसी नेता के मुंह से ऐसी बातें नहीं निकलनी चाहिए। वो कहते हैं न विनाश निकट आता है तो विवेक मर जाता है।

खाचरियावास ने कहा- बीजेपी कभी लाल, पीली, काली डायरी की बात करती है लेकिन अपने पापों का हिसाब नहीं देती। आजकल लोग बीजेपी की डायरी खोज रहे हैं। बीजेपी के 25 सांसदों की लोग शक्ल नहीं जानते।

सरकार ने हाईकोर्ट में पेश किया एक्शन प्लान

न्यायमित्र ने कहा-पिंकसिटी को कागजों में बना दिया दुबई, धरातल पर कुछ नहीं

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में कचरा, ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण सहित अन्य पब्लिक सुविधाओं को लेकर सरकार ने हाईकोर्ट में एक्शन प्लान पेश किया। इसमें सरकार ने इन सभी को लेकर किए जा रहे कामों की जानकारी दी। साथ ही आगे इस संबंध में किए जाने वाले काम का ब्योरा भी एक्शन प्लान के जरिए कोर्ट में रखा। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी। सरकार के एक्शन प्लान को लेकर मामले में न्यायमित्र विमल चौधरी ने कहा कि सरकार ने कागजों में पिंकसिटी को दुबई बना दिया है, लेकिन वास्तव में धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में अव्यवस्थाओं को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए सरकार से एक्शन प्लान पेश करने के लिए कहा था। इस पर सरकार ने एक्शन प्लान पेश करते हुए कहा कि हम शहर में कचरे के निस्तारण के लिए व्यापक स्तर पर काम कर रहे हैं। कचरा डिपो के कचरा निस्तारण के लिए ठेका दिया जा चुका है। कचरे से बिजली उत्पादन के लिए प्लांट की स्थापना का काम शुरू हो चुका है। गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर कैरिंग चार्ज वसूली जा रहा है। एक अप्रैल से 31 अप्रैल तक कैरिंग चार्ज के रूप में 30 लाख 84 हजार से अधिक राशि वसूली गई है। इसके साथ ही गंदगी व अन्य शिकायतों के लिए कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। रोड स्वीपर मशीन से सफाई की जा रही है। जबकि सफाईकर्मियों के जरिए सफाई करवाकर डोर टू डोर कचरा उठाया जा रहा है।

नाले को द्रव्यवती बनाकर पर्यटन स्थल बना दिया

अपने एक्शन प्लान में सरकार ने कहा कि हमने शहर के बीचों बीच से निकल रहे गंदे नाले को द्रव्यवती नदी में तब्दील कर पर्यटन स्थल बना दिया है। देहलावास एसटीपी पर 170 एमएलडी सीवरेज प्राप्त होने के कारण अतिरिक्त सीवरेज के लिए 90 एमएलडी क्षमता का अतिरिक्त सीवरेज प्लांट का निर्माण व मौजूदा का अपग्रेडेशन किया जा रहा है। ब्रहमपुरी व जयसिंहपुरा खोर में भी 2 अतिरिक्त प्लांट बनाए जा रहे हैं। सफाई कर्मियों को सीवरेज मेल हॉल में नहीं उतरने के आदेश दिए गए है और इनमें सुपर सकर मशीन से सफाई की जा रही है।

ट्रैफिक को लेकर देश में पहली बार किया गया प्रयोग

एक्शन प्लान में कहा गया कि देश में पहली बार जयपुर पुलिस की ट्रैफिक बाइक पर नाइट विजन लेजर स्पीड सिस्टम लगाया गया हैं। इससे नाइट में तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह ई चालान डिवाइस से चालान कर ई-कोर्ट के माध्यम से उनका ऑनलाइन निस्तारण किया जा रहा है। वाहन दुर्घटनाओं में कमी के लिए रिफ्लेक्टर नहीं तो वाहन नहीं अभियान चलाया जा रहा है।

शहर के 24 चौराहों को आदर्श चौराहा व 24 मार्गों को सुगम पथ के रूप में चयन कर यहां यातायात सुगम करने के लिए कार्रवाई की गई है। सड़क पर अवैध कट को बंद कर वहां रिफ्लेक्टिव जर्सी बैरिकेड्स लगाए गए हैं। यातायात शिकायत के लिए अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। अतिक्रमणों पर कार्रवाई कर उन्हें हटाया जा रहा है।

डोटासरा बोले-ज्योति मिर्धा किसी दबाव से बीजेपी में गई होंगी

मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा- ज्योति डूबते जहाज में सवार हो गईं

जयपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर से पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा के कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाने के बाद सियासी वार-पलटवार शुरू हो गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि ज्योति मिर्धा पिछले साढ़े चार साल से कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में नहीं देखी जा रही थीं। स्वाभाविक है कि उनका मन आज नहीं बदला है, उनका मन काफी दिनों से बदला हुआ था। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि पीहर पक्ष से कांग्रेस की रही है और ससुराल पक्ष से बीजेपी की रही है। हो सकता है उन पर किसी तरह का दबाव रहा होगा। वे बड़े उद्योगपति घराने से संबंध रखती हैं, तो कोई दबाव होगा या

उनका मन बदल गया होगा।

डोटासरा ने कहा- तीन साल से तो मैं अध्यक्ष हूं। कभी भी किसी कांग्रेस के कार्यक्रम में ज्योति मिर्धा नहीं आईं। उन्होंने बीजेपी जॉइन किया है, वह उनको मुबारक हो, हमें कोई तकलीफ नहीं है। हम नागौर जिले में भी मजूबत हैं और राजस्थान में भी मजबूत हैं।

कार्यकर्ताओं के घुटन महसूस करने के ज्योति मिर्धा के बयान पर डोटासरा ने कहा - तीन साल से मैं अध्यक्ष हूं, मुझे उन्होंने एक फोन भी कभी नहीं किया कि मेरी यह प्रॉब्लम है। जब मैं शिक्षा मंत्री था तो मंत्री के नाते भी कोई शिकायत मुझसे नहीं की। इसके बावजूद वे किस आधार पर कह रही हैं वह तो वही जानें। अब जो पार्टी से जाता है वह कुछ ना कुछ कमियां निकाल कर जाता है। सुभाष महरिया भी गए थे, दो-तीन महीने पहले पीसीसी मेंबर बने थे। मैंने उनसे पूछा था क्या आप कांग्रेस में है पीसीसी मेंबर बना दूं तो उन्होंने कहा था कांग्रेस अच्छी पार्टी है अच्छा काम कर रही है मुझे बना दीजिए।

सुजान गंगा नहर में शव मिलने से मचा हड़कंप

पांच दिन से लापता था युवक, जांच में जुटी पुलिस

भरतपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर शहर की जीवन दाहिनी सुजान गंगा नहर में युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक सात सितंबर से था। मथुरा गेट थाने में दर्ज है गुमशुदगी रिपोर्ट।

भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके में एक युवक का शव सुजान गंगा नहर में पड़ा हुआ मिला। युवक सात सितंबर से घर से लापता था। युवक के परिजनों ने मथुरा गेट थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत भी दी थी। इसके अलावा परिजनों ने गुमशुदगी के पर्चे भी छपवाए थे। युवक रसाला मोहल्ले के रहने वाला है।

परिजनों ने बताया कि पुष्कर उम्र 29 साल चौधरी अंडे वाले कि दुकान पर काम करता था। सात सितंबर को वह दुकान करीब पांच बजे बंद करके दुकान मालिक के घर गया, और उसे दुकान की चाबी देकर अपने घर चला गया। इसके बाद वह बाहर जाने की कहकर घर से निकल आया। उसके बाद से वह घर नहीं लौटा।

आज सुबह जब कुछ स्थानीय लोग मंशा देवी मंदिर के पास से निकले तो उन्होंने शव को सुजान गंगा नहर में पड़ा देखा, जिसके बाद उन्होंने कोतवाली थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। घटना की सूचना जैसे ही युवक के परिजनों को लगी तो वह भी मौके पर पहुंच गए और युवक के शव की शिनाख्त हो सकी।

एससी का आसाराम की जमानत याचिका की सुनवाई से इनकार

कहा- सजा के निलंबन के लिए हाईकोर्ट जाएं; अब तक 16 बार बेल पिटीशन खारिज

जोधपुर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पिछले 10 साल से जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद आसाराम की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (12 सितंबर) को आसाराम की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि सजा के निलंबन के लिए आसाराम हाईकोर्ट जा सकता है।

आसाराम लोअर कोर्ट से लेकर राजस्थान हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट में अब तक 16 बार जमानत के लिए प्रयास कर चुका है। उसे सिर्फ फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट प्रकरण में ही एक बार जमानत मिली है। उसमें भी वह जेल से बाहर नहीं आ सकता। राजस्थान और गुजरात हाई कोर्ट से जमानत लेने में असफल रहा आसाराम अब सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटा रहा है। कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट से फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट मामले में आसाराम को जमानत मिली। इसके बाद पॉक्सो एक्ट के मामले में भी जमानत लेने के लिए उसने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मंगलवार को सुप्रीम

कोर्ट ने सुनवाई से साफ इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- अगर ट्रायल कोर्ट द्वारा सजा के खिलाफ उनकी अपील पर शीघ्र सुनवाई नहीं की जाती है तो आसाराम सजा के निलंबन के लिए राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं।

जोधपुर के ही एससी-एसटी कोर्ट व पॉक्सो कोर्ट ने करीब 4 साल तक ट्रायल के बाद आसाराम को सजा सुनाई थी। आसाराम को 25 अप्रैल 2018 को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। उसके दो सेवादारों को भी दोषी मानकर सजा सुनाई गई थी। इसी की अपील जोधपुर हाई कोर्ट में विचाराधीन है। जोधपुर हाई कोर्ट से भी पहले आसाराम जमानत लेने का प्रयास कर चुका है, लेकिन हर बार खारिज हुई।

आसाराम ने 2017 में सुप्रीम कोर्ट में जोधपुर सेंट्रल जेल डिस्पेंसरी का एक फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पेश किया था। इसमें कई बीमारियों का हवाला दिया गया था और जमानत की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जब इस मेडिकल सर्टिफिकेट की जांच करवाई तो यह फर्जी निकला। इसके बाद एक अलग प्रकरण इस संबंध में शुरू हुआ। इसी साल अप्रैल में इस मामले में उसे जमानत दी गई। उसके बावजूद जेल से बाहर नहीं आ सका। आसाराम पर गुजरात में एक अन्य नाबालिग किशोरी ने पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में आसाराम गुजरात हाई कोर्ट से जमानत लेने के प्रयास कर चुका है। अक्टूबर 2022 में जमानत याचिका लगाई थी, लेकिन वह खारिज कर दी गई।

आसाराम ने 15-16 अगस्त 2013 के बीच जोधपुर के मनाई आश्रम में एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार किया था। 20 नवंबर को दिल्ली में इसकी जीरो नंबर की एफआईआर दर्ज हुई। 31 अगस्त 2013 को जोधपुर पुलिस की टीम उसे गिरफ्तार करने इंदौर (मध्य प्रदेश) पहुंची। 1 सितंबर 2013 को उसे लेकर टीम जोधपुर पहुंची। तब से वह जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद है।

सिलेंडर धमाके में उजड़ गई दुनिया:खाना बनाने के लिए लाते समय कार में फटे सिलेंडर से बिखरा परिवार

श्रीगंगानगर, 12 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में वास्तुदेव नगर में रहने वाले संकेत बंसल के परिवार को उन पर टूटने वाले दुखों का बिल्कुल अनुमान नहीं था। परिवार के लोग अब उस पल को कोस रहे हैं जब उन्होंने संकेत को सिलेंडर लाने के लिए भेजा। घर में गैस सिलेंडर नहीं था। जल्दी जरूरत थी, इसी को देखते हुए संकेत कार में सिलेंडर लेने के लिए निकला और बस कुछ मिनट बाद हुए हादसे ने सब कुछ तहस-नहस कर के रख दिया। गैस सिलेंडर लेने गया संकेत अब कभी लौटकर नहीं आएगा। अपने घर से दो गली दूर ही उसकी कार में ब्लास्ट हुआ और उसकी मौत हो गई। संकेत के पड़ोसियों ने बताया कि संकेत करीब छह माह पहले ही वास्तुदेव नगर में रहने के लिए परिवार सहित आए थे। परिवार में माता-पिता, पत्नी तथा एक साल का बेटा है। पत्नी और माता-पिता बेसुध स्थिति में हैं। कुछ मिनट के लिए होश आता है तो उस पल को कोसते हैं जब उन्होंने उसे सिलेंडर लाने भेजा था, फिर वापस से बेसुध हो जाते हैं। एक साल के बेटे को तो पता भी नहीं है कि अब उसके पिता का साया उस पर नहीं है। बार-बार बेसुध होती संकेत की पत्नी को मलाल है कि वह आखिरी बार पति का चेहरा भी नहीं देख पाई। हादसा इतना भयानक था कि संकेत का शरीर जल कर बिखर गया।

कार में जली हालत में शरीर के अवशेष मिले। घर से निकलते समय पत्नी को यह अनुमान नहीं था कि संकेत अब कभी लौट कर नहीं आएंगे। संकेत के ससुर श्रीगंगानगर के ही अग्रसेन नगर में रहने वाले हैं। शून्य को ताकते बस इतना ही कह पाए भगवान के आगे जोर नहीं चलता। अखबारों में सैकड़ों दर्दनाक घटनाएं पढ़ीं लेकिन जब खुद पर बीती तो सहन कर पाना मुश्किल हो गया है। संकेत की शादी करीब डेढ-दो साल पहले हुई थी। परिवार में खुशियों का माहौल था। सोचा था बेटी खुश रहेगी। मगर भगवान ऐसा दिन दिखाएगा यह कभी नहीं सोचा था।

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में 11 और 12 सितंबर को क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सिकंदराबाद मंडल, हैदराबाद मंडल, विजयवाडा मंडल, गुंतकल मंडल, नांदेड मंडलों और लालागुडा कारखाना की नाटक मंडलियों ने नाटकों का मंचन किया। इस प्रतियोगिता का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह 12 सितंबर, 2023 को संपन्न हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में इस रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन उपस्थित थे। इसकी अध्यक्षता मुख्य मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर जी.के.द्विवेदी ने की। महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक आयोजन करने पर राजभाषा संगठन को बधाई दी. उन्होंने नाटक प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले सभी कर्मचारियों की प्रशंसा की और कहा कि रेल कर्मचारी अपने सरकारी काम-काज के अलावा कला के क्षेत्र में भी अच्छी प्रतिभा रखते हैं। 'ग' क्षेत्र में होने के बावजूद इस रेलवे के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने-अपने नाटकों का मंचन किया।

अहिंदी भाषी क्षेत्रों के कलाकारों ने अपने संवाद हिंदी में बोलने का सफल प्रयास किया. इसके लिए उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई दी। इस कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने संबोधन में बताया कि भारतीय रेल पर इस रेलवे से ही सर्वप्रथम हिंदी नाटक प्रतियोगिता की शुरुआत हुई थी। इसके बाद अन्य रेलों ने भी अनुकरण किया था और रेलवे बोर्ड ने अखिल रेल स्तर पर नाटक प्रतियोगिता प्रारंभ की थी. हिंदी नाटक प्र राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

इसी श्रृंखला में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. उन्होंने बताया कि इस नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त नाटक अखिल रेल स्तर पर आयोजित होनेवाली नाटक प्रतियोगिता में इस रेलवे का प्रतिनिधित्व करेगा। इस प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित निर्णायकों जगमोहन राय मलहोत्रा, चंद्रकांत खानापुरकर ने इस प्रतियोगिता में नाटकों के मंचन तथा कलाकारों के प्रदर्शन पर अपनी-अपनी टिप्पणी दी। अखिल रेल स्तर पर नाटकों के उत्तम प्रदर्शन के लिए उन्होंने सुझाव दिए। क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजयवाडा मंडल द्वारा मंचित नाटक "सर्प नीति' को, द्वितीय स्थान सिकंदराबाद मंडल द्वारा मंचित नाटक "शुभ मुहूर्त' को तथा तृतीय स्थान हैदराबाद मंडल द्वारा मंचित नाटक "कल हो न हो' को प्राप्त हुआ. इनके अलावा नाटकों को प्रेरणा पुरस्कार भी प्रदान किए गए. रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित विभिन्न वर्ग, जैसे कि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता/अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता/अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट, सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, सर्वश्रेष्ठ रूप-सज्जा, सर्वश्रेष्ठ मंच-सज्जा, सर्वश्रेष्ठ वेश-भूषा, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश परिकल्पना आदि के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.श्याम सुंदर साहु ने इस कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए नाटकों का आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजभाषा अधिकारी/प्र.का. एम.के.नागराजु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समाजसेवी शोभा तिवारी नहीं रही

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आईपीएस अधिकारी व अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पं. श्रीराम तिवारी की पत्नी शोभा तिवारी (69) का आज हैदराबाद में निधन हो गया। वे अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (महिला प्रकोष्ठ) की मार्गदर्शक मंडल की सक्रिय सदस्य थी। उनका अंतिम संस्कार 13 सितंबर को जुबली हिल्स शमशानघाट में किया जाएगा। को प्रस्थान करेगी। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण, महासभा की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा ने शोभा तिवारी का निधन समाजसेवा के क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति है। वे संगठन के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में काफी सक्रिय थी। ईश्वर उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, महामंत्री राजनरायन सिंह, समाजसेवी श्यामोहन यादव, अजय कुमार सिंह आदि ने शोभा तिवारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पीस कमेटी नार्थ जोन का शुभारंभ

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीस कमेटी नार्थजोन की पहली बैठक मुख्य अतिथि नार्थजोन डीसीपी श्रीमती चन्दना दीप्ति की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें आने वाले त्योहार गणेश विसर्जन, मिलादुन नबी दोनों त्योहारों के बारे में चर्चा हुई। इसमें डीसीपी ने विनायक चतुर्थी से पंडाल एवं विसर्जन के बारे में समझाया।

सभा में आयोजन सचिव किशन शर्मा ने अपने लगभग 30 सालों का अनुभव साझा किया। अतिथि सन्ट्रेल जोन शशिकांत अग्रवाल द्वारा भी सभी का मागदर्शन किया गया। नार्थ जोन पीस कमेटी के पहले अध्यक्ष उमेन्दर, वर्किंग अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, बरकला गिलानी, उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, जुगल किशोर शर्मा, नाईम, जनरल सेक्रेटरी, विनित, ज्वाइंट सेक्रेटरी एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में चारों जोन के एसीपी एवं नार्थजोन एसएचओ, पी.एस. की उपस्थिति में सभा सम्पन्न हुई।

बालवीर हनुमान मंदिर में भव्य शिव पूजा व रुद्राभिषेक आयोजित

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्टेशन स्थित बालवीर हनुमान मंदिर में पूज्य महामंडलेश्वर प्रभु दासजी के सान्निध्य में भव्य शिव पूजा व रुद्राभिषेक आयोजित किया गया। यह शिव पूजा, पंचगव्य से रूद्राभिषेक का कार्यकर्म रात 9.30 तक चला। इस अवसर पर आचार्य प्रमोद कृष्ण शास्त्रीजी ने सर्वप्रथान पूज्य प्रभुदास जी के हाथो 15 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाले शिव महापुराण आयोजन हेतु संकल्प लेकर शिव पूजा और रूद्राभिषेक का अनुष्ठान प्रारम्भ किया। प्रभुदास जी महाराज ने सभी उपस्थित भक्तो को बताया कि देवभूमि उत्तराखंड के भद्रकाली पा शिव मंदिर शक्ति पीठ के उपासक पूज्य आचार्य सतीश चंद्र लोहनी के मुखारविंद से 9 दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन आगमी शारदीय नवरात्रि की प्रतिपदा से महानवामी तक इस बालवीर हनुमान मंदिर के परागण में होगा।

इस अवसर पर सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने सपत्नीक रूद्राभिषेक में भाग लिया। साथ ही विशेष रूप से पधारे भाग्यनगर के प्रमुख समाज सेवी गोपाल बल्दवा, लव फॉर काऊ के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, गौभक्त शांतिलाल जैन, एकम सनातन पार्टी के तेलांगना महामंत्री नरेंद्र कुमार चतुर्वेदी आदि ने सपरिवार रूद्राभिषेक में भाग लिया और भोलेनाथ शिव की और बालवीर हनुमान जी की सामूहिक आरती की।

रेलवे ओवर ब्रिज का काम तुरंत शुरू किया जाएं : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने रेलवे अधिकारियों से शहर में परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए किए गए रेलवे ओवर ब्रिज कार्यों को तुरंत शुरू करने को कहा है। आयुक्त ने कहा कि याकूतपुरा में फलकनुमा, शास्त्रीपुरम आरओबी और आरयूबी रेलवे से संबंधित कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है और यातायात बाधित रहेगा। रेलवे अधिकारियों ने इस संबंध में रेलवे के उच्च अधिकारियों से बात कर उचित कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में रेलवे अधिकारियों से भी बात करेंगे। इस मौके पर कमिश्नर ने फलकनुमा, शास्त्रीपुरम आर.ओ.बी., मस्जिद किरनम से मुसी नदी तक, माजिद अली माजिद से डुड बाउली होते हुए हुसैन आलम तक टीपू सुल्तान वजीर अली माजिद से पुराना तक हवेली गेट तक एमएलसी मोहम्मद अहमद के साथ सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। कमिश्नर के साथ प्रोजेक्ट सीई देवानंद, एससी रविंदर राजू, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नायक, पार्षद सैयद सोहेल कादरी, मोहम्मद वसीउद्दीन, एसआरडीपी प्रोजेक्ट इंजीनियर व अन्य मौजूद थे।

मंत्री तलसानी से गोशामहल विस के विकास कार्यों को लेकर चर्चा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से गोशामहल विस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया और संबंधित अधिकारियों को काम पूरा करने का आदेश दिया। हाल ही में उन्होंने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव की मदद से सुबनपुरा में बस्ती दवाखाना, अघापुरा नमाज मैदान, कच्ची मोरी, यूसुफ बाबा और भरदारी में सीवेज लाइनों की मरम्मत करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार आने के बाद ही अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता दी गई। कई कल्याणकारी योजनाएं प्रदान की गईं। उन्होंने एक ऐसी सरकार के रूप में बीआरएस की भी प्रशंसा की जो देश में कहीं और की तरह मुफ्त में डबल बेडरूम घर आवंटित करने के अलावा कई कल्याणकारी योजनाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में गोशामहल में बीआरएस का झंडा लहराएगा। इस अवसर पर गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद सलीम, यूसुफ पटेल, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद मजीद, सईद असद, मोहम्मद आमिर और अन्य ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की 5147वीं महाराजा श्री अग्रसेन जयंती के संदर्भ में समाज के उपाध्यक्ष एवं जयंती के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने जयंती के संदर्भ में सभा का आयोजन किया, जिसमें उपस्थित समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सयुक्त मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार जालान, कमल अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, आशीष दोचनिया, संजय गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, अपेक्षा अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, अचल गुप्ता, केपी अग्रवाल, ईश्वर बंसल, प्यारेलाल गुप्ता आदि उपस्थित थे।

जन सेवा संघ कुलसुमपुरा की सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जयसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सभा में तय किया गया कि 17 सितम्बर को विश्वकर्मा पूजा के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम, फ्री मेडिकल कैम्प, वोटर आईडी रजिस्ट्रीयेशन कैम्प का आयोजन किया जायेगा और लोगों को अत्यधिक संख्या में एकत्रित करके जन सेवा संघ जो लोगों के साथ हो रहे अत्याचार, अराजकता, शोषण, कुशासन महंगाई, भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ लड़ती है, उसकी आवाज़ को ज़्यादा से ज़्यादा मज़बूत करने के लिये आग़ाज़ किया जायेगा। सभा में जन सेवा संघ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह, महासचिव सुधीर जयसवाल, कोषाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा, कुलसुम्पुरा अध्यक्ष शंभु शर्मा, उदय शर्मा, महेश दास, नवीन शर्मा, नंद लाल यादव, मनीष शर्मा, रूपेश शर्मा, राजू शर्मा, राबिंदर शर्मा, नवल शर्मा, सुधीर शर्मा, जगन्नाथ शर्मा, गोविंद शाह, दिनेश शर्मा, राम शर्मा, विलाशि साह, अजय सिंह, रामयश शर्मा, भोला पासवान, संतोष शर्मा, सुबोध शर्मा, साहिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज, बोइनपल्ली शाखा ने सावन की सैर मनाई

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, बोइनपल्ली शाखा ने सावन की सैर के लिए औरंगाबाद का दौरा किया।

जिसमें सभी सदस्यों ने घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन, एलोरा गुफाएं, कैलासा मंदिर, भद्र मारुति मंदिर, शक्ति धाम के दर्शन किए। बोइनपल्ली शाखा के सुमित बंसल (के.एस. सदस्य) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस यात्रा में 145 सदस्यों ने भाग लिया। यह यात्रा 9 सितंबर की शाम को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू हुई जिसे मनीष अग्रवाल और पुरषोत्तम अग्रवाल (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सभी यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था श्री अग्रसेन भवन औरंगाबाद में की गई थी। जहां सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन, हाय टी और डिनर के साथ-साथ मीटिंग भी हुई। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रदीप जयसवाल को बुलाया गया था। अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल एवं सचिव अजय तुलस्यान ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। श्री अग्रसेन भवन के अन्य अतिथियों में सुशील भरूका के साथ सदस्य श्री कुंज बिहारी (अध्यक्ष), मनीष अग्रवाल (सचिव), कैलाश मोहन अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) शामिल हुए। शक्तिधाम से डॉ. अशोक झुंझुनूवाला (ट्रस्टी), सुशील भरुका (ट्रस्टी) और दिलीप अग्रवाल (ट्रस्टी) ने हाई-टी और दर्शन एवं आरती का आयोजन किया।

प्रजापति समाज कांटेदान का बीज महोत्सव 17 को

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांटेदान स्थित प्रजापति समाज श्री श्रीयादे माता मंदिर में समाज बन्धुओं के सान्निध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर दो दिवसीय बीज महोत्सव कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 16 सितम्बर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज रविवार 17 सितम्बर प्रात: वेला मे पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जायेगा। अध्यक्ष तेजाराम बेतेड़िया ने बताया कि शनिवार 16 सितम्बर प्रात: वेला में श्री श्रीयादेमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रंगारकर रात्रि 9 बजे से जागरण एवं बोलियों का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें विक्रम प्रजापति एंड पार्टी माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

रविवार 17 सितम्बर प्रात: 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर पुजा-अर्चना, स्वागत समारोह, समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना, पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन- प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में 11.30 बजे से रहेगी। पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष रमेशकुमार झुंझनोदिया द्वारा आय व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान एवं अपने विचार व्यक्त करना, सचिव धर्मीचन्द बाबरिया द्वारा समाज मे किये गये विकासशील कार्यो का विवरण, चेयरमैन पप्पुलाल रांवरिया द्वारा सम्बोधन भाषण व धन्यवाद प्रस्ताव, महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न होगा। बीज महोत्सव कार्यक्रम में पदाधिकारी व कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य पधारे भक्तों की सेवार्थ उपस्थित रहेंगे।

निर्मल जिले के भैंसा के एंपीडिओ कार्यालय में गणेश व ईद उत्सव पर पीस मीटिंग आयोजित की गई। इसमें भाग लेते हुए कलेक्टर वरुण रेड्डी, एसपी प्रवीण कुमार, नगर निगम वाइस चेयरमैन जाबिर अहमद, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष विलास गड़ेवार व अन्य।

हिन्दी महाविद्यालय सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान के रूप में पुरस्कृत

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईसीसी नोवोटेल, हैदराबाद में हिन्दी महाविद्यालय संस्था को हाईबिज़-टीवी एजुकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड 2023 द्वारा हिन्दी महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ संस्थान : एक्सीलेंस पुरस्कार से नवाज़ा गया तथा संस्थाध्यक्ष सी.ए. लक्ष्मीनिवास शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिन्दी महाविद्यालय एक सर्वोच्च, बेहतरीन तथा अतुलनीय संस्था है। नगरद्वय में हिन्दी माध्यम की यह एकमात्र ऐसी संस्था है, जिसमें शुरुआत में अपने इंटर, डिग्री तथा पीजी पाठ्यक्रमों को हिन्दी माध्यम से चलाया। उसके पश्चात् अंग्रेजी माध्यम से भी यहाँ यह सभी कोर्स चलाए जा रहे हैं। संस्था अपने गौरवशाली 62 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। संस्था के चेयरमैन एमिरेट्स सुरेंद्र लूणिया तथा कमलनारायण अग्रवाल, अध्यक्ष सी.ए. लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी शील कुमार जैन, कार्यदर्शी सुरेशचंद्र लाहोटी तथा कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा पदों पर सुशोभित हैं।

अभा ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा 10 दिसंबर से, हुई बैठक

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आम सभा 10 एवं 11 दिसंबर को अयोध्या में होना निश्चित हुआ। इस संदर्भ में तेलंगाना क्षेत्र की कार्यकारिणी की बैठक कल मानसी गंगा, फीलखाना के क्षेत्रीय कार्यलय पर हुई। बैठक में तेलंगाना क्षेत्र के अध्यक्ष परमेश्वर दयाल शर्मा, महामंत्री महेश अवस्थी, महिला अध्यक्ष किरण व्यास, हैदराबाद जिला अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद तिवारी, जिला संघटन मंत्री गीरश शर्मा, जिला मंगाणी विद्यादेव एवं संगीता पाण्डीया ने राष्ट्रीय कार्यकारणी सभा की रूपरेखा तय करते तो सभा में सम्मिलित होने वालों की सूची प्रस्तुत की। सभा में श्रीलाल पारीक, निरंजन जोशी, रामनिवास जोशी, नरेन्द्र चर्तुवेदी, रवीन्द्र उपध्याय, राकेश शर्मा, राजकुमार ओझा, हेमलता शर्मा, उषा उपाध्याय, शीला शर्मा, दुर्गा ओझा, आराधना शर्मा, अल्का व्यास, पूनम जोशी आदि ने अपने अपने विचार रखे। आदिलाबाद अध्यक्ष अशोक कुमार डोकवाल ने फोन पर अपनी उपस्थिति देकर आदिलाबाद शाखा में अधिक संख्या में सभा में सम्मलित होने का प्रस्ताव रखा।

बडंगपेट स्थित राठौड़ परिवार द्वारा आयोजित आईमाताजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए भैराराम सैंणचा। अवसर पर भजनों का लाभ लेते हुए करमनघाट सीरवी समाज अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, सचिव हीरालाल सैंणचा, कोषाध्यक्ष दीपाराम काग, नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश

जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की शानदार सफलता पर जश्न मनाया। इस अवसर पर उन्होंने पुतलीबावली, गौलीगुडा में मिठाइयां वितरित की। साथ में हैं अमर सिंह, जी. श्रीनिवास यादव, वेंकटेश गौड़, रामकृष्ण, प्रवीण बाबू, अनिल यादव, नरसिंग व अन्य।

क्या विराट बना पाएंगे 100 शतक : 12 महीने में 7वीं सेंचुरी लगाई

इस स्पीड से 2027 तक सचिन को पीछे छोड़ देंगे

कोलंबो, 12 सितंबर (एजेंसियां)। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में शतक लगाकर अपना बेहतरीन फॉर्म सबके सामने रख दिया। पाकिस्तान के खिलाफ कोहली ने महज 84 गेंद पर अपना 47वां वनडे शतक लगाया, जो तीनों फॉर्मेट मिलाकर उनका 77वां इंटरनेशनल शतक रहा। वह पिछले 12 महीनों में तीनों फॉर्मेट मिलाकर 7 शतक लगा चुके हैं।

वनडे में वह 3 शतक लगाते ही सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा 49 वनडे शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। हालांकि, बड़ा सवाल ये है कि क्या वे तेंदुलकर के 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इस स्टोरी में हम इसी सवाल का जवाब जानेंगे।

कब तक खेल सकते हैं विराट?

34 साल के विराट 100 या इससे ज्यादा शतक बना पाएं इसके लिए जरूरी है कि वे अभी कुछ साल खेलना जारी रखें। विराट ने अब तक ऐसा कोई हिंट नहीं दिया है, जिससे यह लगे कि वे क्रिकेट से दूर होने का मन बना रहे हैं। यानी अभी वे खेलना जारी रखेंगे, लेकिन कब तक जारी रखेंगे? फिटनेस के मामले में वे टीम इंडिया के कई यंग स्टार्स से बेहतर स्थिति में हैं। एशिया कप से पहले ही उन्होंने यो-यो टेस्ट में 17.2 स्कोर किया। रुतबा भी ऐसा है कि जब तक खुद रिटायरमेंट का फैसला न करें, उन्हें कोई बाहर नहीं कर सकता।

विराट कब तक खेलेंगे, इसका जवाब हम भारत के कुछ दिग्गजों के करियर ग्राफ से लगाने की कोशिश करते हैं। सचिन तेंदुलकर 40 की उम्र तक भारत के लिए खेले। राहुल द्रविड़ 39 की उम्र तक खेले।

महेंद्र सिंह धोनी 38 साल तक टीम इंडिया का हिस्सा रहे। अगर विराट भी इन दिग्गजों की राह पर जाते हैं तो वे 4 से 5 साल आराम से खेल सकते हैं।

अब अगला सवाल यह उठता है कि 4 से 5 साल और खेलने की स्थिति में क्या वे 24 शतक और जमा पाएंगे। अभी उनके नाम 77 शतक हैं। सचिन ने 782 पारियों में 100 शतक लगाए हैं। अगले ग्राफिक में देखें सचिन के शतकों का ब्रेकअप...

हर 7वीं पारी में शतक लगाते हैं विराट

विराट ने तीनों फॉर्मेट में मिलाकर 561 पारियों में 77 शतक लगाए हैं। वह हर सेंचुरी के लिए औसतन 7.29 पारियां लेते हैं। इस हिसाब से 24 शतक के लिए उन्हें 175 पारियों की जरूरत है। अपने 16 साल के करियर में कोहली ने हर साल औसतन 35 पारियां खेली हैं। यानी 175 पारियों के लिए उन्हें 5 साल और खेलना होगा। बिलकुल मुमकिन है कि वे 5 साल और खेल जाएंगे और इस स्पीड से 2028 के अंत तक सचिन का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

करेंट फॉर्म जारी रहा तो 2027 तक 100 शतक लगा देंगे

विराट कोहली दिसंबर 2019 से अगस्त 2022 तक कोई इंटरनेशनल शतक नहीं लगा सके थे। फिर, पिछले साल 8 सितंबर को उन्होंने एशिया कप में ही टी-20 सेंचुरी लगाकर अपने शतकों का सूखा खत्म किया। इसके बाद कोहली ने 11 सितंबर 2023 तक तीनों फॉर्मेट में 6 और शतक लगा दिए।

पिछले 12 महीनों में कोहली ने 7 इंटरनेशनल शतक लगाए, इसके लिए उन्होंने 40 पारियां लीं। यानी, उन्होंने औसतन 5.7 पारी में एक शतक लगाया। इस हिसाब से वह अगली 137 पारियों में 24 शतक लगा देंगे। कोहली हर साल औसतन 35 पारियां खेलना जारी रखें तो अगले 4 साल में 100 शतक लगा देंगे। यानी 2027 के वनडे वर्ल्ड कप से पहले कोहली सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

2018 वाली फॉर्म मिले तो 3 साल में ही रिकॉर्ड तोड़ देंगे

कोहली अगर अपनी 5 साल पुरानी फॉर्म में आ गए तो अगले 3 साल में ही शतकों की सेंचुरी पूरी कर सकते हैं। विराट ने साल 2017 और 2018 मिलाकर 99 पारियों में ही 22 शतक जमा दिए थे। यानी हर 4.5 पारी में एक शतक। इस स्पीड से कोहली फिर शतक बनाने लगें तो 108 पारियों में ही वे 24 शतक और जमा देंगे। यानी 3 साल में 2026 तक विराट शतक सम्राट बन सकते हैं।

कोहली पिछले 12 महीनों में जिस नए रूप से बैटिंग कर रहे हैं इससे पूरे संकेत मिलते हैं कि वे 2017-2018 वाली फॉर्म में लौट रहे हैं। अगले महीने वनडे वर्ल्ड कप भी है और कोहली बड़े टूर्नामेंट में परफॉर्म करने का मौका तो कभी चूकते भी नहीं हैं।

फॉर्म और फिटनेस के साथ-साथ ब्रेक लेना भी कम करना होगा

विराट 100 शतकों का आंकड़ा पार करेंगे या नहीं, यह उनकी फॉर्म और फिटनेस के साथ-साथ इस बात पर भी निर्भर है कि वे ब्रेक कितना लेते हैं। पिछले कुछ सालों में विराट ने जमकर ब्रेक लिया है या ये कहें कि सीनियर होने के नाते उन्हें बहुत रेस्ट दिया गया है।

1 जनवरी 2020 से अब तक भारत ने 166 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। विराट इनमें से सिर्फ 103 में खेले। 61 मैचों से नदारद रहे।

ऐसा नहीं था कि विराट अनफिट होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे। वे ब्रेक लेते थे और कई बार उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ आराम भी दे दिया जाता था।

अगर आगे के मैचों में भी विराट इसी तरह गायब रहेंगे तो फिर 100 शतक तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। हां, अगर वे टी-20 मैच कम खेले तो भी काम चल सकता है। इस फॉर्मेट में उन्होंने 107 पारियों में सिर्फ एक शतक जमाया है। उन्हें वनडे और टेस्ट मैचों से ब्रेक लेने से बचना होगा, क्योंकि उनके 76 शतक इन्हीं 2 फॉर्मेट में आए।

विराट ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 122 रन बनाए। इनमें उन्होंने 68 रन दौड़कर बनाए। इनमें 15 डबल और 38 सिंगल शामिल हैं। यानी उनकी फिटनेस किसी भी तरह से कम नहीं है।

इंडियन ग्रां प्री 5: पीटी उषा का रिकॉर्ड टूटने से बचा

तमिलनाडु की विद्या सेकंड के सौवें हिस्से से चूकीं

चंडीगढ़, 12 सितंबर (एजेंसियां)। विद्या ने कहा कि मैडम उषा बेहद प्रतिभाशाली थीं इसलिए उनका रिकॉर्ड इतने लंबे समय से कायम है। मैं यह कीर्तिमान तोड़ना चाहती थी।

एशियाई खेलों में भाग लेने वालीं 24 साल की आर विद्या रामराज 'इंडियन ग्रां प्री पांच' के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 55.43 सेकंड का समय लेकर महान पीटी उषा के 39 साल पहले के रिकॉर्ड को तोड़ने से बेहद मामूली अंतर से चूक गईं। तमिलनाडु की 24 वर्षीय विद्या सेकंड के सौवें हिस्से से उषा का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गईं। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 55.42 सेकंड के समय के साथ चौथा स्थान हासिल किया था।

यह दूसरा सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाला राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उषा वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। विद्या ने कहा कि मैडम उषा बेहद प्रतिभाशाली थीं इसलिए उनका रिकॉर्ड इतने लंबे समय से कायम है। मैं यह कीर्तिमान तोड़ना चाहती थी। ये मेरे दिमाग में था, मैं नई उषा मैडम बनना चाहती थी। मैं पहले 200 मीटर में कुछ धीमी रहीं उसके बाद गति पकड़ी। अगर मैंने शुरुआत में ही रफ्तार पकड़ ली होती तो मैंने यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया होता। अभी एशियाई खेल होने हैं, मैं वहां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने का प्रयास करूंगी।

तीरंदाजी विश्व कप: फाइनल में धीरज कांस्य पदक का मुकाबला हारे, प्रथमेश ने जीता एकमात्र

हरमोसिलो, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के लिए एकमात्र पदक कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने रजत के रूप में दिलाया। सीजन के अंत में भारत ने विश्वकप फाइनल में अपने पांच तीरंदाज उतारे थे।

तीरंदाजी विश्वकप में धीरज बोमादेवरा ने दो बार के ओलंपिक टीम स्वर्ण जीतने वाले किम वू जिन को 6-2 से हराकर पदक की उम्मीद जताई थी लेकिन अगले दो मैचों में हारकर पदक से वंचित रह गए। भारत के लिए एकमात्र पदक कंपाउंड तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने रजत के रूप में दिलाया। सीजन के अंत में भारत ने विश्वकप फाइनल में अपने पांच तीरंदाज उतारे थे। रिकर्व तीरंदाज धीरज ने शुरुआत अच्छी की जब उन्होंने दुनिया के दूसरे नंबर के कोरियाई किम वू जिन को क्वार्टर फाइनल में हराया। सेना का यह तीरंदाज बाद में कोरिया के ही ली वू सियोक से 1-7 और फिर तीसरे स्थान के लिए हुए प्लेआफ में इटली के माउरो नेसपोली से हार गए। रिकर्व में विश्वकप फाइनल में पदक जीते 13 साल हो गए तब जयंत तालुकदार ने कांस्य जीता था।

कोहली-केएल की विराट पारी पर सचिन तेंदुलकर की खास बधाई, टीम इंडिया के लिए कही बड़ी बात

मुंबई, 12 सितंबर (एजेंसियां)। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली और केएल राहुल को बधाई दी है।

भारत-पाकिस्तान के बीच कोलंबो में रिजर्व डे के तहत खेले जा रहे मुकाबले में टीम इंडिया ने तूफानी बल्लेबाजी की। विराट कोहली और केएल राहुल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर शतक ठोक डाले।

केएल ने शानदार वापसी कर 106 गेंदों में 12 चौके-2 छक्के ठोक नाबाद 111 रन बनाए तो वहीं दूसरी ओर विराट कोहली ने 94 गेंदों में 9 चौके-3 छक्के ठोक नाबाद 122 रन जड़े। विराट ने इसी के साथ वनडे में सबसे तेज 13 हजार रन पूरे कर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ डाला।

तेंदुलकर ने केएल और कोहली की इस विराट पारी पर बधाई दी है। तेंदुलकर ने ट्वीट कर कहा- विराट और केएल को शतकों के लिए बधाई।' इसी के साथ उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया के लिए बड़ी बात कही।

उन्होंने आगे लिखा- टीम इंडिया के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत यह है कि हमारे सभी शीर्ष 6 बल्लेबाजों – रोहित, शुभमन, विराट, केएल, ईशान और हार्दिक ने 2 मैचों में विभिन्न चरणों में रन बनाए हैं। बहुत बढ़िया! इसे जारी रखो।

टीम इंडिया को लय रखनी होगी बरकरार

बता दें कि टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के बाद 12 सितंबर को श्रीलंका और 14 सितंबर को बांग्लादेश से मुकाबला करेगी। इसके बाद 17 सितंबर को एशिया कप का फाइनल होगा। टीम इंडिया लगातार जीत हासिल करती है तो एशिया कप का फाइनल खेलेगी।

एशिया कप के बाद टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर देगी। फिलहाल पाकिस्तान जैसी टीम के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी का प्रदर्शन दमदार नजर आ रहा है। देखना दिलचस्प होगा कि टीम इंडिया इस लय को कितना बरकरार रखती है।

24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच ने बनाए कई रिकॉर्ड

दोस्त कोबे को दी श्रद्धांजलि

न्यूयॉर्क, 12 सितंबर (एजेंसियां)। सर्बिया के 36 वर्षीय नोवाक जोकोविच रविवार की रात निर्विवाद रूप से टेनिस के बेताज बादशाह बन गए। उन्होंने फाइनल में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-3, 7-6 (5), 6-3 से हराकर यूएस ओपन का चौथा और कुल 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। 1968 से शुरू हुए ओपन दौर के बाद 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले वह दुनिया के इकलौते टेनिस खिलाड़ी हैं। यही नहीं ओपन दौर में वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले वह पहले पुरुष खिलाड़ी भी बने। उन्होंने ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स (23) को पीछे छोड़ दिया और ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट स्मिथ (24) की बराबरी कर ली। मार्गरेट ने भी 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं, लेकिन उन्होंने 13 ग्रैंड स्लैम ओपन दौर से पहले जीते थे।

वर्ष में तीन ग्रैंड स्लैम चौथी बार जीते

जोकोविच का यह साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम रहा। साल में तीन ग्रैंड स्लैम जीतने की उपलब्धि उन्होंने चौथी बार हासिल की है। ऐसा टेनिस के इतिहास में किसी ने नहीं किया। यूएस ओपन जीतने के साथ इस साल उनका ग्रैंड स्लैम में जीत हार का रिकॉर्ड 27-1 हो गया है। उन्हें एकमात्र हार विंबलडन के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के हाथों मिली। यही नहीं इस जीत के साथ जोकोविच एटीपी रैंकिंग में नंबर एक की रैंकिंग पर विराजमान हो जाएंगे। जोकोविच कोरोना का टीकाकरण नहीं होने के चलते बीते वर्ष यूएस ओपन में नहीं खेल पाए थे।

हर तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने में सफल रहे

वर्ष 2005 में जोकोविच ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था। 2008 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में फ्रांस के जो विल्फ्रेड सोंगा को हराकर उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता। वह अब तक 72 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। इस लिहाज से उन्होंने अब तक हर तीसरा ग्रैंड स्लैम जीता है। जोकोविच पिछले 10 ग्रैंड स्लैम में से सात में जीत चुके हैं। 2021 के यूएस ओपन फाइनल में उन्हें मेदवेदेव के हाथों ही हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने उस हार का भी बदला लिया। मेदवेदेव का यह पांचवां ग्रैंड स्लैम फाइनल था, जिसमें उन्हें सिर्फ एक में ही जीत मिली है। दो ग्रैंड स्लैम फाइनल वह राफेल नडाल और दो ही जोकोविच के हाथों हारे हैं।

एक घंटा 44 मिनट चला दूसरा सेट

देखने को तो यह सीधे सेटों में जीत है, लेकिन यह बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबला था। दूसरा सेट एक घंटा 44 मिनट चला। मेदवेदेव ने कहा भी कि उन्हें कभी इतना लंबा सेट नहीं खेला। कई मौकों पर 25 से 30 ग्राउंड स्ट्रोक की रैलियां चलीं। 32 शॉट की रैली पर मेदवेदेव कोर्ट पर लेट गए तो जोकोविच उन्हें उठाने पहुंचे। जोकोविच ने लंबी रैलियों की काट नेट पर आकर निकाली। उन्होंने सर्व एंड वॉली खेल भी खेला। वह 44 बार नेट पर आए और 37 अंक जीते। मेदवेदेव ने बाद में कहा कि वह 6-5 के स्कोर पर दूसरा सेट जीत सकते थे। वह जीत से सिर्फ एक अंक दूर थे, लेकिन वह मौके का फायदा नहीं उठा पाए।

24वें ग्रैंड स्लैम पर दोस्त कोबे को दी श्रद्धांजलि

24वां ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद जोकोविच 24 नंबर की नीले रंग की टी शर्ट पहनकर आए। उस पर महान बास्केटबाल खिलाड़ी अमेरिकी कोबे ब्रायंड और जोकोविच की फोटो के साथ मांबा फॉरएवर (मांबा हमेशा के लिए) लिखा।

दरअसल जोकोविच की यह लॉस एंजिलस लेकर्स के लिए खेलने वाले महान ब्रायंट को श्रद्धांजलि थी, जिनका निधन 2020 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हो गया था। ब्रायंट भी 24 नंबर की जर्सी पहना करते थे। जोकोविच ने कहा कि एक सप्ताह पहले उन्होंने कोबे को इस तरह श्रद्धांजलि देने का सोचा था। कोबे उन्हें कई चीजों में सलाह दिया करते थे।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस तरह आपके सामने खड़े होकर 24वें ग्रैंड स्लैम की बात करूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह हकीकत बनेगा, लेकिन आखिरी दो सालों में मैंने महसूस किया कि मेरे पास इतिहास बनाने का अवसर है तो मैंने सोचा क्यों न इसे पाया जाए जब मेरे पास इसे हासिल करने का मौका है।-नोवाक जोकोविच

अनिल कुंबले को बस में खड़े-खड़े करनी पड़ी सवारी, क्या रही वजह?

बेंगलुरु, 12 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर शेयर की जो वायरल है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर शेयर की जो वायरल है। तस्वीर में अनिल कुंबले एक बस में खड़े-खड़े सवारी करते दिख रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में कुंबले ने लिखा- बीएमटीसी आज हवाईअड्डे से घर वापस जा रहा हूं।

दरअसल, पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को बेंगलुरु में चल रही हड़ताल के कारण हवाईअड्डे से घर तक का सफर बस से करना पड़ा। इन दिनों कर्नाटक राज्य निजी वाहन मालिक संघ की ओर से राज्य में हड़ताल का आह्वान किया गया है। निजी वाहन मालिक संघ शक्ति योजना का विरोध कर रहा है। उनका मानना है कि इससे उनकी कमाई पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

उधर, हड़ताल के कारण कैब सेवाएं प्रभावित होने से कुंबल को जब कैब नहीं मिली तो वे बस से ही घर लौटे। बस में सवारी के दौरान उन्होंने एक तस्वीर क्लिक की और अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इस दौरान भीड़ इतनी थी कि कुंबले को बैठने के लिए सीट भी नहीं मिली और उन्होंने एयरपोर्ट से घर तक बस में खड़े-खड़े यात्रा की।

कोच विमल बोले- सिंधू के मनोबल में कमी

एशियाई खेलों में ज्यादा उम्मीद नहीं की जानी चाहिए

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान टखने की चोट के बाद सिंधू के प्रदर्शन में गिरावट आई है।

भारत के पूर्व कोच विमल कुमार का मानना है कि मौजूदा सत्र में टूर्नामेंटों में लगातार असफलताओं ने पी वी सिंधू के आत्मविश्वास को कमजोर कर दिया है और देश की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी से एशियाई खेलों में ज्यादा उम्मीद नहीं की जानी चाहिए।

सिंधू ने लय हासिल करने के लिए दिग्गज प्रकाश पादुकोण की देखरेख में एक सप्ताह तक बंगलूरू स्थित प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) में अभ्यास किया।

पिछले अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान टखने की चोट के बाद सिंधू के प्रदर्शन में गिरावट आई है। पीपीबीए के निदेशक विमल ने कहा, 'हम उनके अभ्यास सत्र का विश्लेषण कर रहे हैं। प्रकाश ने उससे बात की और उसे प्रेरित करने की कोशिश की। हमने उसके कोच (मुहम्मद हाफिज हाशिम) से भी बातचीत की है।'

भारी मात्रा में गांजा व हथियार के साथ 6 गिरफ्तार

बरामद संपत्ति का मूल्य करीब 3 करोड़

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की एसओटी मेडचल और डुंडीगल पुलिस, एसओटी माधापुर और नरसिंगी पुलिस ने यूपी और महाराष्ट्र के दो अलग-अलग अंतरराज्यीय गिरोह को गिरफ्तार करने का दावा किया है। ये आग्नेयास्त्रों का उपयोग करके भारी मात्रा में गांजा के परिवहन में शामिल रहे है। इनके पास से पुलिस को एक देशी पिस्तौल, 14 कारतूस, 1228 किलोग्राम गांजा, 10 मोबाइल फोन, 3 वाहन (डीसीएम, एक्सयूवी 500, मारुति स्विफ्ट डिजायर) मिले है। बरामद संपत्ति का मूल्य करीब तीन करोड़ रुपए बताया जा रहा है। साइबराबाद के पुलिस ऑयुक्त स्टीफन रवीन्द्र ने बताया कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), मेडचल जोन की टीम ने डुंडीगल पुलिस के साथ मिलकर चार अंतरराज्यीय गांजा तस्करों मोहम्मद इनाम निवासी साउथ खालापार कॉलोनी, मुजफ्फर नगर, उत्तर प्रदेश, बंटी कश्यप निवासी देशराज कॉलोनी, पानीपत टाउन बस स्टैंड के पास, हरियाणा, ललित कुमार कश्यप निवासी देशराज कॉलोनी, पानीपत शहर बस स्टैंड के पास, हरियाणा, मोहम्मद सादरामपुरम, मुजफ्फर नगर, कोतवाली, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस टीम ने एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन, 14 ज़िंदा कारतूस, 508 किलोग्राम गांजा, 2 कारें, और 7 मोबाइल फोन बरामद किया है। इनके बरामद संपत्ति का मूल्य लगभग 1,49,10,500 रुपए बताई जा रही है। इस मामले को दो आरोपी बबलू शिंदे, निवासी सोलापुर, महाराष्ट्र, सुभाष, निवासी अरकू घाटी, आंध्र प्रदेश फरार है। सीपी ने बताया कि चारो आरोपी यूपी के मुज़फ्फर नगर से संबंधित हैं। ये आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापत्तनम की अरकू घाटी से हैदराबाद के रास्ते सोलापुर, महाराष्ट्र राज्य तक गांजा के अवैध परिवहन में शामिल रहे हैं।

इसी तरह दूसरे मामले की जानकारी देते हुए सीपी ने बताया कि विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए, स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), माधापुर जोन के अधिकारियों ने नरसिंगी पुलिस के साथ मिलकर दो गांजा आपूर्तिकर्ताओं विशाल चंद्रकांत शिंदे और सागर भवन देशमुख को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से (720) किलोग्राम गांजा, एक डीसीएम वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। बरामद संपत्ति की कीमत करीब 1,64,00,000 रुपए बतायी जा रही है। एसओटी माधापुर जोन और नरसिंगी पुलिस ने संयुक्त अभियान में इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शेयर बाजार धोखाधड़ी में कम्प्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

मंचेरियल, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शेयर बाजार में निवेश की आड़ में जनता को धोखा देने के आरोप में मंगलवार को मंचेरियल में टास्क फोर्स ने एक कंप्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार किया। वह पांच महीने से फरार था। मंचेरियल शहर के गोसेवा मंडल रोड से चेव्वा रवि के पास से पीड़ितों के कई क्रेडिट कार्ड और विभिन्न बैंकों के पासबुक, 8,100 रुपये और एक रजिस्टर जब्त किया गया। रामगुंडम पुलिस आयुक्त रेमा राजेश्वरी ने एक बयान में कहा कि रवि को एक व्यक्ति से धन इकट्ठा करते समय टास्क फोर्स ने रेलवे पुल पर पकड़ा था। रवि पर पांच महीने पहले 50 भोले-भाले लोगों को धोखा देने और भारी रिटर्न देने का वादा करके उनसे 2.11 करोड़ रुपये ऐंठने का मामला दर्ज किया गया था। तब से वह फरार था। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए हैदराबाद में रह रहा था। रवि को पकड़ने के लिए टास्क फोर्स एसीपी मल्ला रेड्डी और इंस्पेक्टर सुधाकर के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया था, जिन्होंने कथित तौर पर व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पैसे का उपयोग करने और शेयर खरीदने में निवेश करने की बात कबूल की है, लेकिन नुकसान दर्ज किया है।

चिकित्सा क्षेत्र में देश के लिए आदर्श बना तेलंगाना : इंद्रकरण

मंत्री ने किया आरोग्य महिला केंद्र का उद्घाटन

निर्मल, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण, न्याय और कानून विभाग के मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के लिए आदर्श बन गया है। मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने मंगलवार को लक्ष्मणचंदा मंडल केंद्र में आरोग्य महिला केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गरीबों को विशेष सेवाएं प्रदान करने के अलावा, सीएम केसीआर ने डॉक्टर बनने के इच्छुक छात्रों के सपने को साकार करने के लिए जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि पहले राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला औषधालयों में डॉक्टरों और कर्मचारियों की भारी कमी थी, यहां तक कि न्यूनतम सुविधाएं और दवाएं भी उपलब्ध नहीं थीं, कई स्थानों पर नर्स और कंपाउंडर इलाज करते थे, लेकिन नौ वर्षों में सरकारी औषधालय पूरी तरह बदल गये हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के मार्गदर्शन में लागू की जा रही क्रांतिकारी योजनाओं, अभिनव कार्यक्रमों और मानवीय योजनाओं ने सार्वजनिक चिकित्सा में जनता का विश्वास बढ़ाया है। कहा कि बस्ती के क्लीनिकों, उपकेंद्रों एवं पीएचसी में मैदानी स्तर पर सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज की स्थापना से कॉर्पोरेट अस्पतालों को विशेष सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं और लोगों को एक भी रुपया खर्च किए बिना अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि एक जिला मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई है और इसके हिस्से के रूप में निर्मल जिले में भी एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर के हाथों 15 से कक्षाएं शुरू होंगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, सीएम केसीआर ने महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल के लिए इस वर्ष 8 मार्च को आरोग्य महिला कार्यक्रम शुरू किया है और इस कार्यक्रम के तहत 272 आरोग्य महिला केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन्हें 100 से अधिक तक विस्तारित करने के निर्णय के संदर्भ में हमने आज आरोग्य महिला केंद्र शुरू किया है। पता चला है कि इन सेंटरों में महिलाओं को हर मंगलवार को 8 तरह की मुफ्त जांच और इलाज मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनसुलझी समस्याओं को जिला केंद्र के मुख्य क्लीनिकों में भेजा जाएगा, जहां महिलाओं के लिए एक अलग हेल्प डेस्क और एक अलग वार्ड होगा। ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाएं जो मेडिकल जांच कराने में असमर्थ हैं, उन्हें इस योजना का लाभ उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही महिलाओं को आर्थिक दिक्कतें होती हैं, वे इस बारे में बात नहीं करना चाहतीं, उन्हें इलाज के खर्च या बीमारी की परवाह नहीं होती, इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने आरोग्य मन योजना शुरू की है। उन्होंने बताया कि लड़कियों के स्वास्थ्य में सुधार लाना उद्देश्य से 'आरोग्य समानी' द्वारा स्थापित क्लीनिकों में अटेंडेंट से लेकर डॉक्टर तक सभी महिलाएं होंगी और वे बिना किसी डर के अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में बात कर सकती हैं। इससे पहले मंत्री ने हरियाली कार्यक्रम के तहत अस्पताल परिसर में पौधारोपण किया।

दिसंबर में होंगे विधानसभा चुनाव : डीके अरुणा

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने आगामी विधानसभा चुनावों पर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में चुनाव दिसंबर में होंगे। देश और प्रदेश में एक साथ चुनाव कराने की खबरों पर टिप्पणी करते हुए अरुणा ने इन खबरों को महज अटकलें करार देते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि दिसंबर में चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी का लक्ष्य सीएम केसीआर को सत्ता से बाहर करना है। डीके अरुणा ने बीजेपी उम्मीदवारों के चयन पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में मजबूत उम्मीदवार उतारे जाएंगे और इसके लिए एक परीक्षा आयोजित की जा रही है। उन्होंने मंगलवार को निजामाबाद का दौरा किया। इस अवसर पर, उन्होंने आलोचना की कि एमएलसी कविता, जिन्होंने कहा कि तेलंगाना एक अलग देश है, यह दर्शाता है कि उन्हें राज्य के प्रति कितना प्यार है।

इस बीच, मंत्री केटी रामा राव ने राज्य में विधानसभा चुनाव पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में चुनाव तभी होंगे जब चुनाव अधिसूचना 10 अक्टूबर से पहले आएगी और उन्होंने कहा कि वे अगले साल अप्रैल या मई में होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संसद के विशेष सत्र में चुनाव के संचालन पर स्पष्टता आने की संभावना है। जहां बीजेपी नेताओं का कहना है कि चुनाव इस साल दिसंबर में होंगे, वहीं बीआरएस पार्टी के नेता इसे लेकर सशंकित हैं।

चंद्रबाबू की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित : बालाकृष्ण

मंगलागिरी, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म अभिनेता और हिंदूपुर से तेलुगु देशम पार्टी के विधायक नंदमुरी बालकृष्ण ने मंगलवार को कहा कि टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास मामले में गिरफ्तार किया गया है, जो मनगढ़ंत है। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी बिना किसी सबूत के की गई और यह पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी कल्याण को नजरअंदाज कर रहे हैं और प्रतिशोध पर उत्सुक हैं और टिप्पणी की कि सिर्फ इसलिए कि जगन जेल गए थे, वह सभी को जेल भेजना चाहते हैं।

यह याद करते हुए कि चंद्रबाबू ने कई शैक्षणिक संस्थान लाए और युवाओं के लिए रोजगार पैदा किया, चंद्रबाबू के बहनोई बालकृष्ण ने दावा किया कि उनमें से 1,200 को हिंदूपुर में नौकरियां मिलीं। जगन ईडी सहित कई मामलों का सामना कर रहे हैं और अब जमानत पर हैं। आगामी चुनाव में हार के डर से वह ये कदम उठा रहे हैं. वह 16 महीने तक जेल में थे और इसलिए उन्होंने चंद्रबाबू को कम से कम 16 दिनों के लिए सलाखों के पीछे डालने की साजिश रची। कौशल विकास कार्यक्रम सबसे पहले गुजरात में शुरू हुआ और मुख्यमंत्री केवल नीति निर्माता हैं। अधिकारी ही इसे क्रियान्वित करते हैं, जबकि अजेय कल्लम ने परियोजना का प्रस्ताव रखा, प्रेमचंद्र रेड्डी ने इसे लागू किया। सरकार ने 370 करोड़ रुपये खर्च कर 2.13 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी। चंद्रबाबू मामले में बेदाग निकलेंगे।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही है राज्य सरकार : कलेक्टर गौतम

खम्मम, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वीपी गौतम ने कहा कि तेलंगाना सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विभिन्न बीमारियों के बारे में शिक्षित करने और उपचार प्रदान करने के लिए आरोग्य महिला केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को मेयर पी. नीरजा के साथ बस्ती दवाखाना में पुराने नगर निगम कार्यालय में आरोग्य महिला केंद्र की स्थापना की। कलेक्टर ने कहा कि कैंसर, स्तन कैंसर, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, मूत्र पथ के संक्रमण, पीसीओडी, एसटीआई जैसी बीमारियों को रोकने और महिलाओं में वजन प्रबंधन में मदद के लिए प्रत्येक मंगलवार को केंद्रों के बाह्य रोगी विंग में विशेष जांच की जाएगी। पहले चरण में आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर जिले में छह आरोग्य महिला केंद्र स्थापित किये गये. अब तक 5,795 महिलाओं ने पंजीकरण कराया है और केंद्रों में उनका इलाज किया गया है और उनमें से 790 को आगे की चिकित्सा देखभाल के लिए रेफरल अस्पतालों में भेजा गया है। दूसरे चरण में छह आरोग्य महिला केंद्र शुरू किये गये हैं. विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं की जांच एवं इलाज की पूरी व्यवस्था की गयी। स्वास्थ्य अधिकारियों को आरोग्य महिला केंद्रों के बारे में महिलाओं को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी केंद्रों पर एक बोर्ड प्रदर्शित किया जाना चाहिए ताकि जनता उनके बारे में जान सके, जबकि मेयर नीरजा ने महिलाओं से आरोग्य महिला केंद्रों का लाभ उठाने की अपील की।

कोत्तागुडेम जिले के अश्वपुरम मंडल मुख्यालय में एक कार्यक्रम में, जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने आरोग्य महिला केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि पहले चरण में पांच केंद्र और दूसरे चरण में नौ मंडलों में आरोग्य महिला केंद्र स्थापित किये गये। चूंकि स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाली अधिकांश महिलाओं को उचित इलाज नहीं मिल पाता, इसलिए राज्य सरकार ने आरोग्य महिला केंद्र स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर किशोरियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक को निदान और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

फूड पायजिंनिंग के कारण केजीबीवी की 30 छात्राएं बीमार

निज़ामाबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), भीमगल में सोमवार रात फूड पायजिंनिंग के कारण कम से कम 103 लड़कियां बीमार पड़ गईं। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्रों ने अपने हॉस्टल मेस में रात के खाने में दूषित भोजन खाया, जिसके बाद उन्हें उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसे लक्षण महसूस हुए। हॉस्टल स्टाफ उन्हें रात करीब 1 बजे निज़ामाबाद सरकारी अस्पताल ले गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सुबह अस्पताल पहुंचे कलेक्टर ने बालिकाओं के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली और अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रतिमाराज को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

कलेक्टर ने बताया कि सरकारी अस्पताल में भर्ती सभी लड़कियों की हालत स्थिर है. सभी छात्र खतरे से बाहर हैं। उन्हें बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। उन्हें जल्द ही ठीक हो जाना चाहिए। प्रारंभिक जांच के अनुसार यह पाया गया कि छात्र दूषित भोजन के कारण बीमार पड़ गए, उन्होंने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि पानी के स्रोत, आपूर्ति किए गए भोजन की गुणवत्ता, उस क्षेत्र की जांच करने के लिए जहां भोजन संग्रहीत और तैयार किया गया था, अधिकारियों की एक टीम को छात्रावास में भेजा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रावास परिसर में स्वच्छता और स्वच्छता बनाए रखी गई है।

सनसनीखेज हत्याकांड के पांच आरोपी धरे गये

भूमि विवाद में की गई थी वेणुगोपाल की हत्या

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के जवाहरनगर पुलिस थाना क्षेत्र में रियल स्टेट कारोबारी सी. वेणुगोपाल की हत्या का पुलिस ने पदार्फाश करने का दावा किया है। पुलिस की माने को वेणुगोपाल की जमीनी विवाद के कारण हत्या की गई थी। जवाहर नगर के श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी कॉलोनी के रहने वाले वेणुगोपाल की बीते 9 सितंबर को धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में रियर स्टेट कारोबारी परमकुशम पवन निवासी मकान ज्योति कॉलोनी, बालाजी नगर, जवाहरनगर, पी. लक्ष्मण निवासी ज्योति कॉलोनी, बालाजी नगर, जवाहरनगर, शिवरात्रि सुरेश उर्फ जम्पू, निवासी गब्बीलालपेट, जवाहरनगर, गौड़ी जगदीश उर्फ विकास राजीव गांधी नगर, जवाहर नगर, मल्लेबोइना साई किरण निवासी श्री राम नगर कॉलोनी, बालाजी नगर, जवाहरनगर को गिरफ्तार किया है। वर्ष-2011 में, पी. लक्ष्मण और मृतक के पिता श्रीशैलम और अन्य ने जवाहरनगर की लक्ष्मीनरसिम्हा कॉलोनी स्थित पूर्व सैनिक की पत्नी सत्यवती से 10 एकड़ जमीन खरीदी। उनकी साझेदारी के 2 साल बाद मृतक वेणु और पी. लक्ष्मण के बीच विवाद शुरू हो गया। इसी विवाद में वेणुगोपाल की हत्या कर दी गई। एसओटी मल्काजगिरी और जवाहरनगर पुलिस स्टेशन की एक टीम ने मंगलवार को सुबह बालाजीनगर, जवाहरनगर में पांचों आरोपी को पकड़ लिया।

महाप्रबंधक ने 'मैन ऑफ द मंथ' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान जोन में कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाने वाले 12 कर्मचारियों को "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। प्रमुख विभागाध्यक्षों सहित सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। श्री जैन ने वर्चुअल मोड (सिकंदराबाद डिवीजन- 03, विजयवाड़ा डिवीजन -04, गुंतकल डिवीजन -03, नांदेड़ डिवीजन - 01, और गुंटूर -01) के 12 कर्मचारियों को "मैन ऑफ द मंथ" सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार विजेताओं ने अपने-अपने मंडलों में मंडल रेल प्रबंधकों के हाथों पुरस्कार प्राप्त किए। पुरस्कार विजेता विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन, पॉइंट मैन, की/गेट मैन और ट्रैक मेंटेनर आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अत्यंत समर्पण के साथ कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। बाद में, श्री अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और समयपालन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जोन पर चल रहे रखरखाव कार्यों के मद्देनजर मुख्य रूप से यात्री ट्रेनों की समयबद्धता पर ध्यान केंद्रित किया। महाप्रबंधक ने रखरखाव कार्यों की योजना इस प्रकार बनाने के निर्देश दिए कि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, साथ ही ट्रेन संचालन की समयपालन को प्रमुखता दी जाए।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आइए हम सब मिलकर कैंसर को हराएँ : स्टीफन

दौड़ में 130 देशों के 1 लाख प्रतिभागी फिजिकल और वर्चुअल मोड से भाग लेंगे

हैदराबाद, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया की सबसे बड़ी कैंसर जागरूकता दौड़ "क्वांबियंट डेवलपर्स - ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन-2023" 8 अक्टूबर को शहर के गाचीबोवली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसकी टी-शर्ट मंगलवार को साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवीन्द्र द्वारा गच्चीबोवली में साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में आयोजित एक संक्षिप्त लॉन्च समारोह में लॉन्च की गई। लॉन्च के तुरंत बाद संबोधित करते हुए स्टीफन रवीन्द्र ने कहा कि इसे एक अंतर के साथ चलाया जाता है। यह एक शानदार दौड़ है। पिछले साल साइबराबाद पुलिस इससे जुड़ी थी और इस साल भी हमें ऐसे आयोजन से जुड़कर खुशी होगी। यह कोई खेल आयोजन नहीं है. यह एक जागरूकता दौड़ है जो समय की मांग है। और मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यह एक वैश्विक कार्यक्रम है। 130 देशों के धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। हमें इससे जुड़कर गर्व है।' साइबराबाद पुलिस इस प्रयास में आयोजक होगी। 'बी लाइट' थीम के साथ दौड़ के छठे संस्करण में 130 से अधिक देशों के 1 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे, वरिष्ठ सलाहकार रोबोटिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और ग्रेस (ग्लोबल रिसर्च एंड कैंसर एजुकेशन) के संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सनकवल्ली ने खुलासा किया। दौड़ तीन अलग-अलग श्रेणियों 5के, 10 के और 21.1 के (हाफ मैराथन) में आयोजित की जाएगी। गच्चीबोवली में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 20,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। भारतीय मिसाइल वैज्ञानिक, लेखक और प्रोफेसर अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि बीमारियाँ बाहर से आती हैं, कैंसर अंदर से बढ़ता है। यह जानकर अच्छा लगा कि डॉक्टर और पुलिस इस आयोजन के लिए एक साथ आए हैं। डॉक्टर जहां शरीर की बीमारी ठीक करते हैं, वहीं पुलिस समाज की बीमारी दूर करती है।

दुर्घटना में तीन इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

सिद्दीपेट, 12 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार दोपहर चिन्ना कोडुरु मंडल के अनंत सागर गांव में एक एसयूवी के एक स्थिर लॉरी से टकरा जाने से तीन इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी पीड़ित सिद्दीपेट के इंदुरु इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। वे परीक्षा देकर सिद्दीपेट लौट रहे थे। एसयूवी में सवार 11 छात्रों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाकी गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ितों की पहचान नितिन, ग्रीशा और नम्रता के रूप में की गई। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.